शौर्य न्यूज इंडिया

राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

सोच वही, ऊर्जा नई...

www.shauryanewsindia.co.in

मूल्य : 5/-
24 मार्च से 30 मार्च, 2025
वर्ष - 3, अंक - 49

बनारस, चंदौली, आजमगढ़, जौनपुर, मीरजापुर, सोनभद्र, सिंगरौली, राजगढ़, भदोही, बलिया, मऊ, प्रयागराज, देवरिया, मथुरा, अयोध्या, आगरा, महोबा, बांदा, मुरादाबाद, बहराइच और गोरखपुर से प्रसारित

पेज 5
क्लोजर रिपोर्ट का किया स्वागत...

पेज 5
'सिकंदर' का बमफाड़ ट्रेलर...

वेलकम सुनीता एंड बुच... नौ महीने बाद धरती पर लौटे अंतरिक्ष यात्री

अजीत कुमार सिंह

नई दिल्ली। नासा के अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर नौ महीने अंतरिक्ष में रहने के बाद बुधवार सुबह धरती पर लौट आए। वे दोनों दो अन्य अंतरिक्ष यात्रियों के साथ धरती पर लौटे हैं। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से लौटे विलियम्स और विल्मोर की धरती पर लैंडिंग तो ठीक रही, लेकिन उनके शरीर और दिमाग को यहां ढलने में थोड़ा समय लगेगा।

अंतरिक्ष में रहने के दौरान विलियम्स और विल्मोर के शरीर में क्या बदलाव आए होंगे और अब उनका शरीर पृथ्वी के हिसाब से खुद को कैसे ढालेगा? माइक्रोग्रैविटी में महीनों बिताना शरीर के लिए बहुत बुरा होता है। पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण बल के बिना, मांसपेशियां सिकुड़ जाती हैं, हड्डियां कमजोर हो जाती हैं और शारीरिक तरल पदार्थ बदल जाते हैं। अंतरिक्ष यात्री तेजी से मांसपेशियों को खो देते हैं क्योंकि वे अपने वजन को सहारा देने के लिए अपने पैरों का उपयोग नहीं करते हैं। उनकी हड्डियां कमजोर हो जाती हैं और वे हर महीने अपने अस्थि द्रव्यमान (बोन मास) का 1 प्रतिशत खो देते हैं। अंतरिक्ष में रहने के दौरान शरीर का लगभग 20 प्रतिशत तरल पदार्थ और 5 प्रतिशत द्रव्यमान कम हो जाता है। माइक्रो ग्रेविटी के कारण मांसपेशियों में शोष (आकार में कमी) होता है, लेकिन नियमित व्यायाम और पूरक आहार से इस नुकसान को कम किया जा सकता है। अंतरिक्ष में त्वचा पतली हो जाती है, आसानी से फट जाती है और अधिक धीरे-धीरे ठीक होती है।

सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण (माइक्रो ग्रेविटी) दृष्टि को खराब करता है, जबकि रेडिएशन से मोतियाबिंद के जोखिम को बढ़ाता है। पृथ्वी पर लौटने के बाद अधिकांश जीन रीसेट हो जाते हैं, लेकिन लगभग 7 प्रतिशत जीन बाधित रहते हैं। रेडिएशन मस्तिष्क क्षति और अल्जाइमर रोग की शुरूआत का कारण बन सकता है। अंतरिक्ष अभिविन्यास को बाधित करता है, जिससे मोशन सिकनेस होती है। ब्लड सकुर्लेशन धीमा हो जाता है और लाल रक्त कोशिकाओं का उत्पादन भी कम हो जाता है। हृदय अतालता आम है। प्रतिरक्षा प्रणाली कमजोर हो जाती है। अंतरिक्ष में छह महीने तक रेडिएशन जोखिम पृथ्वी पर वार्षिक जोखिम से 10 गुना अधिक है। कंकाल की विकृति और हड्डियों के नुकसान की संभावना है, हर महीने 1 प्रतिशत हड्डी का बोन मास खो जाता है। अंतरिक्ष यात्री लंबे हो जाते हैं क्योंकि कक्षा में रहते हुए उनकी रीढ़ की हड्डी फैल जाती है।

पृथ्वी पर वापस आने के बाद शरीर कैसे ठीक होता है? : पृथ्वी पर वापस आने से अंतरिक्ष यात्रियों के शरीर पर महीनों से लगा तनाव तुरंत कम नहीं होता। इसे कम होने में लंबा समय लगता है। जैसे-जैसे उनका शरीर गुरुत्वाकर्षण के अनुकूल होता है, उन्हें संतुलन की समस्या, चक्कर आना और कमजोर हृदय संबंधी कार्य का अनुभव होता है। लैंडिंग के महीनों बाद भी, सब कुछ ठीक नहीं होता। उन्हें कैंसर, तंत्रिका क्षति और अपक्षयी रोगों सहित दीर्घकालिक स्वास्थ्य जोखिमों का सामना करना पड़ता है। रीढ़ की हड्डी सामान्य आकार में वापस आ जाती है। पेट फूलना अब कोई समस्या नहीं है, और रक्तचाप सामान्य हो जाता है। मोशन सिकनेस, भटकाव और संतुलन संबंधी समस्याएं गायब हो जाती हैं। नींद सामान्य हो जाती है।

प्रतिरक्षा प्रणाली ठीक हो जाती है, और शरीर के खोए हुए तरल पदार्थ वापस आ जाते हैं। लाल रक्त कोशिकाओं का उत्पादन सामान्य हो जाता है। मांसपेशियों का पुनर्निर्माण लगभग पूरा हो जाता है और उड़ान से पहले के स्तर के करीब होता है।

अब जज कैश कांड में आया नया मोड़

फायर विभाग ने नकदी मिलने की बात नकारी, सुप्रीम कोर्ट बोला, अफवाह फैलाई गई

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट के जज यशवंत वर्मा के घर आग और कैश मिलने के मामले में शुक्रवार शाम नया मोड़ आ गया। दिल्ली फायर ब्रिगेड चीफ अतुल गर्ग का कहना है कि जस्टिस यशवंत वर्मा के घर आग बुझाने के दौरान फायर ब्रिगेड की टीम को कोई नकदी नहीं मिली।

गर्ग के मुताबिक 14 मार्च की रात 11.35 बजे लुटियंस दिल्ली में बने जज के बंगले पर आग लगने की खबर मिली। टीम जब वहां पहुंची तो आग स्टोर रूम में लगी थी, जिसे बुझाने में 15 मिनट लगे। इसके तुरंत बाद हमने पुलिस को खबर दी। टीम को वहां कोई नकदी नहीं मिली थी। इससे ठीक पहले सुप्रीम कोर्ट ने भी इस मामले पर बयान जारी किया, जिसमें कहा गया कि कैश मिलने की गलत सूचनाएं और अफवाहें फैलाई जा रही हैं। दिल्ली हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस सीजेआई संजीव खन्ना को प्राइमरी रिपोर्ट सौंपेंगे। इसके बाद आगे की कार्रवाई होगी।

पूरे घटनाक्रम के दौरान सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने जस्टिस वर्मा का वापस इलाहाबाद हाईकोर्ट ट्रांसफर कर दिया। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने अपने बयान में साफ किया कि जज के बंगले से कैश मिलने की खबर और उनके तबादले का आपस में कोई संबंध नहीं है।

दरअसल, यह पूरा मामला तब सामने आया जब कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि जस्टिस वर्मा के सरकारी बंगले पर आग लगी थी। आग बुझाने गई फायर ब्रिगेड की टीम को कैश मिला था। हाईकोर्ट जज के घर से कैश मिलने की खबरें सामने आने के बाद दिल्ली हाईकोर्ट ने प्राइमरी जांच शुरू कर दी थी। इसके बाद 20 मार्च की शाम सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने भी मीटिंग की। दिल्ली हाईकोर्ट चीफ जस्टिस डी के उपाध्याय ने सबूत और सूचना जुटाने के लिए आंतरिक जांच प्रक्रिया शुरू की थी। इसकी रिपोर्ट सीजेआई संजीव खन्ना को सौंपी जाएगी। कॉलेजियम इस रिपोर्ट की जांच करेगा, उसके बाद आगे कोई एक्शन लिया जाएगा। हालांकि, जस्टिस वर्मा के इलाहाबाद हाईकोर्ट ट्रांसफर करने का प्रस्ताव अलग से रखा गया था। सुप्रीम कोर्ट के मुताबिक ट्रांसफर प्रपोजल की जांच 20 मार्च को कॉलेजियम ने की थी। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट के सलाहकार जजों, जस्टिस वर्मा के अलावा संबंधित हाईकोर्ट्स के चीफ जस्टिस को लेटर भेजे गए थे। कोर्ट ने कहा- इन लोगों से मिली प्रतिक्रियाओं की जांच की जाएगी और उसके बाद कॉलेजियम एक प्रस्ताव पारित करेगा।

15 लाख मिलने पर जेल, 15 करोड़ पर घर वापसी का इनाम

दिल्ली स्थित सरकारी आवास से कथित तौर पर बड़ी नकदी मिलने को लेकर विवादों में आए न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा का इलाहाबाद हाईकोर्ट तबादला कर दिया गया है। इसे लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट के वकील आक्रोशित हो गए हैं। इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने खुली धमकी देते हुए कहा है कि जस्टिस वर्मा ने यहां ज्वाइन किया तो वकील कामकाज ठप कर देंगे। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अनिल तिवारी ने बेहद आक्रोशित स्वर में कहा कि एक कर्मचारी के घर से 15 लाख मिलता है तो उसे जेल भेज दिया जाता है। एक जज के घर 15 करोड़ रुपया कैश मिल रहा है तो उसे घर वापसी का इनाम देते हुए इलाहाबाद हाईकोर्ट में तबादला किया जा रहा है। मीडिया से बात करते हुए अनिल तिवारी ने कहा कि सभी को पता है कि न्यायपालिका कैसे चलती है। न्यायपालिका की ताकत क्या है। लोकतंत्र के तीन हिस्से हैं। विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका। जनता ही विधायिका के लिए सदस्य चुनती है। उनमें से ही कुछ चुने हुए लोग कार्यपालिका में आते हैं। तीसरा पार्ट न्यायपालिका है। न्यायपालिका की ताकत पब्लिक होती है। पूरे लोकतंत्र की ताकत पब्लिक ही होती है। अगर पब्लिक का विश्वास न्यायपालिका से हटेगा तो क्या होगा, इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। पूरा देश कोलैप्स करके नीचे चला जाएगा। अनिल तिवारी ने सवास किया कि इलाहाबाद हाईकोर्ट क्या डस्टबीन है? करप्शन के खिलाफ इलाहाबाद हाईकोर्ट पूरी मजबूती से खड़ा है। हम उनका (जस्टिस यशवंत वर्मा) स्वागत यहां नहीं होने देंगे। अगर उनकी ज्वाइनिंग यहां होती है तो हम काम ठप कर देंगे। अभी तो हम केवल अपना रुख आपको बता रहे हैं। इसके बाद बार एसोसिएशन की बहुत बड़ी जनरल हाउस होने जा रही है।

पाकिस्तान को सूचना लीक करने में गिरफ्तार

बेंगलुरु। भारतीय खुफिया एजेंसियों ने भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) के एक इंजीनियर को पाकिस्तान में अपने आकाओं से संवेदनशील जानकारियां साझा करने के आरोप में गिरफ्तार किया है, जिसमें संचार और रडार प्रणालियों से जुड़ी जानकारियां शामिल हैं। कर्नाटक के गृहमंत्री जी परमेश्वर ने बताया कि बीईएल कर्मी ने महत्वपूर्ण फैसलों और यहां निर्मित उत्पादों के बारे में जानकारी साझा की थी।

उन्होंने कहा कि भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड में दीपराज चंद्रा (36) वरिष्ठ इंजीनियर के पद पर कार्यरत था। खुफिया अधिकारियों और सैन्य खुफिया अधिकारियों ने उसे पाकिस्तानी खुफिया अधिकारियों के संपर्क में रहने के कारण हिरासत में लिया है। उसने अत्यधिक गोपनीय जानकारी पाकिस्तान को भेजी थी। मंत्री ने बताया कि यूपी का रहने वाला दीपराज चंद्रा से कई जानकारियां जुटाई गईं हैं। उन्होंने कहा कि वह देशद्रोह में शामिल था।

राम मंदिर के लिए सत्ता गंवाने को तैयार : योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राष्ट्रीय एकता के महत्व पर जोर देकर कहा कि भारत तभी विकसित हो सकता है, जब उसके लोग एकजुट हों। श्री अयोध्या धाम में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान (सीएम-युवा) के अंतर्गत अयोध्या मंडल के उद्यमियों के ऋण वितरण कार्यक्रम में योगी ने कहा कि जिसने राम पर लिखा, वह महान हुआ। सीएम योगी ने कहा कि अयोध्या में सूर्यवंश की परंपरा में एक अवतार के रूप में मानवीय मर्यादा और आदर्श के सर्वोत्तम स्वरूप प्रभु श्री राम हैं, जिनकी पावन धरा पर आयोजित यह सम्मेलन अदभुत हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, मैं अद्भुत इसलिए कहूंगा कि इतने वर्षों तक अयोध्या मौन रही, जबकि यह सत्य है कि जिसने राम पर लिखा वह महान हुआ। उन्होंने कहा कि महर्षि नारद ने महर्षि वाल्मीकि को प्रेरणा दी कि इस धरती पर लिखने के लिए कोई महामानव है, तब वह केवल राम हैं, राम पर लिखने पर आपकी लेखनी धन्य हो जाएगी। योगी ने दो टूक कहा कि श्री राम मंदिर के लिए सत्ता भी गंवानी पड़ेगी तब कोई समस्या नहीं। उन्होंने कहा कि हम सत्ता के लिए नहीं आए हैं। तीन पीढ़ियां राम मंदिर आंदोलन के लिए समर्पित रही हैं।

संक्षेप समाचार...

बुलडोजर से हटाया शिवलिंग लोगों ने किया बवाल

झांसी। जिले के समथर कस्बे में बुलडोजर से शिवलिंग हटाए जाने को लेकर बवाल हो गया। यहां एक विवादित भूखंड पर बने शिवलिंग को नगरपालिका द्वारा हटा दिया गया। इसका वीडियो वायरल होने के बाद हिंदूवादी संगठनों ने इस पर आपत्ति जताई। इस दौरान जेसीबी मशीन शिवलिंग हटाने को लेकर स्थानीय लोग नाराज हो गए। हालात बिगड़ने लगे तो एसडीएम और सीओ के साथ पुलिस फोर्स मौके पर पहुंचा और कार्रवाई का आश्वासन देकर मामले को शांत कराया।

पूर्व विधायक ने खुद को गोली से उड़ाया

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में बीजेपी के एक नेता ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली है। बांदोपोरा के गुरेज से पूर्व निर्दलीय विधायक फकीर मोहम्मद खान ने गुरुवार को कथित तौर पर खुद को गोली मारकर आत्महत्या की। फकीर कश्मीर में भाजपा के एकमात्र उम्मीदवार थे, जो हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में सबसे कम मतों के अंतर से चुनाव हारे थे। फकीर ने श्रीनगर के तुलसी बाग स्थित अपने सरकारी आवास पर खुद को गोली मार ली।

9 साल से फरार विधायक की गिरफ्तारी का वारंट

सतना। जबलपुर स्थित एमपी एमएलए कोर्ट ने चेक बाउंस के मामले में फरार विधायक के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। सतना के विधायक सिद्धार्थ कुशवाहा के विरुद्ध विशेष न्यायाधीश डीपी सूत्रकर की अदालत ने गिरफ्तारी वारंटी जारी किया है। सतना के पुलिस अधीक्षक को आदेशित किया है।

फहीम सहित 6 आरोपियों पर देशद्रोह का केस

नागपुर। औरंगजेब की कब्र को लेकर नागपुर में हुई हिंसा मामले में मास्टरमाइंड फहीम सहित 6 आरोपियों के खिलाफ देशद्रोह का केस दर्ज कर लिया गया है। फहीम पर 500 से ज्यादा दंगाइयों को इकट्ठा करने और हिंसा को बढ़ावा देने का आरोप है। पुलिस ने अब तक मामले में 84 लोगों को गिरफ्तार किया है। इसमें विश्व हिंदू परिषद (बीएचपी) के भी 8 कार्यकर्ता शामिल हैं। जांच में पुलिस को बांग्लादेश कनेक्शन सामने आया है। वहीं, तीन दिन बाद हिंसा प्रभावित सभी 9 इलाकों से कर्फ्यू हटाया गया है। इसके अलावा पुलिस ने मामले में बांग्लादेश कनेक्शन मिलने का दावा किया है। नागपुर पुलिस की साइबर सेल ने अफवाह फैलाने और हिंसा भड़काने के मामले में 34 सोशल मीडिया अकाउंट पर कार्रवाई की है, साथ ही 10 एफआईआर की गई हैं। पुलिस ने दावा किया कि सोशल मीडिया पोस्ट पर एक यूजर से धमकी मिली है कि सोमवार का दंगा एक छोटी घटना थी, भविष्य में बड़े दंगे होने है।

महिला का नाड़ा तोड़ना... हाईकोर्ट ने कही ये बात

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा है कि पीड़िता को छूने या कपड़े उतारने की कोशिश को दुष्कर्म का प्रयास नहीं माना जा सकता। इस टिप्पणी के साथ न्यायमूर्ति राम मनोहर नारायण मिश्रा की कोर्ट ने कासगंज के आरोपियों के खिलाफ ट्रायल कोर्ट से जारी सम्मन को रद्द कर दिया। याची के अधिवक्ता ने आरोपियों को झूठा फंसाने की दलील दी। कहा कि दुष्कर्म के प्रयास की धाराओं में सम्मन जारी किया गया है, जबकि यह आरोपों के अनुरूप नहीं है। सम्मन जारी करते वक्त ट्रायल कोर्ट ने न्यायिक विवेक का प्रयोग नहीं किया। हाईकोर्ट ने आंशिक अपील स्वीकार करते हुए कहा कि अभियुक्तों ने पीड़िता की छाती को पकड़ लिया, नाड़ा तोड़ दिया और पुलिया के नीचे खींचने की कोशिश की, कुछ लोगों के हस्तक्षेप पर वे भाग गए... सिर्फ इतने तथ्य से दुष्कर्म के प्रयास का मामला नहीं बनता। मामला कासगंज के पटियाली थाना क्षेत्र का है। चार साल पहले पीड़िता की मां ने 12 जनवरी 2022 को ट्रायल कोर्ट में शिकायत दर्ज कराई थी। आरोप लगाया कि 10 नवंबर 2021 को वह अपनी 14 साल की बेटी के साथ पटियाली में देवरानी के घर गई थी।

मां न दर्ज कराई थी शिकायत

लड़की की चीख सुनकर ट्रैक्टर से गुजर रहे लोग मौके पर पहुंचे, जिन्हें तमंचा दिखाकर आरोपी धमकी देते हुए फरार हो गए। शिकायत करने आई पीड़िता की मां को भी आरोपी पवन ने गाली-गलौज करते हुए धमकाया। पुलिस के केस नहीं लिखने पर मां ने ट्रायल कोर्ट में अर्जी दी। ट्रायल कोर्ट ने आरोपियों के खिलाफ सम्मन आदेश जारी किया, जिसे हाईकोर्ट में चुनौती दी गई।

मंत्री के भांजों में गोलीबारी, एक मरा

भागलपुर। जिले के नवगछिया में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय के दोनों भांजे आपस में भिड़ गए। मामूली विवाद के बाद दोनों भाइयों की ओर से गोलियां चलाई गईं। गोलीबारी में विश्वजीत यादव की मौत हो गई, जबकि जयजीत यादव गंभीर रूप से घायल हो गया। वहीं नित्यानंद राय की बहन को भी गोली लगी है। घायलों को तुरंत इलाज के लिए भागलपुर के डॉक्टर एनके यादव के अस्पताल में भर्ती कराया गया। जयजीत यादव की हालत गंभीर बनी हुई है। बताया जा रहा है कि जगतपुर निवासी जयजीत यादव और विश्वजीत यादव के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई थी। विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों ने एक-दूसरे पर गोली चला दी। इस गोलीबारी में विश्वजीत की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि जयजीत यादव गंभीर रूप से घायल हो गए। इस झगड़े के दौरान दोनों को बचाने पहुंची उनकी मां को भी गोली लग गई, जिनका इलाज भागलपुर स्थित एक निजी अस्पताल में चल रहा है।

मार्कशीट, सर्टिफिकेट बनाने वाले तीन जालसाज अरेस्ट

लखनऊ। अलग-अलग शिक्षा बोर्ड, यूनिवर्सिटी की मार्कशीट, सर्टिफिकेट व अन्य फर्जी दस्तावेज बनाने वाले गैंग का पदार्फाश करते हुए गुरुवार को यूपी एसटीएफ ने तीन जालसाजों बलरामपुर के तुलीसपुर निवासी अल्ताफ राजा, आलमबाग निवासी कृष्ण कुमार श्रीवास्तव और मड़ियांव निवासी लक्ष्म राठौर को गिरफ्तार किया है। आरोपी 15 से 20 हजार रुपये लेकर फर्जी दस्तावेज बनाते थे। एसटीएफ के एडिशनल एसपी लाल प्रताप सिंह के मुताबिक रुपये लेकर विभिन्न शिक्षा बोर्ड, यूनिवर्सिटी , शैक्षिक संस्थानों की फर्जी मार्कशीट, सर्टिफिकेट एवं अन्य दस्तावेज बनाने के गैंग के लखनऊ में एक्टिव होने की सूचना मिल रही थी। इस सूचना पर बृहस्पतिवार को एसटीएफ की एक टीम ने पारा के जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय की बाउंड्री वाल के पास सर्विस लेन के पास से तीनों जालसाजों को गिरफ्तार किया। उनके पास से 51 विभिन्न शिक्षा बोर्ड, यूनिवर्सिटी की मार्कशीट्स, सर्टिफिकेट, रजिस्ट्रेशन, ट्रांसफर सर्टिफिकेट व वेरिफिकेशन दस्तावेज, 2 लैपटॉप, चार मोबाइल फोन, चार फर्जी मोहर, एक कार और एक बाइक मिली।

कई फर्जी वेबसाइट बनाकर कर रहे थे काम : पूछताछ में पकड़े गए आरोपी अल्ताफ राजा ने बताया कि वह पहले दिल्ली में डॉ एसपी पांडेय के साथ मिलकर फर्जी वेबसाइट बनाकर मार्कशीट बनाने का काम करता था। वर्ष 2017 में पुलिस ने उसको और डॉ. एसपी पांडेय को गिरफ्तार किया था। जेल से छूटने के बाद लखनऊ आकर फर्जी दस्तावेज बनाने का काम करने लगा। इस काम के लिए अल्ताफ ने कुछ फर्जी वेबसाइड बनाई थी। गैंग के लोग इन वेबसाइट के माध्यम से फर्जी मार्कशीट अपलोड करते थे। फर्जी मार्कशीट के आधार पर लोग विभिन्न संस्थानों में नौकरी हासिल कर लेते थे। इतना ही नहीं आरोपी उनका ऑनलाइन व ऑफलाइन वेरीफिकेशन भी कर देता था।

फर्जी मार्कशीट व अन्य दस्तावेज बनवाने वालों से जालसाज प्रति दस्तावेज 15 से 20 हजार रुपये वसूलते थे। रुपये मिलने के बाद आरोपी बताए गए पते पर कोरियर के माध्यम से फर्जी दस्तावेज भिजवा देते थे। पकड़े गए आरोपियों ने बताया कि अब तक लखनऊ में वह लोग करीब दो हजार से अधिक फर्जी दस्तावेज बना कर बेच चुके हैं। आरोपी कृष्ण कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि वह फर्जी मार्कशीट बनाने के मामले में वह वर्ष 2009 में थाना विकासनगर से जेल गया था और उसके खिलाफ गैंगस्टर की भी कार्रवाई की जा चुकी है। अब एसटीएफ इस गैंग से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में लगी है।

ग्रीनलैंड के मंदिरों पर बुलडोजर कार्रवाई रोकने से इनकार

नई दिल्ली। दिल्ली के मयूर विहार फेज-2 में स्थित कालीबाड़ी, अमरनाथ और बदरीनाथ मंदिरों को तोड़ने के लिए दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) द्वारा जारी नोटिस के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका पर गुरुवार को सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया और याचिकाकर्ता को दिल्ली हाईकोर्ट में जाने का निर्देश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में कहा कि इस तरह के मामले में पहले हाईकोर्ट में सुनवाई होनी चाहिए। इसके साथ ही, सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता के वकील से कहा कि वे डीडीए को भी याचिका की कॉपी उपलब्ध कराएं, ताकि आगे की कार्रवाई सही तरीके से हो सके। यहां बताते चलें कि यह याचिका टी. दत्ता नाम के एक व्यक्ति ने दायर की थी। उन्होंने मांग की थी कि मयूर विहार में इन तीनों मंदिरों को तोड़ने की डीडीए की कार्रवाई पर तुरंत रोक लगाई जाए। उनका कहना था कि ये मंदिर करीब 35 साल से वहां मौजूद हैं और स्थानीय लोगों की आस्था से जुड़े हैं। याचिकाकर्ता के वकील विष्णु शंकर जैन ने कोर्ट में दलील दी कि सुप्रीम कोर्ट ने पहले भी ऐसे मामलों में हस्तक्षेप किया है, जैसे कि जहांगीरपुरी में धार्मिक स्थलों को तोड़ने का मामला। उन्होंने यह भी कहा कि सुप्रीम कोर्ट का एक पुराना फैसला है, जिसमें 2009 से पहले बने धार्मिक स्थलों को हटाने पर रोक लगाई गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने उनकी दलीलों को स्वीकार नहीं किया। कोर्ट ने पूछा कि याचिकाकर्ता ने सीधे सुप्रीम कोर्ट में याचिका क्यों दायर की, जबकि वे पहले हाईकोर्ट जा सकते थे।

भारत आने से डर रहा राणा

वाशिंगटन। मुंबई हमलों का गुनहगार तहव्वुर राणा भारत आने से बचने के लिए नई नई चाल चल रहा है। राणा ने अपने प्रत्यर्पण से बचने के लिए अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस के सामने अर्जी दाखिल की है। इस महीने की शुरूआत में अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस ने उसकी पुनर्विचार याचिका खारिज कर दी थी। इसके बाद राणा सीधे अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस के पास पहुंचा गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर इसकी पूरी डिटेल मौजूद है जिसमें तहव्वुर राणा की अर्जी को 4 अप्रैल, 2025 को होने वाली कॉन्फ्रेंस के लिए सुप्रीम कोर्ट के जजों को सौंप दिया गया है। राणा ने भारत प्रत्यर्पण पर रोक लगाने की मांग करते हुए अपनी अर्जी नए सिरे से दायर की है। कोर्ट के आदेश के मुताबिक राणा ने अपील में कहा है कि उसने जस्टिस के सामने दायर की गई अपनी आपातकालीन अर्जी का नवीनीकरण किया है। इसमें भारत प्रत्यर्पण पर रोक लगाने की मांग की गई थी। अब यह अनुरोध किया गया है कि नए आवेदन को चीफ जस्टिस के सामने पेश किया जाए। इस महीने की शुरूआत में जस्टिस ने राणा के उस आवेदन को खारिज कर दिया था, जिसमें भारत प्रत्यर्पण पर रोक लगाने की मांग की गई थी। राणा ने अपने आवेदन में तर्क दिया था कि कई कारणों से वह भारत में मुकदमे का सामना करने के लिए ज्यादा दिन जीवित नहीं रहेगा। राणा ने अपील के जरिए कहा है कि अगर रोक नहीं लगाई गई तो कोई समीक्षा नहीं होगी और अमेरिकी अदालतें अधिकार क्षेत्र खो देंगी और याचिकाकर्ता जल्द मर जाएगा। राणा ने दावा किया कि अगर उसे भारत प्रत्यर्पित किया गया है, तो पाकिस्तानी मूल का मुसलमान होने के कारण उसके साथ अत्याचार की प्रबल संभावना है। राणा पाकिस्तानी मूल का कनाडाई नागरिक है। उसका जन्म पाकिस्तान में हुआ है। वह पेशे से डॉक्टर है।

रिश्वत मांगने पर IAS अभिषेक प्रकाश सस्पेंड

लखनऊ। प्रदेश के सीनियर आईएएस अधिकारी अभिषेक प्रकाश को सस्पेंड कर दिया गया है। गुरुवार को उनके करीबी बाबू निकांत जैन को एसटीएफ ने गिरफ्तार किया है। दोनों के खिलाफ गोमती नगर थाने में केस दर्ज हुआ है। आईएएस अभिषेक प्रकाश ने सोलर इंडस्ट्री प्रोजेक्ट की मंजूरी के लिए बिजनेसमैन से 5 फीसदी कमीशन मांगा था। कमीशन न मिलने पर प्रोजेक्ट की फाइल रोक दी। अभिषेक प्रकाश ने कमीशन निकांत जैन के जरिए बिजनेसमैन से डिमांड की थी। बिजनेसमैन ने इसकी शिकायत योगी से की। मुख्यमंत्री ने मामले की एसटीएफ से जांच कराई। बिजनेसमैन की शिकायत पर एसटीएफ ने केस दर्ज करते हुए निकांत जैन को गिरफ्तार किया। पुलिस पूछताछ में निकांत जैन ने कबूला कि वह आईएएस अभिषेक के कहने पर 5 फीसदी रिश्वत मांग रहा था।

बीजापुर और कांकेर में मुठभेड़

30 नक्सली ढेर, ऑटोमेटिक हथियार व बारूद बरामद

बीजापुर। जिले के गंगालुर थाना क्षेत्र में गुरुवार तड़के पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई है। पुलिस के मुताबिक बीजापुर जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) के एक जवान का बलिदान हो गया है। बीजापुर में नक्सलियों के साथ हुई मुठभेड़ में 26 नक्सली मारे गए हैं। वहीं, दूसरी और कांकेर में जवानों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई, जिसमें चार नक्सली मारे गए। सभी 30 नक्सलियों के शव बरामद कर लिए गए हैं। हथियार और गोला-बारूद बरामद हुए हैं। इस सफलता के बाद केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सुरक्षाबलों की सराहना की और इसे नक्सल मुक्त भारत अभियान की दिशा में एक बड़ा कदम बताया। बीजापुर और दंतेवाड़ा की सीमा के पास थाना गंगालुर क्षेत्रान्तर्गत माओवादी विरोधी अभियान पर संयुक्त टीम निकली थी। अभियान के दौरान गुरुवार की सुबह 7 बजे से माओवादियों और सुरक्षाबलों के बीच फायरिंग शुरू हो गई। मुठभेड़ स्थल से भारी मात्रा में हथियार और गोला बारूद के साथ 26 नक्सलियों के शव बरामद हुए हैं। वहीं, दूसरी तरफ मुठभेड़ में बीजापुर डीआरजी के एक जवान का बलिदान हो गया है। मुठभेड़ के बाद तलाशी अभियान जारी है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, बीजापुर और दंतेवाड़ा की सरहद के जंगली क्षेत्र गंगालुर थाना इलाके के तोड़का एंड्री के जंगल में सुरक्षाबलों की संयुक्त पार्टी के साथ नक्सलियों की मुठभेड़ हुई है। इसमें नक्सलियों को भारी नुकसान होने की खबर है। केंद्रीय गृहमंत्री शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर एक पोस्ट करते हुए, सुरक्षाबलों को बधाई दी और कहा कि जो नक्सली आत्मसमर्पण नहीं कर रहे हैं, उनके खिलाफ सरकार जीरो टॉलरेंस नीति अपना रही है। उन्होंने दोहराया कि अगले साल 31 मार्च से पहले देश को नक्सलमुक्त कर दिया जाएगा।

स्वकर: विरोध में सभासदों ने किया प्रदर्शन, सौंपा पत्र

डीडीयू नगर। विगत 17 फरवरी को हुयी नपाप की साधारण बैठक के दौरान स्वकर को लेकर दिए गए प्रस्ताव पर सभासदों द्वारा रोक लगा दी गयी थी। जिसे लेकर बुधवार को पुनः स्थानीय नगर पालिका परिषद कार्यालय पर नगर के सभासदों ने 2015 से 2025 तक नगर में लगाए गए घरों पर स्व गृह कर के विरोध में सभी सभासदों ने मुगल चक्र के सभासद ममता के लेटर हेड पर अपना विरोध दर्ज कराते हुए एक पत्रक अधिशासी अधिकारी को सौंपा। इसके पूर्व सभी सभासदों ने नगर पालिका के द्वार पर धरना प्रदर्शन किया जिसमें स्वकर को लेकर अपना विरोध दर्ज कराया गया। बताते चलें कि विगत दिनों 17 फरवरी 2025 को साधारण बैठक में सभासदों ने 10% वृद्धि हुए स्वकर का जोरदार विरोध किया था और नगर में इसे लागू न करने के लिए एक साथ विरोध किए थे बावजूद इसके 1 अप्रैल 2025 से अधिशासी अधिकारी द्वारा इसे लागू किए जाने का आदेश पारित दिया गया है, इसको लेकर बुधवार को सभासद एक साथ विरोध पर उतर गए और वे नगर पालिका परिषद कार्यालय पहुंचकर अधिशासी अधिकारी को पत्रक सौंपे। इस संबंध में समासदगण ने कहा कि 2015 से 2024 तक नगर में स्वकर लागू किया गया है परन्तु अभी तक स्वकर पूरा नहीं किया गया है तथा बढ़ें 2015 से 2024 से वार्षिक स्वकर वृद्धि होने से बकाया गरीब, असहाय जनता अभी तक जमा नहीं कर पायी है तथा विशेष सचिव उ०प्र० शासन के कार्यालय पत्रांक 1148/नी-9-2024-85ज/05 टी०सी०-1 नगर पालिका परिषद द्वारा (भवन या भूमि या दोनों के वार्षिक मूल्य) पर नियमावली करते हुए भवनों पर वार्षिक मूल्यांकन का 10 प्रतिशत वृद्धि करते हुए नियमावली निर्गत की जा रही है। जिससे जनता पर अधिकर अधिभार हो जायेगा और उनके द्वारा आक्रोश व्यक्त किया जा रहा है। जो गलत हो रहा है। राष्ट्रीय लोकदल के नगर अध्यक्ष भागवत नारायण चौरसिया द्वारा भी लगातार विरोध दर्ज कराया जा रहा है। मौके पर शैलेंद्र कुमार गुप्ता, राजेश जायसवाल ,अर्जुन पटेल, सुनील विश्वकर्मा, निधि तिवारी, मुर्शिदा बेगम, रेखा, पारसनाथ, आरती यादव, अमित कुमार, संगीता, सरिता देवी, संतोष देवी, सुरेंद्र प्रसाद, सरस्वती इत्यादि सभासद शामिल रहे।

पुरानी पेंशन योजना को लेकर भरी हुंकार

डीडीयू नगर। ईस्ट सेंट्रल रेलवे इम्पलॉईज यूनियन का 17वां स्थापना दिवस समारोह सह कर्मचारी जागरूकता सम्मेलन का भव्य आयोजन पीड़ी इंस्टीट्यूट डीडीयू में किया गया। कार्यक्रम में फ्रंट अगेंस्ट एनपीएस इन रेलवे के राष्ट्रीय महासचिव सह इंडियन रेलवे इंप्लाइज फेडरेशन के अतिरिक्त महासचिव कामरेड राजेंद्र पाल ने कहा कि पुरानी पेंशन बहाल होकर रहेगी। सत्ता में बैठे नेता रेलवे में निजीकरण कमिटी में सदस्य बन कर मलाई खा रहे हैं। निजीकरण तथा निगमीकरण आउटसोर्सिंग ठेकेदारी प्रथा लागु करने, ट्रैकमैन, लोको पायलट, सिग्नल एंड टेलीकॉम,मिनिस्ट्रियल स्टाफ, कैरेज एंड वैगन, गार्ड काउंसिल, आपरेटिंग विभाग के तमाम विभागों के समस्याओं के लिए जिम्मेदार है। सम्मेलन को संबोधित करते हुए मंडल अध्यक्ष एसके शर्मा ने कहा कि पूंजीवाद और उद्योगपतियों को फायदा पहुंचाने के लिए चार नये श्रम कानूनों का गठन किया गया है।

जनपदीय रोवर्स/ रेंजर्स समागम का समापन

डीडीयू नगर। लाल बहादुर शास्त्री स्नातकोत्तर महाविद्यालय के पं पारसनाथ तिवारी नवीन परिसर में जनपदीय रोवर्स/ रेंजर्स समागम का समापन हुआ। इस अवसर पर कार्यक्रम के आरंभ में मुख्य अतिथि प्रो प्रदीप कुमार पांडेय, कार्यक्रम के अध्यक्ष राजेश कुमार तिवारी, प्राचार्य प्रो उदयन, वंदना, प्रो संजय, प्रो इशरत, प्रो भावना ने दीप प्रज्वल्लन किया व माँ सरस्वती, लाल बहादुर शास्त्री, पं पारसनाथ तिवारी व स्वामी विवेकानंद के चित्र पर माल्यार्पण किया ।

मुख्य अतिथि प्रो प्रदीप कुमार पांडेय ने कहा कि रोवर/रेंजर समाज की विभिन्न प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए निस्वार्थ भाव, त्याग और समर्पण की भावना के साथ संगठित होकर सेवाएं प्रदान करते हैं। रोवरिंग व रेंजरिंग की विधा स्काउटिंग और गाइडिंग की वरिष्ठ शाखाएँ हैं, जिसका उद्देश्य युवाओं का समग्र विकास करना है।अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए प्रबंधक राजेश कुमार तिवारी ने कहा कि रोवर्स और रेंजर्स तीन मुख्य सिद्धांतों पर आधारित हैं: ईश्वर के प्रति कर्तव्य, दूसरों के प्रति कर्तव्य और स्वयं के प्रति कर्तव्य। उन्होंने कहा कि रोवर्स और रेंजर्स को दूसरों की मदद करने, समाज सेवा में भाग लेने और शांति, समझ और सहयोग की भावना को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

कार्यक्रम के आरंभ में अतिथियों का स्वागत प्रो उदयन ने, धन्यवाद प्रो भावना ने व संचालन जिला संगठन आयुक्त सैय्यद अली ने किया। रोवर्स में शहीद हीरा सिंह कालेज प्रथम व लाल बहादुर शास्त्री, सकलडीहा व राजकीय कालेज, चकिया संयुक्त रूप से द्वितीय स्थान पर रही जबकि रेंजर्स में शहीद हीरा सिंह प्रथम व लाल बहादुर शास्त्री द्वितीय स्थान पर रही। ओवरआल चैंपियनशिप शहीद हीरा सिंह कालेज को प्राप्त हुई। इस अवसर पर प्रो राजीव, प्रो अमित, प्रो अरुण, प्रो अजीत, प्रो धनंजय, डा कामेश, विवेक, डा हेमंत, हर्षवर्धन, डा अमितेश, डा युवराज, डा मनोज, डा शशिकला, डा सारिका, राहुल, सुनील विनीत, अतुल , सुरेंद्र, रोवर प्रभारी डा सुनील, रेंजर प्रभारी डा नेहा आदि के साथ विभिन्न रोवर रेंजर्स प्रतिभागी उपस्थित रहे।

सीबीआई की धमक : पूमरे के 66 आरपीएफ निरीक्षकों का तबादला

डीडीयू नगर। पीडीडीयू रेल मंडल में विभागीय परीक्षा पेपर लीक मामले में दो अधिकारियों सहित 26 कर्मचारियों की गिरफ्तारी के बाद रेल प्रशासन सख्त हो गया है। इस दौरान अधिकारियों और कर्मचारियों के तबादले का दौर जारी है। इसी क्रम में पूर्व मध्य रेलवे के विभिन्न जगहों पर तैनात 66 आरपीएफ निरीक्षकों का तबादला मंगलवार की शाम कर दिया गया। इसमें 9 निरीक्षक पीडीडीयू रेल मंडल में तैनात थे। इससे महकमा में हड़कंप मच गया। इतनी बड़ी तबादले होने पर अन्य लोग भी तबादले की आशंका से ग्रसित है। पीडीडीयू रेल मंडल में बीते 4 मार्च को लोको इंस्पेक्टर पद के लिए विभागीय परीक्षा थी। लेकिन इसी दौरान एक दिन पहले पेपर लीक हो गई और इसकी भनक सीबीआई को लग गई। इस दौरान दो अधिकारियों सहित 26 कर्मचाारियों को सीबीआई ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। इसके कुछ दिन बाद सीबीआई के खौफ का असर रहा कि 14 अधिकारियों का तबादला गैर मंडल कर दिया गया। तबादला के क्रम में मंगलवार की शाम पूर्व मध्य रेलवे के 66 आरपीएफ निरीक्षकों का तबाइला गैर मंडल कर दिया गया। इसमें 09 निरीक्षक पीडीडीयू रेल मंडल के विभिन्न थानों और कार्यालयों में तैनात थे। इस क्रम में सीआईबी में तैनात पंकज कुमार समस्तीपुर और धनबाद मंडल में तैनात अर्जुन यादव की तैनाती की गई है। इसके अलावा मानसनगर पोस्ट पर तैनात रंजीत कुमार को सोनपुर और इनके पद पर धनबाद मंडल में तैनात शाहिद खान कमान संभालेंगे। दिलदारनगर, दानापुर सहित कई थानों पर तैनात निरीक्षकों का गैर मंडल में तबादला कर दिया गया है। सूत्रों के अनुसार तबादले की तलवार कई लोगों पर अभी भी लटकी है।

आक्रोशित हो किया चक्काजाम, दारू की दुकान आवंटन के विरोध में महिलाओं ने की तोड़फोड़

चंचल सिंह

डीडीयू नगर। सदर कोतवाली क्षेत्र के बसिला नसीरपुर चट्टी पर अंग्रेजी शराब की दुकान आवंटित होने की जानकारी होने से पहले ही दर्जनों की संख्या महिलाओं ने देसी शराब की दुकान पर पहुंचकर जमकर तोड़फोड़ कर चंदौली कैली मार्ग पर धरने पर बैठकर चक्का जाम कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने समझा बुझाकर दुकान हटवाने के आश्वासन पर जाम समाप्त कराया। क्षेत्र के बसिला नसीरपुर चट्टी पर देसी शराब की दुकान पिछले 5 वर्षों से चलाई जा रही है। यहां पर शाम ढलते ही आधा दर्जन गांवों के लोग एकत्रित होकर शराब के नशे में धूत होकर जमकर उत्पाद मचाने का काम करते हैं ।यहां तक की घर पर भी पहुंच कर महिलाओं के साथ जमकर मारपीट व उत्पीड़न करने का काम करते चले आ रहे हैं। जबकि इसी मार्ग से होकर तीन विद्यालय के छात्र छात्राएं भी प्रतिदिन गुजर करते हैं। इनको भी छिटाकशी का शिकार होना पड़ता है ।पिछले दिनों सरकार द्वारा यहां पर अंग्रेजी व बियर की दुकान की नयी दुकान आवंटन कर दिया गया। इसकी जानकारी जैसे ही क्षेत्र के गांव की महिलाओं को हुई तो इससे आक्रोशित होकर बुधवार को देसी शराब के दुकान के पास पहुंचकर दुकान में तोड़फोड़ के साथ ही शराब को भी नष्ट करने का काम कर चन्दौली कैली मार्ग जिमकर दुकान हटवाने को लेकर धरने पर बैठ गई। लगभग एक घंटे चले धरने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने महिलाओं को समझा बूझकर दुकान हटवाने का शासन पर एसडीएम के नाम पत्रक लेकर जाम समाप्त कराया। इस दौरान सड़क के दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतार लग गई थी।

हटाया गया अवैध अतिक्रमण

डीडीयू नगर। स्थानीय रेलवे स्टेशन के सकुर्लेटिंग एरिया में कुछ लोगों ने वर्षों पहले अस्थायी निर्माण करा लिया था। यही नहीं इसका उपयोग गोदाम के रूप में किया जाता था।

इस पर डीआरएम की नजर पड़ गई। डीआरएम के निर्देश पर कड़ी सुरक्षा के बीच अस्थायी निर्माण को बुल्डोजर से ढहा दिया गया। इसको लेकर स्टेशन पर चचाओं का बाजार गर्म रहा। डीडीयू स्टेशन से पुराने बस स्टैंड की ओर जाने वाले मार्ग पर ट्यूबवेल के बगल में ही सरकारी भवन था। एक दशक पहले रेलवे ने इसे सफाई कार्य के लिए ठेकेदार को गोदाम के रूप में उपयोग करने के लिए दिया था। बाद में ठेका खत्म हो गया। बाद में इस भवन पर अन्य लोगों ने कब्जा जमा लिया। यही नहीं यहां अस्थायी अन्य भवन का भी निर्माण करा लिया गया और इसका उपयोग अपने नीजी कार्य के लिए करने लगे। सरकारी भूमि पर अतिक्रमण पिछले कई वर्षों से जारी रहा। इस बीच एक पखवाड़ा पहले डीआरएम राजेश गुप्ता ने स्टेशन का भ्रमण किया। तब अस्थायी निर्माण को देख कर भौचक रह गए। उन्होंने इसे हटाने का निर्देश दिया। मंगलवार की सुबह स्टेशन अधीक्षक एसके सिंह के नेतृत्व में आईओडब्लू घनश्याम दुबे, आरपीएफ निरीक्षक प्रदीप कुमार रावत, जीआरपी निरीक्षक सुनील कुमार सिंह की देख रेख में सुरक्षा बलों की मौजूदगी में बुल्डोजर से अस्थायी निर्माण ढहा दिया गया। इस दौरान इसे देखने वालों की भीड़ रही। इस संबंध में स्टेशन अधीक्षक एसके सिंह ने कहा कि अस्थायी निर्माण अराजक तत्वों का भी अड़ा बना हुआ था। किसी दशा में स्टेशन परिसर में अतिक्रमण नहीं होने दिया जाएगा।

बीएसए से मिलकर रखीं समस्याएं

चंदौली। उत्तर प्रदेशीय जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ चंदौली जिलाध्यक्ष आनंद कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में नवागंतुक जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी से भेंट की। साथ ही कार्यालयी पटल सहायकों द्वारा शिक्षक समस्याओं के निराकरण में बरती जा रही घोर उदासीनता और लापरवाही पर संगठन द्वारा कड़ी आपत्ति दर्ज कराई। लापरवाही का आलम यह है कि कार्यालय द्वारा प्राप्त पंजिका से आवेदन गुम हो जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि 31 मार्च 2025 को सेवा की अधिवर्षता पूर्ण कर रहे शिक्षकों की अभी तक पत्रावलियां न ही पूर्ण कराई गई है और न ही जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय को प्राप्त कराई गई है। जानबूझकर त्रुटिपूर्ण चयन वेतनमान आदेश, एक दिवसीय अवरुद्ध वेतन आदेश पटल सहायकों द्वारा निकाला जा रहा हैं, फिर संशोधन हेतु अध्यापक कार्यालय दौड़ रहे हैं और साथ ही अनैतिक मांग की जा रही है। जिसके कारण पीड़ित शिक्षकों में गहरा रोष है। कहा कि पत्रावलियां अदेय, अवरुद्ध निलंबन आदेश विलोपन कार्यवाही महीनों से धूल फांक रही है। कहा कि कतिपय खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय द्वारा अवशेष वेतन, चयन वेतनमान आदि की सूचनाएं अग्रेतर कार्यवाही हेतु नहीं प्रेषित की जा रही है। साथ ही संगठन द्वारा यह भी मांग की गई कि लोकसभा चुनाव के दौरान अवकाश के दिनों में खोले गए विद्यालयों प्रधानाध्यापक व इंचार्ज प्रधानाध्यापक को उपार्जित अवकाश उपलब्ध कराया जाए। उक्त मांगों के साथ संगठन ने कार्यालयी पटल सहायकों के कार्य प्रणाली में सुधार करने की चेतावनी दी गई यदि ऐसा नहीं किया गया तो संगठन उच्चाधिकारी को शिकायत करने और आंदोलन करने को बाध्य होगा जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी कार्यालय की होगी। इस अवसर पर जिला महामंत्री सुनील कुमार सिंह, जिला कोषाध्यक्ष शशि कांत गुप्त, जिला मीडिया प्रवक्ता बलराम पाठक, मंडलीय महामंत्री संजय सिंह शक्ति, जिला उपाध्यक्ष राधे श्याम, सदर ब्लॉक अध्यक्ष अजीत कुमार सिंह, सकलडीहा ब्लॉक अध्यक्ष मनोज कुमार सिंह, धनंजय सिंह, संजय कुमार ब्लॉक मंत्री बरहनी, राजेश कुमार, अशोक मिश्रा, दीनबंधु उपाध्याय ब्लॉक मंत्री सदर, नवीन सिंह आदि उपस्थित रहे।

जेंडर जागरूकता एवं संवेदनशीलता उन्मुखीकरण का आयोजन, विमर्श

डीडीयू नगर। बेसिक शिक्षा विभाग चंदौली एवं लैंग्वेज एंड लर्निंग फाउंडेशन (एलएलएफ) के संयुक्त तत्वावधान में विकासखंड नियमताबाद के प्रधानाध्यापकों की दो दिवसीय जेंडर जागरूकता एवं संवेदनशीलता उन्मुखीकरण का आयोजन पार्क ग्रीन होटल गोधन मोड चंदौली में किया गया। उन्मुखीकरण की अध्यक्षता खंड शिक्षा अधिकारी मनोज कुमार यादव एवं अमिता श्रीवास्तव जिला समन्वयन बालिका शिक्षा ने की, जबकि संयोजन (एलएलएफ) से डॉ. उद्दालक दत्त, श्वेता जी, आयुषी जितेन्द्र जी एवं डीएससी नीरज कुमार पांडेय ने किया।

उन्मुखीकरण का उद्देश्य कक्षा में सीखने के माहौल को अधिक समावेशी और प्रभावी बनाना है। इसमें शिक्षकों को जेंडर से जुड़ी अवधारणाओं की समझ विकसित करने और बच्चों के लिए संतुलित, सुरक्षित एवं सहयोगी वातावरण तैयार करने पर चर्चा की गई। यह कोई पारंपरिक प्रशिक्षण नहीं बल्कि साझा समझ विकसित करने की पहल है, ताकि हर बच्चा समान अवसर पाकर अपनी पूरी क्षमता के साथ सीख सके।

पीएम से मिले सांसद डॉ. विनोद

चंदौली। भदोही के सांसद डा. विनोद कुमार बिंद ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से दिल्ली में मुलाकात की। इस दौरान समाज के आर्थिक, सामाजिक परिस्थितियों और उसके उत्थान को लेकर सार्थक चर्चा की। साथ ही भदोही लोकसभा क्षेत्र की कई समस्याओं के विषय प्रधानमंत्री को अवगत कराया। प्रधानमंत्री मोदी ने भी उनके बातों पर विचार किए जाने आश्वासन दिया। उन्होंने समाज व अति पिछड़े जातियों की सामाजिक और आर्थिक उत्थान को लेकर ठोस पहल किए जाने बात कही, ताकि अंतिम पायदान पर खड़े आदमी को उसका हक मिल सके। इसके अलावा पीएम मोदी को भदोही लोकसभा क्षेत्र से जुड़े विकास कार्यों के बाबत पत्रक सौंपा। कहा कि 200 बेड वाला सुपर स्पेशलिटी ईएसआईसी अस्पताल स्थापित किया जाए, जो आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना से भी संबद्ध हो। इससे क्षेत्र के सभी श्रमिकों और उनके परिवारों को समुचित चिकित्सा सुविधाएं प्राप्त होगी और वे कर्मचारी राज्य बीमा निगम के सभी लाभों से लाभान्वित हो सकेंगे। साथ ही, स्थानीय नागरिक भी इस अस्पताल से आयुष्मान भारत योजना के तहत चिकित्सा लाभ प्राप्त कर सकेंगें। ईएसआईसी अस्पताल की स्थापना न केवल श्रमिकों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाएगी, बल्कि इस औद्योगिक क्षेत्र की समृद्धि में भी सहायक सिद्ध होगी। यह निश्चित रूप से सामाजिक न्याय और स्वास्थ्य सुविधाओं की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। पीएम मोदी ने भदोही सांसद डॉ बिनोद बिन्द से बातचीत के दौरान आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना और प्रधानमंत्री जन औषधि केन्द्र जैसी योजनाओं के बाबत जानकारी ली। डा. विनोद बिंद ने पीएम को अवगत कराया कि भदोही, मिजार्पुर, वाराणसी और जौनपुर क्षेत्र देश की ही नहीं बल्कि संपूर्ण विश्व में कालीन उद्योग से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े हुए है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि इन श्रमिकों और उनके परिवारों को आवश्यक सामाजिक सुरक्षा तथा उचित स्वास्थ्य सुविधाएं नहीं मिल पा रहीं है। कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) के माध्यम से श्रमिकों को स्वास्थ्य लाभ एवं अन्य सुविधाएं प्रदान की जाती है, परन्तु मदोही और इसके आस पास के श्रमिकों का या तो ईएसआईसी में पंजीकरण नहीं है, या वे इस योजना के पूर्ण लाभ से वंचित है।

रामविलास विधि प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष मनोनीत, हर्ष

चन्दौली। राष्ट्रीय लोक दल के क्षेत्रीय काशी प्रांत अध्यक्ष समरनाथ सिंह यादव एडवोकेट ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय तहसील परिसर मुगलसराय बार कार्यालय पर आयोजित सम्मान कार्यक्रम में रामविलास यादव एडवोकेट को दल के विधि प्रकोष्ठ लीगल सेल चंदौली इकाई का जिला अध्यक्ष मनोनीत कर प्रमाण पत्र व माल्यार्पण कर मनोनीत किया दल व बार के पदाधिकारी ने गगन भेदी नारा माल्यार्पण व मिठाई वितरण कर हर्ष व्यक्त किया समरनाथ यादव ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि निष्ठा और ईमानदारी से दल को मजबूत करने का कार्य करेंगे रामविलास यादव ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि दल को आगे बढ़ाते हुए जन समस्याओं के निदान का पूरा प्रयास करूंगा कार्यक्रम में भागवत नारायण चौरसिया प्रमोद यादव अरविंद यादव बृजेश पाल एडवोकेट शिवाजी यादव धीरेंद्र यादव संजीव कुमार शशि पांडेय शिवकुमार पटेल सत्यपाल यादव नखडु यादव राजकुमार सिंह दिनेश यादव रमेश यादव अनिल सिंह चौहान राम मूरत यादव मृत्युंजय पांडेय व भारी संख्या में अधिवक्ता उपस्थित रहे।

अग्निकांड के दोषियों को कड़ी सजा दे सरकार

चंदौली। संत कबीर नगर अग्निकांड में जले हुए घरों को प्रधानमंत्री आवास देकर बनवाए जाने, उक्त जमीन पर बसे गरीब राजभर परिवारों को पट्टा देकर उसका कागज दिए जाने जैसे प्रमुख मांगों को लेकर भाकपा माले ने बिछियां धरनास्थल से मार्च किया। इस दौरान पैदल मार्च कर जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा। मांग किया कि अग्निकांड पीड़ित प्रत्येक परिवार को पांच-पांच लाख रुपये मुआवजा दिए जाने,घायलों का निःशुल्क इलाज कराए जाने,पीड़ितों की सुरक्षा व्यवस्था किए जाए।

वहीं सभी हमलावरों को गिरफ्तार कर सख्त सजा दिए। कहा कि डीएम व एसपी को त्वरित कार्रवाई न करने व संवेदनहीनता के लिए सरकार दंडित करे। इसके अतिरिक्त प्रत्येक परिवार को छह माह के लिए राशन, कपड़ा सहित जीवनोपयोगी आवश्यक वस्तुएं दी जाए। जिला सचिव अनिल पासवान ने कहा कि संत कबीर नगर के करीं गांव, थाना क्षेत्र महुली में होली के दिन 14 मार्च 2025 को हुई घटना निंदनीय व बेहद चिंताजनक है। नशे में धुत होकर सामंती दबंगों ने गरीब राजभर लोगों की बस्ती पर हमला किया। लाठी-डंडों से बुरी तरह महिलाओं, पुरुषों व बच्चों की पिटाई की और 21 घरों को आग लगाकर पूरी तरह जला दिया। कहा की हमले में घायल दो व्यक्ति गोरखपुर मेडिकल कालेज में मौत से जूझ रहे हैं। 21 परिवारों की जीवन भर की कमाई स्वाहा हो गई। उनके सर पर न छत बची है, न खाने को अन्न का दाना। भाकपा(माले) राज्य कमेटी सदस्य कामरेड शशिकांत सिंह ने कहा कि घटना के पीछे डीजे बजाने का विवाद तो महज एक बहाना है। असल बात हमला करने वाले गांव के दबंग भूमिहार जाति के लोगों द्वारा उस जमीन पर कब्जा करने की साजिश है, जिस पर 21 गरीब राजभर परिवार दशकों से रहते आ रहे हैं। इतनी बड़ी घटना के बाद भी जिला प्रशासन की ओर से अभी तक कोई राहत सामग्री, खाद्यान्न, कपड़ा व दवा-इलाज के लिए पैसा पीड़ितों को नहीं दिया गया है। डीएम, एसपी हाल तक जानने नहीं गए। न ही सभी हमलावर गिरफ्तार किए गए हैं। महिलाओं को अभी भी दोबारा हमले की आशंका है। उन्हें धमकियां मिल रही हैं। पीड़ित परिवार दहशत में हैं। आरोप लगाया कि मौजूदा शासन में दबंगों का मनोबल बढ़ा है। पैदल मार्च में विजई राम, श्यामदेयी, मुन्नी गोंड, सुनैना कुमारी, रामायण राम, किस्मत यादव, रामदुलार बिंद, चंद्रिका यादव,हरिशंकर विश्वकर्मा, उमानाथ चौहान, पतालु गोंड, रामकृत कोल, राम किशुन राम, रमेश राय, तेजू राय, मुनीलाल राम आदि शामिल रहे।

चंदौली से हज के लिए रवाना होंगे 52 हाजी

चंदौली। हज कमेटी आफ इंडिया और उत्तर प्रदेश राज्य हज समिति ने एक सर्कुलर जारी कर पूरे भारतवर्ष से सभी जिलों के लिए मास्टर हज ट्रेनर का चयन किया है। हज ट्रेनर के लिए जनवरी में ऑनलाइन टेस्ट व इंटरव्यू का आयोजन लखनऊ में किया गया था, जिसमें सभी जिलों से प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था। इसके बाद फरवरी के महीने में सभी चयनित हज ट्रेनरों के लिए मुंबई में 2 दिन के ट्रेनिंग कैंप का आयोजन किया गया। ऑनलाइन टेस्ट, इंटरव्यू और ट्रेनिंग के बाद चंदौली जिले से मोहम्मद दिलनवाज का चयन किया गया। हज ट्रेनर दिल्लवाज में मीडिया से बात करते हुए यह बताया कि चंदौली जिले से हज 2025 के लिए कुल 52 हाजी मक्का व मदीना के लिए जाएंगे। हज ट्रेनर दिलनवाज ने आगे बताया कि लखनऊ से हाजियों की रवानगी 29 अप्रैल से शुरू हो जाएगी। उत्तर प्रदेश राज्य समिति ने सभी जिला अल्पसंख्यक अधिकारियों को और हज ट्रेनरों को यह निर्देश दिया है कि 2 अप्रैल 2025 से 20 अप्रैल 2025 के बीच में ट्रेनिंग और टीकाकरण के कार्यक्रम आयोजित कर लिए जाए। हज ट्रेनर दिलनवाज ने यह भी बताया कि हाजियों को समय-समय पर हज कमिटी द्वारा जारी सभी गाइडलाइन पहुंचाई जाएगी और उन्हें हज पर रवानगी से पहले ट्रेनिंग कराई जाएगी जिससे कि हाजियों के सफर में आसानी हो सके। हर्ष ट्रेनर दिलनवाज ने सभी हाजियों से यह अनुरोध किया है कि जिले में आयोजित होने वाले सभी ट्रेनिंग प्रोग्राम में शिरकत करें। चंदौली से जाने वाले सभी हाजियों को 65,050 रुपया आखिरी किश्त जमा करना है और कुबार्नी का 16,600 अलग से जमा करना है, आखिरी किश्त जमा करने की आखिरी तारीख 3 अप्रैल 2025 है, यह पैसा भारतीय स्टेट बैंक और यूनियन बैंक ऑफ इंडिया में ही जमा होंगे।

शौच करने गए युवक की पीट-पीट कर हत्या

बलिया में मची सनसनी, चार लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही पुलिस

बलिया। फेफना थाना क्षेत्र के सिंहपुर गांव में गुरुवार की देर शाम खेत में बकरी जाने के विवाद में शौच करने जा रहे 30 वर्षीय युवक को पीट-पीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया गया। आनन-फानन में परिजनों ने उसे एंबुलेंस से जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां जांचोपरांत चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं, तनाव को देखते हुए मौके पर पुलिस बल तैनात है।

जानकारी के अनुसार फेफना थाना क्षेत्र के सिंहपुर गांव के समीप बृहस्पतिवार की देर शाम खेत में बकरी जाने के विवाद में युवक को पीट-पीटकर गंभीर रूप से घायल कर दिया गया। जिला चिकित्सालय के चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की शिनाख्त अवधेश कुमार (30) पुत्र जवाहर राम निवासी सिंहपुर, थाना फेफना के रूप में हुई है। मृतक के पिता जवाहर राम ने पुलिस को तहरीर देकर बताया है कि गांव के ही संजय राम पुत्र खेदन राम के खेत में मेरी बकरी चली गयी थी, जिसको लेकर दोनो परिवारों के लड़कों के बीच तू-तू, मै-मैं हुआ था। उसे बीच- बचाव कर शांत करा दिया गया। वहीं, संदीप और मंदीप पुत्रगण संजय रामं धमकी देकर चले गए। इसी बीच मेरा लड़का अवधेश कुमार खेत में शौच करने गया था। उसको संदीप एवं मंदीप पुत्रगण संजय राम निवासीगण सिंहपुर, थाना फेफना द्वारा लाठी-डण्डे से मारा-पीटा गया। यह देखकर मेरी लड़की कुमारी बबिता ने शोर मचाई तो हम लोग मौके पर पहुंचे। आनन-फानन में घायल अवधेश को मोटरसाइकिल से निजी चिकित्सक के यहां ले गये, जहां से उसे रेफर कर दिया गया। जिला अस्पताल के चिकित्सकों ने जांचोपरांत उसे मृत घोषित कर दिया। इधर, घटना की जानकारी होने पर क्षेत्राधिकारी मो. उस्मान एवं फेफना पुलिस मौके पर पहुंची और संदीप, मंदीप, रतन राम और विशाल राम को हिरासत में ले लिया। इस संबंध में थाना प्रभारी अजय कुमार त्रिपाठी ने बताया कि तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

दो युवकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज : बलिया। इस मामले में पुलिस ने फेफना थाना क्षेत्र के सिंहपुर निवासी जवाहर राम पुत्र स्व. भिखारी राम की तहरीर पर संदीप एवं मनदीप पुत्रगण संजय राम निवासीगण सिंहपुर, थाना फेफना के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की छानबीन में जुटी है।

पुलिस ने वारंटी को धर दबोचा

बलिया। पुलिस ने एक वारंटी को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त किया है। पुलिस ने उसे न्यायालय के समक्ष पेश किया है। पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह के कुशल निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार झा के सफल पर्यवेक्षण, क्षेत्राधिकारी बांसडीह प्रभात कुमार एवं थानाध्यक्ष सहतवार दिनेश पाठक की देखरेख में पुलिस को सफलता मिली है। शुक्रवार को सहतवार पुलिस ने वारंटी सुनील कुमार राजभर पुत्र कैलाश राजभर निवासी ग्राम बड़की खोरौली, थाना सहतवार को न्यायालय जेएम प्रथम बलिया द्वारा जारी आदेश के अनुपालन में उसके घर पर दबिश देकर हिरासत में ले लिया। पुलिस टीम में उनि सुधाकर, कां. अखिलेश गुप्त, कां. मो. आसिफ शामिल रहे।

पत्नी की तलाश में दर-दर भटक रहा पति

बैरिया। गोरखपुर जाते समय सुरेमनपुर रेलवे स्टेशन से अचानक गायब हो गई पत्नी की तलाश में पति पिछले छह माह से दर-दर भटक रहा है। इस मामले में ना तो पुलिस मदद कर रही है और ना ही जीआरपी। उक्त महिला के दो बच्चे हैं, जिन्हें पालन पोषण के लिए पति ने अपने रिश्तेदारी में ले जाकर रखा है। बता दे कि बैरिया कुंवर टोली निवासी सरोज कुमार श्रीवास्तव अपनी 30 वर्षीय पत्नी सविता देवी को लेकर गोरखपुर जा रहा था कि सुरेमनपुर रेलवे स्टेशन पर ट्रेन पर चढ़ते समय पत्नी का साथ छूट गया। पत्नी ट्रेन में नहीं चढ़ पाई और सरोज ट्रेन पर चढ़कर गोरखपुर चला गया। उसने सोचा कि पत्नी नहीं चढ़ पाई तो घर लौट गई होगी, किन्तु एक सप्ताह बाद जब वह घर लौटा तो पत्नी घर नहीं पहुंची थी। अपनी पत्नी को गायब पाकर परेशान सरोज पहले सभी संभावित स्थानों पर उसकी तलाश की। पता नहीं चलने पर इसकी सूचना बैरिया थाना एवं जीआरपी बलिया को दिया।

पिकअप पर लदी शराब के साथ दो तस्कर अरेस्ट

बैरिया। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर जयप्रभा सेतु के निकट पुलिस पिकेट के पास से गुरुवार की रात 425 पेटी एट पीएम फ्रूटी शराब बरामद करने में सफलता प्राप्त किया है। तस्कर शराब को पिकअप पर लाद कर बिहार ले जा रहे थे। बरामद शराब की कीमत लगभग 27 लाख रुपए बताई जा रही है। पुलिस ने दो तस्करों को भी गिरफ्तार किया है। प्रभारी निरीक्षक बैरिया राकेश कुमार सिंह ने बताया कि तस्कर पिकअप में शराब लादकर तस्करी के लिए जयप्रभा सेतु के रास्ते बिहार ले जा रहे थे कि मुखबीर की सूचना पर उनकी घेराबंदी कर उन्हें दबोच लिया गया। साथ ही शराब लदी पिकअप को भी जब्त कर लिया गया है। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि मुखबीर से सूचना मिली कि अमरजीत सिंह निवासी भवन टोला जयप्रकाश नगर, थाना बैरिया, मंजीत वर्मा निवासी सिहांचवर, थाना गड़वार पिकअप से भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब लेकर बिहार में तस्करी के लिए ले जा रहे हैं। पुलिस ने मुखबीर की सूचना पर विश्वास करते हुए बिना समय गंवाए घेराबंदी की। घेराबंदी करने वालों में प्रभारी निरीक्षक के अलावा चौकी इंचार्ज बैरिया सुशील कुमार यादव, उप निरीक्षक अजय कुमार, सर्विलांस प्रभारी विश्वनाथ सिंह एवं भारी संख्या में फोर्स शामिल थी। दोनो आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर चालान न्यायालय कर दिया गया। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि उक्त लोगों की आपराधिक कुंडली खंगाली जा रही है। अगर अन्य जगहों पर शराब तस्करी के मामलों के अलावा अन्य अपराध पाए जाते हैं तो इन पर भी गंभीर धाराओं में अलग से कार्रवाई की जाएगी। इसमें कितने लोग शामिल हैं? शराब किस दुकान की है? शराब का क्यूआर कोड क्या है?

तीन दिवसीय सालाना जोड़ मेला प्रारंभ

निजामाबाद (आजमगढ़)। ऐतिहासिक गुरुद्वारा चरण पादुका साहिब निजामाबाद में सालाना गुरुमत समागम का जोड़ मेला शुक्रवार को प्रारंभ हो गया जो तीन दिन तक चलेगा। गुरुद्वारा चरण पादुका साहिब निजामाबाद के नये दरबार साहिब में आयोजित तीन दिवसीय गुरमत समागम में आज से श्री अखण्ड साहिब पाठ की शुरूआत हो गई। समागम में शामिल होने के लिए सिक्ख श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया है।

गुरुवार को तमसा तट स्थित गुरुद्वारे में कार्यक्रम से एक दिन पहले अखंड पाठ साहिब की शुरूआत हुई। वाराणसी के पाठी सिंहों ने पाठ में भाग लिया। इस पाठ का समापन शनिवार को होगा। मुख्यग्रंथी बाबा सतनाम सिंह ने बताया कि गुरुद्वारे में प्रतिवर्ष तीन दिवसीय सालाना जोड़ मेला गुरुमत समागम होता है। अखाड़ा के संत सिपाही नगर कीर्तन के समय प्राचीन अस्त्र शस्त्र के साथ युद्ध कला का प्रदर्शन विशेष आकर्षण होता है।

यूपी में बढ़ रहा सामंती उत्पीड़न

बलिया। संत कबीरनगर जनपद के करीं गांव में होली के दिन दबंगों द्वारा गरीब बस्ती (राजभर) पर किये गये हमले और उनके 21 घरों को आग लगाकर जलाने की घटना के खिलाफ भाकपा (माले) के प्रदेशव्यापी आह्वान पर शुक्रवार को कार्यकर्ताओं ने वरिष्ठ नेता श्रीराम चौधरी के नेतृत्व में जिलाधिकारी कार्यालय पर प्रदर्शन किया। तत्पश्चात मुख्यमंत्री को सम्बोधित नौ सूत्रीय ज्ञापन नगर मजिस्ट्रेट आशाराम वर्मा को सौंपा।

ज्ञापन में पीड़ित परिवारों को प्रधानमंत्री आवास देने, भूमिहीनों को भूमि पट्टा करने, प्रत्येक परिवार को रूपया पांच-पांच लाख मुआवजा देने, घायलों को निःशुल्क इलाज, सुरक्षा, हमलावरों को तत्काल गिरफ्तार करने तथा जनपद उन्नाव में मुहम्मद शरीफ की पीट-पीटकर की गयी हत्या की उच्चस्तरीय न्यायिक जांच कराने की मांग की गयी। श्रीराम चौधरी ने कहा कि भाजपा सरकार में सामंती उत्पीड़न की घटनाएं लगातार बढ़ रही है। वहीं, योगी सरकार सामंतों का संरक्षण और गरीबों के उत्पीड़न की कहानी लिख रही है। उन्होंने कहा कि संत कबीरनगर की घटना पर मंत्री ओमप्रकाश राजभर की चुप्पी यह दर्शाता है कि वह सत्ता के लोलूप है और गरीबों के खिलाफ है। योगी का बुलडोजर पिछड़े, दलित एवं अल्पसंख्यकों के खिलाफ एवं दबंगो का संरक्षण कर रहा है। मौके पर ओमप्रकाश सिंह, वशिष्ठ राजभर, नियाज अहमद, भागवत बिन्द, लक्ष्मण यादव, राधेश्याम चौहान, अशोक पाण्डेय, मु. युसूफ, रमेश बिन्द, रामप्रवेश शर्मा, उपेन्द्र कुमार, संदीप कुमार, बब्बन चौहान आदि रहे।

जिलाध्यक्ष बने राजमंगल

मऊ। कांग्रेस पार्टी के प्रदेश महामंत्री वेणुगोपाल द्वारा जनपद के वरिष्ठ कांग्रेसी नेता राजमंगल यादव को कांग्रेस पार्टी का जिलाध्यक्ष बनाये जाने पर पूरे जनपद के कांग्रेसियों में खुशी व्याप्त है। विदित हो कि घोसी ब्लॉक अंतर्गत बनियापार गांव निवासी लक्ष्मी शंकर यादव के पुत्र राजमंगल यादव एक लम्बे अरसे से कांग्रेस पार्टी से जुड़े हुए हैं। ये दो बार कांग्रेस पार्टी के टिकट पर विधानसभा का चुनाव लड़ चुके हैं। दोनो बार इनको बहुत अच्छा मत मिला जिसके परिणाम स्वरूप समाजवादी पार्टी को यहाँ से अपनी सीट गवानी पड़ी। राजमंगल यादव को पार्टी का जिलाध्यक्ष बनाये जाने से इनके गृह क्षेत्र बनियापार में लोग खुशी से झूम उठे। पार्टी कार्यकर्ताओं का कहना हैं कि राजमंगल यादव को जिलाध्यक्ष बनाये जाने से पार्टी को नयी बल मिलेगा। राजमंगल एक कुशल कार्यकर्ता रहे हैं। संगठन को मजबूती मिलेगी।

संक्षेप समाचार...

पांच वर्ष से अधिक के मुकदमों का करें निपटारा

गाजीपुर। जिलाधिकारी आर्यका अखौरी की अध्यक्षता में मासिक स्टाफ बैठक सी एम डैशबोर्ड दर्पण पर कलेक्ट्रेट सभागार रायफल क्लब सम्पन्न हुआ। जिलाधिकारी ने मासिक स्टाफ बैठक में राजस्व विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक ली। बैठक में लंबित प्रकरण एवं विवादित प्रकरण, दाखिल खारिज, विवादित वादो का निस्तारण करने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने समस्त उप जिलाधिकारी, तहसीलदार एवं अन्य संबंधित राजस्व अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि राजस्व कार्यों में सभी अधिकारियों द्वारा सरकार की मंशा के अनुरूप चलाए जा रहे प्रत्येक कार्यक्रम में तत्परता दिखाते हुए कार्यों का संपादन किया जाना सुनिश्चित करें ताकि सरकार की राजस्व योजनाओं का लाभ जनसामान्य को आसानी के साथ प्राप्त हो सके। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि समस्त अधिकारी राजस्व वसूली का कार्य सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर करते हुए डिमांड के अनुसार वसूली सुनिश्चित करे। जिलाधिकारी ने समस्त उपजिलाधिकारियों को 05 वर्ष से ऊपर के मुकदमो को प्रतिदिन सुनने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि धारा 24, धारा 116 धारा 80 के लंबित मामलों का समयान्तराल निस्तारण किया जाये। धारा 67 की सुनवाई और निष्पादन में तहसीलदार गंभीरता से कार्य करें और उपजिलाधिकारी इसकी नियमित समीक्षा भी करें। उन्होने सीमा स्तम्भ, कृषि भूमि पट्टा, आवास हेतु भूमि आवंटन, कुम्हारीकलां पट्टा आवंटन, अंश निर्धारण एवं अंश संशोधन की प्रगति की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दियां। बैठक में अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) दिनेश कुमार, समस्त उपजिलाधिकारी, तहसीलदार, नायब तहसीलदार एंव पटल सहायक उपस्थित रहे।

छात्र-छात्राओं को प्रतिस्पर्धी बनाना बेहद जरूरी

भांवरकोल। क्षेत्र के शहीद संस्मरण इंटर कालेज शेरपुर का वार्षिकोत्सव शुक्रवार को समारोह पूर्वक धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि माध्यमिक शिक्षा परिषद वाराणसी के क्षेत्रीय सचिव बिनोद राय एवं जिला विद्यालय निरीक्षक भास्कर मिश्र ने मां सरस्वती के तैल चित्र पर दीप प्रज्वलित एवं माल्यार्पण कर किया। इसके पूर्व दय़ अधिकारियों ने शहीद स्मारक पर अमर शहीदों के स्मारक पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि कर श्रद्धासुमन अर्पित किया। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि ओर से अवकाश प्राप्त शिक्षकों सत्यनारायण राय, बिजेंद्र राय, नित्यानंद त्रिपाठी, रामबदन राय, अछैबर राय सहित सभी अवकाश प्राप्त शिक्षकों को अंगबस्तम़ एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इसके पूर्व विद्यालय के प्रधानाचार्य डा. राकेश कुमार श्रीवास्तव ने विद्यालय के आय-व्यय एवं शिक्षण एवं विकास का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। इस मौके पर मौके पर अवध किशोर राय, पवंधक उमेश चन्द्र राय, छविनाथ मिश्र, बिनोद राय, विद्यासागर गिरी, दिनेश राय, रबींद्र, नित्यानंद त्रिपाठी, हेमनाथ राय, डा. रमेश राय ,राजेश राय बागी, डा. आलोक, दयाशंकर, अनिल दुबे, गौरव पांन्डेय, तान्सू राय, अशोक, अमीत कुमार, कृष्णमोहन आदि रहे।

दो बच्चों की मां आशिक के साथ फरार

रेवतीपुर। सुहवल थाना क्षेत्र अंतर्गत एक गांव में एक 23 वर्षीय नवविवाहिता अपने पति और दो छोटे बच्चों को बीते देर रात्रि चारपाई पर सोते समय घर छोड़कर आशिक के साथ फरार हो गई। इसके साथ ही पति का मोबाइल और गहने अपने साथ लेकर चली गई। पति ने काफी खोजबीन के बाद शुक्रवार को थाने में लिखित शिकासत दिया है। पुलिस फरार पत्नी की तलाश में जुट गई है। पीड़ित पति ने बताया कि उसकी शादी दो साल पहले बगल के ही एक गांव में हुई थी। उसे एक पुत्र और एक पुत्री है, जो अभी काफी छोटे है। वह घर पर ही रहकर मजदूरी करता है। बीते गुरूवार की देर शाम को वह अपने पत्नी, बच्चों के साथ भोजन कर रात को एक कमरें में सोने चला गया। बताया कि देर रात्रि को प्यास लगने पर जब चारपाई से उठा तो उसकी पत्नी नहीं थी। सोचा कि शायद शौच करने गई हो, जब मोबाइल खोजने लगा तो वह भी गायब था। वह जब दूसरे कमरें में गया तो देखा कि बक्से में रखा लाखों का आभूषण गायब था। बताया कि दूसरे मोबाइल से जब उसने अपने मोबाइल पर फोन किया तो वह स्वीच आफ बता रहा था। प्रभारी निरीक्षक राजू दिवाकर ने बताया कि पति ने पत्नी के फरार होने की सूचना दी है,मामलें की छानबीन की जा रही है।

अभिषेक राय बने असिस्टेंट सेलेक्सन अफसर

भांवरकोल। स्थानीय विकास खंड के बलुआं-तपेशाहपुर गांव निवासी अभिषेक राय ने पेशे से अध्यापक सिद्धांर्थ राय के पुत्र अभिषेक राय बचपन से ही कुशाग्र बुद्धि का था। अभिषेक ने एसएससी, सीजीएल 2024 में एफआईआर -266 रैंक प्राप्त प्राप्त कर (ए एस ओ इन एम ई ए) विदेश मंत्रालय में असिस्टेंट सेलेक्सन अफसर बने हैं। ये लगातार २०२० से ही एसएससी, सीजीएल की परीक्षा पास करते रहे हैं, पहले इनकम टैक्स फिर जीएसटी और कस्टम और अब विदेश मंत्रालय में एएसओ बने है। इनका सपना शुरू से ही विदेश मन्त्रालय में जाने का था जिसके लिए लगातार नौकरी करते हुए कड़ी मेहनत करते रहे। इनकी प्राराभिक शिक्षा गांव बलुआ में ही रहकर मिडिल स्कूल भाँवरकोल से तथा उच्च शिक्षा बी.टेक. के. एन एम आईईटी मोदीनगर गाजियाबाद से हुई। इनके पिता इंटर कॉलेज करीमुद्दीनपुर में अध्यापक हैं। इनकी माता किरन राय गृहणी है। अभिषेक का प्रतियोगी छात्रों के लिए कहना है कि यदि लक्ष्य बनाकर लगन एवं मेहनत से पढ़ाई करें। तो यह यात्रा बेशक लम्बी हो सकती है। लेकिन संघर्ष करते रहो, आगे बढ़ते रहो और जब सही समय आयेगा, सही अवसर ?आयेगा तो मंजिल इसे पूरी तरह से सार्थक बना देगी।

देशी शराब के साथ बिहारी तस्कर गिरफ्तार

गहमर। पुलिस ने वृहस्पतिवार की देर साम को निवासी गांव खलापतपुर थाना मुफस्सिल जिला बक्सर बिहार के छांगुर मुसहर(40) पुत्र विश्वनाथ मुसहर को 40 पाउच(एक पेटी) ब्लू लाईन 200 एमएल देशी शराब के साथ तस्कर को गिरफ्तार कर आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की। उपनिरीक्षक पुष्पेश चन्द्र दूबे चौकी प्रभारी सेवराई मय हमराह कांस्टेबल राजेश सरोज, रामू कुशवाहा व प्रदीप कुमार के साथ गस्त में भ्रमणशील होकर अपराध व अपराधियों की गतिविधियों तथा अपराध पर अंकुश लगाने के लिए भदौरा बस स्टैंड पर मौजूद होकर संदिग्ध व्यक्ति वाहन से आने-जाने वालो की जांच पड़ताल कर रहे थे, कि मुखबिर से सूचना मिली की एक व्यक्ति शराब भट्ठी भदौरा से शराब लेकर पगडंडियों के रास्ते होकर राष्ट्रीय राजमार्ग 124 सी गांव देवकली के मुख्य गेट के पास से सवारी वाहन पकड़कर बिहार जाने वाला है। जिसपर देवकली गेट के पास घेरा बंदी कर दिया कि एक संदिग्ध व्यक्ति प्लास्टिक की सफेद झोले में कुछ सामान लेकर आता दिखाई दिया। पुलिस को एकाएक देख वह घबराकर गांव की तरफ भागा की दौड़ाकर पकड़ लिया गया। उसकी तलाशी लेने पर उसके पास से देशी अवैध शराब बरामद हुआ।

कुत्ते के विवाद में युवक के साथ मारपीट, मुकदमा

गहमर। कुत्ते को लेकर उपजे विवाद के बाद युवक को मारपीट कर किया घायल। पुलिस ने घायल युवक की मां के तहरीर पर गांव के ही एक युवक पर मुकदमा दर्जकर आवश्यक कार्रवाई में जूट गई। मौजा जीव नारायणपुर गहमर निवासिनी विन्दा देवी पत्नी कमला राजभर ने बताया कि बुधवार की रात लगभग सात बजें कुत्ते के विवाद को लेकर मेरे ही गांव के पट्टी खेलुराय निवासी श्लोक यादव मेरे लड़के के साथ गाली-गलौज करने लगा। मना करने पर जान-माल की धमकी देते हुए लात-घूंसों से मारपीट कर घायल कर दिया। वहीं, जाते जाते पीठ पर कई जगह दांत से काट लिया है। प्रभारी निरीक्षक अवशेष नाथ सिंह ने बताया की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्जकर विवेचना किया जा रहा है।

प्रजापति समाज को करें अनुसूचित जाति में शामिल

गाजीपुर। मंत्री होमगार्ड एवं सुरक्षा विभाग स्वतंत्र प्रभार धर्मवीर प्रजापति ने शुक्रवार को राम लक्ष्मण जानकी मंदिर कुम्हार वंशज रौजा पर नवनिर्मित मुख्य गेट व बाउंड्री का उद्घाटन किया। उद्घाटन के दौरान उन्होंने राम लक्ष्मण जानकी मंदिर के अंदर पूजा अर्चना भी किया। उन्होंने प्रजापति समाज को संबोधित करते हुए कहा कि प्रजापति समाज जब तक एक नहीं होंगे तब तक प्रजापति समाज कभी आगे नहीं बढ़ेगा। प्रजापति समाज के हित के लिए उत्तर प्रदेश सरकार से जो भी मांगे की गई है, उसकी सरकार के सामने रखा जाएगा। उन्होंने प्रजापति समाज को अनुसूचित जाति में शामिल करने के लिए उत्तर प्रदेश प्रजापति कुम्हार संघ गाजीपुर के तरफ से एक पत्रक भी दिया गया, साथ में मंदिर के पूरब साइड में एक एकड़ में तालाब को चारों तरफ से कब्जा कर लिया गया है, उसे अतिक्रमण हटाने के लिए भी मंत्री जी को पत्र दिया गया है। कार्यक्रम में निवर्तमान जिलाध्यक्ष सुनील सिंह, कृष्ण बिहारी राय, डॉक्टर प्रभुनाथ प्रजापति, राम नरेश प्रजापति, रमाकांत प्रजापति, हीरा प्रजापति, हरिवंश प्रजापति, मुकेश प्रजापति, अभिमन्यु प्रजापति, इंद्रजीत आदि रहे।

महिला के साथ रास्ते में मारपीट , दो पर मुकदमा

गहमर। बाजार से अकेले घर लौट रही महिला के साथ मनचलों ने किया मारपीट, पुलिस ने महिला के तहरीर पर दो लोगों पर एफआईआर दर्जकर विवेचना शुरू कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार, जिले के गहमर थाना क्षेत्र के बकसड़ा गांव निवासनिय आरती देवी ने बताया कि बीते बुधवार की साम सतरामगंज बाजार सेवराई भदौरा से बाजार कर पैदल ही सेवराई-देवल सड़क मार्ग से होकर अपने घर जा रही थी। कामाख्या इंटर कालेज सेवराई के पास जैसे ही पहुंची कि वहां पहले से मौजूद सेवराई गांव निवासी विशाल राजभर पुत्र लक्ष्मी राजभर व मु० इरफान पुत्र मो. अली खड़े थे मुझे देखकर अश्लील हरकतें करने लगे ऐसा करने से जब रोका व टोका तो दोनों गाली-गलौज करते हुए लात-घूंसे से मारने-पीटने लगे। राहगीरों को आता देख जान-माल की धमकी देते हुए फरार हो गए। प्रभारी निरीक्षक अवशेष नाथ सिंह ने बताया कि पीड़ित महिला के तहरीर पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्जकर विवेचना किया जा रहा है।

तहसील में व्याप्त भ्रष्टाचार, किया प्रदर्शन

निजामाबाद (आजमगढ़)। स्थानीय तहसील में शुक्रवार को अधिवक्ता सभागार में बार एसोशिएशन के तहसील अध्यक्ष मितई की अध्यक्षता में तहसील में व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ घंटों बैठक हुई। संचालन बार एसोशिएशन के मंत्री चंद्रेश राम ने किया। सर्व सम्मति से प्रस्ताव पारित किया गया कि सभी अधिवक्ता 24 मार्च तक सभी न्यायिक कार्य का बहिष्कार करेंगे। अधिवक्ता लामबंद होकर जमकर नारेबाजी करते हुए पूरे तहसील प्रांगण में भ्रमण किया। मंत्री चंद्रेश राम ने बताया कि तहसील में सरकारी बाबू अपना-अपना प्राइवेट आदमी रखकर उन्हीं के हाथों से पैसा वसूल करते हैं। नायब तहसीलदार आदर्श कुमार सिंह दो जगह आजमगढ़ और तहसील में रूम लेकर रहते हैं, वहीं से आदेश करते रहते हैं। तारीख से पहले फैसला दे देते हैं जिसके कारण फरियादी दर-दर भटक रहे हैं।

पूर्व अध्यक्ष मनोज राय ने बताया कि तहसील में व्यापक रूप से भ्रष्टाचार व्याप्त है जिसके कारण गरीब फरियादियों को न्याय नहीं मिल पा रहा है। उनकी बहुमूल्य जमीनों पर भूमाफिया कब्जा कर ले रहे हैं इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष मनोज राय, पूर्व अध्यक्ष रामआसरे चतुर्वेदी, पूर्व अध्यक्ष खालीकुज्जमा अंसारी, डॉ. शहनवाज

खान, अनिल कुमार, मोहन कुमार, लालमन यादव, देवेंद्र राय उर्फ दीपू आदि उपस्थित थे।

जिले के पांच विद्यार्थी आईआईएम मुंबई में करेंगे इंटर्नशिप : लालगंज (आजमगढ़)। राजकीय इंजीनियरिंग कालेज देवगांव में उद्यमिता विकास पर गत दो वर्षों की भांति इस वर्ष भी तीसरी एक सप्ताह की अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला का उद्घाटन आईआईएम मुंबई के निदेशक प्रो.मनोज कुमार तिवारी द्वारा किया गया। प्रो.तिवारी ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए उद्यमिता के माध्यम से भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए युवाओं को प्रेरित किया। उन्होंने पूर्वांचल में राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज आजमगढ़ द्वारा किए जा रहे इस तरह के आयोजनों की सराहना की और साथ ही संस्थान के पांच मेधावी छात्रों को आईआईएम मुंबई में इंटर्नशिप की भी घोषणा की। संस्थान के निदेशक प्रोफेसर प्रो. बीके त्रिपाठी ने उद्यमिता विकास के लिए संस्थान द्वारा लगातार किए जा रहे प्रयासों पर विस्तार से चर्चा की। कार्यशाला के समन्वयक एवं संस्थान के कुलसचिव डॉ.अम्बरीष सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया। अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापन डॉ. कौशल कुमार शुक्ला ने किया। इस अवसर पर डॉ.अनूप नारायण सिंह, सावेंद्र प्रताप सिंह आदि रहे।

विश्वविद्यालय परिसर से शुरू हुई साइकिल यात्रा : आजमगढ़। महाराजा सुहेलदेव राज्य विश्वविद्यालय आजमगढ़ परिसर से काशी विद्यापीठ वाराणसी को 25 सदस्यीय छात्र-छात्राओं का एक प्रतिनिधिमंडल सद्भावना संदेश लेकर रवाना हुआ। साइकिल यात्रा का शुभारंभ सुबह 7.45 पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.संजीव कुमार ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। बच्चों को अनुशासित रहकर राज्यपाल/कुलाधिपति के निर्देश के क्रम में नुक्कड़ नाटक, भाषण और अपने आचार-विचार से लोगों को प्रभावित करने का निर्देश दिया। समाज में व्याप्त कुरीतियों जैसे दहेज-प्रथा, नशा-मुक्ति के प्रति नई पीढ़ी को जागरुक करते हुए सकुशल यात्रा संपन्न कर शनिवार को वापस आने की शुभकामना दी। उन्होंने कहा कि इस यात्रा में सिर्फ टहलना घूमना ही उद्देश्य नहीं है बल्कि देश के महान सपूतों द्वारा किए गए सामाजिक कार्य के बाबत जनमानस को अपडेट करना है।

नशे में वाहन चलाने वाले चालकों का लाइसेंस करें निरस्त : जिलाधिकारी

सोनभद्र। जिलाधिकारी बीएन सिंह ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक की। इस दौरान एनएच के अधिशासी अभियन्ता को अनुपस्थित रहने पर स्पष्टीकरण जारी करने के निर्देश दिये। डीएम ने कहा कि टोलप्लाजा के आस-पास निवास करने वाले चार पहिया वाहन चालकों से टोल टैक्स के सम्बन्ध में नियमानुसार कार्यवाही की जाये, उन्हें अनावश्यक रूप से परेशान न किया जाये। डीएम ने कहा कि अन्तर्राज्यीय सीमा की दूरियों से सम्बन्धित साइनेज बोर्ड लगाया जाये। वाराणसी-शक्तिनगर मार्ग पर कलेक्ट्रेट के पास भी साइनेज बोर्ड अन्तर्राज्यीय सीमा से सम्बन्धित लगाया जाये। वहीं रेनुकूट-हाथीनाला मार्ग पर वन देवी के ऊपर सड़क से भारी वाहन नीचे न गिरे, इसके लिए सुरक्षा के इन्तजाम एनएच द्वारा न किये जाने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि उनके विरूद्ध शासन स्तर पर पत्राचार किया जाये। उन्होंने कहा कि सड़कों से गुजरने वाले भारी वाहनों की चेकिंग की जाये, जिन वाहनों के बाडी के ढांचे में परिवर्तन पाया जाये, ऐसे वाहनों को सीज किया जाये। चार पहिया वाहन व ट्रक, हाईवा के तेज रफ्तार की निगरानी करते हुए नशे की हालत में वाहन चलाने वाले गाड़ियों का चालान करते हुए चालकों का वाहन लाईसेंस निरस्त करने की कार्यवाही की जाये। एआरटीओ ने बताया कि अब तक नशे की हालत में वाहन चलाने वाले 40 ड्राइवरों के लाईसेंस निरस्त की कार्यवाही की गयी है। उन्होंने कहा कि दुर्घटना होने की स्थिति में घायल व्यक्ति को नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र जिस पर ईलाज की बेहतर सुविधा उपलब्ध हो, वहीं पर ले जाया जाये। इसके लिए बेहतर कार्ययोजना स्वास्थ्य विभाग द्वारा बनायी जाये और सम्बन्धित थाने पर इसके सम्बन्ध में सूचना उपलब्ध करायी जाये। उन्होंने एआरटीओ को निर्देशित किया कि गाड़ियों के फिटनेस की जांच समय-समय पर की जाये और ड्राइवरों के ऑखों की जांच हेतु कैम्प लगवाया जाये।

आगामी त्योहारों के मद्देनजर आईजी ने पुलिस प्रशासन की परखी व्यवस्था

जौनपुर। पुलिस महानिरीक्षक वाराणसी परिक्षेत्र मोहित गुप्ता द्वारा शुक्रवार को पुलिस लाईन में परेड की सलामी ली गई। इस दौरान पुलिसकर्मियों से दौड़ लगवायी गयी और एकरूपता बनाए रखने के लिए ड्रिल करवाया गया। उन्होंने पुलिस लाइन का निरीक्षण कर सम्बन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। आगामी त्योहारों और जनपद में कानून व्यवस्था को चुस्त दुरूस्त रखने के लिए आईजी मोहित गुप्ता गुरूवार को जनपद में पहुंचे। उन्होंने रिजर्व पुलिस लाइन का भ्रमण कर विभिन्न शाखाओं व इकाइयों का निरीक्षण किया। उन्होंने पुलिस लाइन के गेट नं. 1 व 2, केंद्रीय पुलिस कैंटीन, क्वार्टर गॉर्ड आदेश कक्ष, अतिथि गृह व साक्ष्य कक्ष के जीर्णोद्धार एवं सुंदरीकरण व टाइप प्रथम के आवासों में टाइल्स व ग्रेनाइट के कार्यो का लोकार्पण किया। इसके बाद आईजी ने पुलिस अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की जहां उन्होंने भूमि संबंधी विवाद में राजस्व अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित करके तत्काल मौके पर जाकर विधिक निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। पुलिस लाइन सभागार में राजपत्रित पुलिस अधीकारीगण, समस्त प्रभारी निरीक्षक व थानाध्यक्ष एवं शाखा प्रभारियों के साथ गोष्ठी के दौरान आगामी त्योहारों को सकुशल संपन्न कराने के लिए सुरक्षा से संबंधित पुलिस प्रबंध की जानकारी ली। शुक्रवार की सुबह आईजी द्वारा साप्ताहिक परेड की सलामी ली गयी तथा परेड का निरीक्षण किया गया। इस दौरान पुलिस बल के शारीरिक व मानसिक रूप से फिट रहने के लिए समस्त पुलिसकर्मियों से दौड़ लगवायी गयी एवं अनुशासन व एकरूपता बनाए रखने के लिए ड्रिल करवाया गया। पुलिस लाइन परिसर, पुलिस मेस, पुलिस कैंटिन, पुलिस बैरक, पुलिस लाइन चिकित्सालय, यातायात कार्यालय, जीडी कार्यालय, कैश कार्यालय, गणना कार्यालय, अंगुष्ट छाप कार्यालय, आदेश कक्ष, स्टोर कार्यालय, गार्द रुम, एमटी शाखा व डायल 112 कार्यालय का निरीक्षण कर सभी को दिशा निर्देश दिये गये।

खंड विकास अधिकारी ने सुनी समस्याएं

जमालपुर। क्षेत्र के जमालपुर पंचायत भवन पर शुक्रवार को खंड विकास अधिकारी डाक्टर रक्षिता सिंह की अध्यक्षता में ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया। खंड विकास अधिकारी डा.रक्षिता सिंह ने ग्रामीणों की समस्याओं को सुनते हुए उनके समस्याओं का मौके पर निराकरण किया। महत्वाकांक्षी योजनाओं के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि जिन लोगों का राशनकार्ड अब तक नहीं बना है वह लोग फेमिली आईडी कार्ड तुरंत पंचायत सहायक से बनवा लें जिससे राशनकार्ड की तरह फेमिली आईडी कार्ड पहचान पत्र बन सके। छोटे या बड़े किसान सहज जनसेवा केंद्र पर जाकर को 30 मार्च तक फार्मर रजिस्ट्री जरुर बनवा लें नहीं तो किसान सम्मान निधि बाधित हो जाएगी। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत जिसके पास कच्चा मकान होगा उसी को सर्वे के बाद आवास दिया जाएगा। पात्र व्यक्ति भारत सरकार के आवास प्लस ऐप पर जाकर स्वयं आवेदन कर सकते हैं।

शराब तस्करों को किया अरेस्ट

मिर्जापुर। अहरौरा पुलिस, एसओजी, सर्विलांस व आबकारी की संयुक्त टीम ने शुक्रवार को 384 बोतल अवैध अंग्रेजी शराब के साथ दो अंतर्राज्यीय शराब तस्करों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। वही अवैध शराब तस्करी में प्रयुक्त चोरी का बरामद वाहन अर्टिगा को सीज कर दिया गया।

प्रभारी निरीक्षक अजय सेठ ने बताया कि एसओजी, सर्विलांस व आबकारी विभाग की संयुक्त टीम द्वारा शुक्रवार को मुखबिर की सूचना वाराणसी शक्ति नगर रोड पर बेलखरा ग्राम में स्थित ओम साई कृपा रेस्टोरेंट के पास सघन चेकिंग कर अर्टिका कार को रोककर उसकी तलाशी ली गई तो कार से 384 बोतल अवैध अंग्रेजी शराब बरामद किया गया। कार में सवार पंकज कश्यप पुत्र मदन कुमार निवासी शास्त्री पार्क उस्मानपुर थाना उस्मानपुर जनपद दिल्ली व उमेश पुत्र सुरेश गुज्जर निवासी उस्मानपुर थाना उस्मानपुर जनपद दिल्ली को गिरफ्तार किया गया। प्रभारी निरीक्षक ने बताया की पूछताछ में पकड़े गए दोनों अंतर प्रांतीय तस्करों ने बताया गया कि उक्त अंग्रेजी शराब को हिमांचल प्रदेश से झारखण्ड ले जाकर ऊंचे दामों पर बिक्री कर देते है। बिक्री हेतु ले जा रहे शराब को विभिन्न प्रदेश की सीमाओं में प्रवेश करने से पूर्व वाहन का नम्बर प्लेट उस प्रदेश के अनुसार बदल देते है ताकि पकड़े न जा सके। शराब तस्करों को पकड़ने वाली टीम में उप निरीक्षक महेन्द्र कुमार, उप निरीक्षक इन्द्र भुषण मिश्रा, निरीक्षक संजीव कुमार सिंह, निरीक्षक मानवेन्द्र सिंह, आबकारी निरीक्षक राजेश सहित अन्य लोग रहे।

मालिक के खिलाफ एससी एसटी ऐक्ट का मामला दर्ज : गैपुरा। जिगना थाना क्षेत्र के नेगुरा बान सिंह गांव निवासी खाम्हनपुर मजरा में दलित महिला ने ईंट भट्ठा मालिक पिता पुत्र सहित तीन के खिलाफ मारपीट कर घायल करने तथा अनुसूचित जाति जनजाति अधिनियम एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। खाम्हनपुर दलित बस्ती की दुर्गावती पत्नी संजय ने आरोप लगाया है कि बुधवार की शाम वह बगीचे में लकड़ी इकट्ठा करने जा रही थी। तभी सुनसान स्थान पर भट्ठा मालिक व उसके बेटे ने जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल करते हुए पिटाई किए।

संपादकीय

ध्रुवीकरण की साजिश का हिस्सा है औरंगजेब प्रकरण

महाराष्ट्र का पूरा नागपुर आज कर्फ्यू की चपेट में है। इसी नागपुर में आरएसएस का मुख्यालय है, जहां बरसों तक तिरंगा नहीं फहराया गया था। जिन लोगों ने इस मुख्यालय में घुसकर तिरंगे को फहराने का दुस्साहस किया था, उन्हें मुकदमेबाजी का सामना करना पड़ा था। भाजपा को दिशा-निर्देश भी यही से जारी होते हैं, क्योंकि भाजपा कोई स्वतंत्र राजनैतिक दल नहीं है, बल्कि आरएसएस की राजनैतिक भुजा मात्र है। इस बात को स्वीकार करने में पहले संघी गिरोह शमार्ता था। लेकिन पिछले एक दशक में राजनैतिक वातावरण इतना बदला है कि भाजपा खुलेआम आज संघ को अपना मातृ संगठन स्वीकार करती है। संघ भी आज खुलेआम भाजपा को जीताने के लिए काम करती है। दोनों के अंदरूनी संबंध आज जगजाहिर है और लुका छिपी का खेल खत्म हो गया है।

संघ इस वर्ष कुछ महीनों बाद ही अपनी स्थापना का शताब्दी वर्ष मनाने जा रहा है। इस शताब्दी वर्ष में उसका लक्ष्य है : भारत को हिंदू राष्ट्र बनाना/घोषित करना। बहरहाल, तमाम कुचालों के बावजूद उसका यह सपना पूरा नहीं होने जा रहा है। यह पहला मौका है कि प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति और उप राष्ट्रपति सहित तमाम संवैधानिक संस्थाओं के प्रमुख पदों पर संघी गिरोह ने कब्जा कर लिया है और अपनी इस ताकत और प्रशासन को अपने नियंत्रण में रखने की ताकत का वह बेजा इस्तेमाल संविधान को निष्क्रिय करने और संवैधानिक मूल्यों को कमजोर करने के लिए कर रहा है। इसके बाद भी, हिंदू राष्ट्र का उसका सपना दूर की बात है, तो इसलिए कि भारत में धर्मनिरपेक्षता की जड़ें बहुत गहरी हैं। हालांकि नफरत और तनाव को फैलाकर और सांप्रदायिक दुष्प्रचार के जरिए इसकी जड़ों में मट्ठा डालने का काम लगातार किया जा रहा है।

अब इस काम के लिए औरंगजेब को हथियार बनाया जा रहा है। तथ्यों और वास्तविकताओं को किनारे करके, मुगल काल की चुनिंदा घटनाओं की सांप्रदायिक व्याख्या करने में संघी गिरोह को महारत हासिल है। इतिहास का उपयोग वह वर्तमान भारत के सांप्रदायिक ध्रुवीकरण करने के लिए ही करता है। इस कोशिश में वह शिवाजी महाराज को हिंदुओं के नायक के रूप में और औरंगजेब को मुस्लिम खलनायक के रूप में पेश करता है। लेकिन औरंगजेब काल के इतिहास के उसकी सांप्रदायिक व्याख्या को बल मिला ₹छावा₹ नामक प्रचार फिल्म से, जिसके लेखक शिवाजी सावंत का हिंदुत्ववादी दृष्टिकोण किसी से छुपा हुआ नहीं है। इस फिल्म को देखने के बाद उत्तेजित दर्शकों ने बिना किसी कारण के मुस्लिम समुदाय के जान-माल पर हमले किये और प्रशासन निष्क्रिय रहा या कहिए, उसे निष्क्रिय रहने का आदेश दिया गया। फिर औरंगजेब की कब्र उखाड़ने की मांग हुई, 17वीं शताब्दी के मृत बादशाह का पुतला 21वीं शताब्दी में जलाया जाता है और इस तरह सुनियोजित रूप से उस दंगे और तनाव का आयोजन किया जाता है, जिसका मूर्त रूप नागपुर में संघी गिरोह की सरपरस्ती में देखने को मिल रहा है। औरंगजेब की कब्र उखाड़ने के लिए ठीक प्रकार का माहौल बनाया जा रहा है, जिस प्रकार का माहौल बाबरी मस्जिद के ध्वंस के लिए बनाया गया था। मस्जिद हो या कब्र, या हो दरगाह-मजार, असली बात है संघ-भाजपा का मकसद पूरा होना। इस काम के लिए उसने अपनी तमाम हिंदुत्ववादी सेनाओं को पूरे देश में लगा दिया है। ये सेनाएं अपने विध्वंसक काम को राष्ट्रवाद का नाम देती है और भाजपा राज में ये सेनाएं ही कानून व्यवस्था का काम संभाल रही है, पुलिस तो उसकी केवल सहयोगी है।

औरंगजेब की सेना और प्रशासन में बड़ी संख्या में हिंदू अधिकारी शामिल थे। राजा जय सिंह प्रथम, राजा जसवंत सिंह और राजा रघुनाथ दास उसके शासन के अंग थे। शिवाजी के साथ युद्ध सहित उसने अपने कई अभियानों में कई मराठा सरदारों और हिंदू योद्धाओं को नियुक्त किया। शिवाजी और मराठों के साथ उनका युद्ध धार्मिक दुश्मनी से नहीं, बल्कि क्षेत्रीय नियंत्रण से प्रेरित थे। औरंगजेब ने कई हिंदू मंदिरों को जमीन और धन दान किया, जिसमें उज्जैन में महाकालेश्वर मंदिर और बनारस के विश्वनाथ मंदिर के पुजारियों को सहायता उल्लेखनीय है।

उसके काल में ही गुजरात में शत्रुंजय पहाड़ियों में जैन मंदिरों को संरक्षण दिया गया था। उसने कानूनी बहुलवाद को बरकरार रखा, अर्थात हिंदुओं पर उनके अपने धार्मिक कानून लागू होते थे और मुस्लिम कानून मुसलमानों पर लागू होते थे। उसने नागरिक मामलों में गैर-मुसलमानों पर शरिया लागू नहीं किया। औरंगजेब ने कई भ्रष्ट अधिकारियों को बर्खास्त करके प्रशासनिक सख्ती बरती और ऐसा उसने उनके धर्म की परवाह किए बिना किया।

उसके शासन काल में 1679 में गैर-मुसलमानों पर जजिया कर लागू किया गया था, लेकिन यह कर ब्राह्मणों, महिलाओं, बच्चों और गरीबों पर लागू नहीं होता था और उनकी सेना और प्रशासन में हिंदुओं को इससे छूट दी गई थी। इसी तरह, उन्होंने मुस्लिमों पर जकात (इस्लामी कर) लगाया। लेकिन ये कर राजस्व के प्राथमिक स्रोत नहीं थे। भूमि राजस्व प्राथमिक कर था, जो सभी पर समान रूप से लगाया जाता था, चाहे उनका धर्म कुछ भी हो।

औरंगजेब का शासन में राजनीतिक व्यावहारिकता थी, तो सैन्य और व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं से भी संचालित था। औरंगजेब सामंती शासन का प्रतीक है, न कि लोकतांत्रिक शासन था। काशी विश्वनाथ और केशव देव मंदिर को उसने ध्वस्त किया, क्योंकि इसके संरक्षकों ने औरंगजेब के खिलाफ विद्रोह कर दिया था और यह उसकी राजनैतिक आवश्यकता थी। सभी मुगल बादशाहों ने इसी तरह की कार्यवाहियों की थी और तब यह न धार्मिक कट्टरता मानी जाती थी और न धार्मिक सहिष्णुता। इस्लाम की सख्त व्याख्या करने के कारण उसने अपने दरबार में संगीत पर प्रतिबंध लगा दिया था, लेकिन यह भी सत्य है कि नृत्य और संगीत कला का अभूतपूर्व विकास मुगल काल में ही हुआ है। अन्य मुगल शासकों के विपरीत, औरंगजेब ने एक साधारण जीवन जिया और निजी खर्चों के लिए राज्य के धन का इस्तेमाल करने से इंकार कर दिया था।

औरंगजेब के बारे में इतिहास की सच्चाई यही है। संघी गिरोह इनमें से कुछ चुनिंदा चीजों को उठाकर उसकी व्याख्या इस तरह करता है कि उसके हिन्दुत्व के काम में आए। इतिहास का विकृतिकरण इसे ही कहते हैं।

इस विकृतिकरण के चलते, मुगल शासन के 300 साल बाद, हिंदुस्तान को अंग्रेजों से राजनैतिक आजादी मिलने के बाद और एक धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र की स्थापना होने के बाद भी आज वह हिंदुओं को उत्पीड़ित और मुस्लिमों को उत्पीड़क के रूप में पेश कर रहा है।

इस दौरान जितने भी लोगों ने औरंगजेब के शासन का सम्यक, संतुलित और ऐतिहासिक आंकलन पेश किया है, संघी गिरोह ने उन पर राष्ट्रद्रोह का ठप्पा लगाने और मुस्लिमों का पक्ष लेने का आरोप लगाया है और उनके खिलाफ झूठे मामले बनाने की कोशिश कर रही है। इतिहास के सच को नकारने के लिए वह अपनी ताकत इस्तेमाल आम जनता को उत्पीड़ित करने के लिए कर रही है। लेकिन इस खतरे को उठाते हुए भी हम कहना चाहेंगे : कहेंगे, हां कहेंगे हम, औरंगजेब का शासन धर्मनिरपेक्ष था, जिस पर हिंदुस्तान को गर्व है! शिवाजी महाराज धर्मनिरपेक्ष थे, जिस पर हिंदुस्तान को गर्व है। न औरंगजेब सांप्रदायिक था, न शिवाजी कट्टर। इस देश में विकसित हिंदुस्तानी तहजीब के ये दोनों अंग थे। औरंगजेब और शिवाजी के बिना इसकी व्याख्या नहीं की जा सकती।

(संजय पराते, अखिल भारतीय किसान सभा से संबद्ध छत्तीसगढ़ किसान सभा के उपाध्यक्ष।)

प्रधानमंत्री का भाषण, वक्तव्य और इंटरव्यू

रविभूषण

प्रधानमंत्री के भाषण और वक्तव्य के साथ उनके इंटरव्यू को अधिसंख्य भारतीय नागरिक सुनते रहते हैं। नागरिकों की चिन्ता में उनका अपना जीवन है। प्रधानमंत्री से उनकी यह अपेक्षा स्वाभाविक है कि वे अपने नागरिकों को लेकर कितने चिंतित हैं। बिना पेट भरे भजन नहीं होता। धर्म की अपनी एक मुख्य भूमिका रही है, पर राजनीति से उसके जुड़ने के बाद केवल धर्म ही मैला नहीं हुआ, राजनीति भी मैली हो गयी। भारत अभी घोषित रूप से हिन्दू राष्ट्र नहीं है, पर वह अघोषित रूप में हिन्दू राष्ट्र बना दिया गया है। महाकुंभ का निरन्तर जयगान और क्या सूचित करता है! तीन दिन पहले 18 मार्च को प्रधानमंत्री ने लोकसभा में 15 मिनट का महाकुंभ पर वक्तव्य दिया। उन्होंने जिन 'कोटि-कोटि देशवासियों को नमन' किया, क्या सचमुच उनकी 'वजह से महाकुंभ का सफल आयोजन' संभव हुआ है? उन्होंने देशभर के श्रद्धालुओं को, यूपी की जनता को, विशेष कर प्रयाग राज की जनता को धन्यवाद' दिया है। हिन्दुओं में भी सभी हिन्दू धार्मिक नहीं हैं। जो हैं, उनमें भी अनेक कर्मकाण्ड, तीर्थाटन, मंदिर-भ्रमण, गंगा-स्नान आदि में विश्वास नहीं करते। उनके समक्ष 'धर्म' का वह अर्थ नहीं है, जो अर्थ आज धमार्चार्य और धर्मान्ध व्यक्तियों के यहां है। वासुदेव शरण अग्रवाल ने 'धर्म का वस्तविक अर्थ' बताया है, जिसे आज धर्म-धर्म की रट लगाने वालों को अवश्य पढ़ना चाहिए। ''भारत दृष्टि से धर्म का सच्चा प्रयोजन पारस्परिक मेल-जोल या समवाय है। आपस के मतभेद धर्म को इष्ट नहीं है।'' जो सही अर्थों में धार्मिक होगा, वह हिन्दू-मुसलमान की बात शायद ही करेगा। ''क्षुद्र हृदय के लोग सब जगह रस में विष घोल सकते हैं।''

क्या सचमुच हमने, 'पूरे विश्व ने महाकुंभ के रूप में भारत के विराट स्वरूप के दर्शन किये' हैं? क्या धार्मिक आयोजनों-उत्सवों से 'देश अगले हजार वर्ष के लिए तैयार' हो गया है? क्या महाकुंभ में सबने 'राष्ट्रीय चेतना का विराट दर्शन किये? क्या राष्ट्रीय चेतना धार्मिक-आध्यात्मिक चेतना है? क्या सचमुच ''देश के कोने-कोने में आध्यात्मिक चेतना उभरी''? संसद में दिये अपने वक्तव्य में महाकुंभ की 'सार्थकता' पर बोलते हुए प्रधानमंत्री ने 1857 के संग्राम, भगत सिंह और गांधी के दांडी-मार्च का भी स्मरण किया। इन सबको महत्वपूर्ण 'पड़ाव' के रूप में रेखांकित करते हुए उन्होंने महाकुंभ को भी 'ऐसा ही एक पड़ाव' के रूप में देखा है। वे मारीशस-यात्रा में प्रयाग राज का पावन जल लेकर गये थे। उन्होंने महाकुंभ में भारतीय परम्परा, संस्कृति एवं संस्कारों को आत्मसात किये जाने की भी बात कही। आधुनिक युवा पीढ़ी का श्रद्धा भाव से महाकुंभ से जुड़ना चिंताजनक है। क्या सचमुच महाकुंभ से 'आपसी भाईचारा' बढ़ा है? क्या महाकुंभ-स्नान से सचमुच 'एक देश के रूप में हमें बड़े लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते' हैं? क्या है देश का वह बड़ा लक्ष्य? क्या वह भारत को एक धार्मिक राष्ट्र, हिन्दू राष्ट्र बनाना है? क्या सचमुच 'महाकुंभ से एकता का अमृत निकला है?' क्या सचमुच हमने 'अहं' से 'वयं' तक की यात्रा की है? भारतीय संविधान में 'हम' ('वी') ही सर्वोपरि है। देश की एकता हिन्दुओं की एकता नहीं है। चुनाव में वोट के कारण इसका महत्व समझा जा सकता है, इसका एक अर्थ भारतीय जन-मानस को धार्मिक मानस बनाना भी है, जिससे वह अपनी तर्क-शक्ति, विवेक-शक्ति का त्याग कर दे। राष्ट्रीयता के भाव को कुंभ-स्नान से मजबूती नहीं मिलती है। प्रधानमंत्री बार-बार जिस 'एकता' की बात करते हैं, वह मात्र एक शब्दिक कथन है। सब जानते हैं कि 2014 के बाद इस देश की एकता को आपसी सद्भाव और भाईचारे को किस प्रकार समाप्त किया गया है। अब 'नदी-उत्सव' की बात की जा रही है। पारम्परिक उत्सवों, पर्व-त्योहारों को उसकी अर्थ-गरिमा एवं संदेश से च्युत कर उसे विकृत किया जा रहा है और दूसरी ओर 'नदी उत्सव' की बात भी हो रही है। नदियाँ सूख रही हैं, प्रदूषित हो रही हैं। पानी का महत्व बताने और जल को शुद्ध रखने में अंतर है।

शब्द और भाषा की गरिमा कर्म में है। बोलने में कुछ नहीं जाता और करने में? हमारी पहचान हमारी भाषा से नहीं, हमारे कर्म से होती है। प्रधानमंत्री ने पिछले ग्यारह वर्ष में जो कुछ कहा है, उसकी व्यापक सूची (विषयवार और कर्मवार) किसी भी पत्रकार के पास नहीं है। इससे जुड़ी कोई पुस्तक भी प्रकाशित नहीं हुई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का रेकर्ड है कि उन्होंने आज तक कोई प्रेस-कांफ्रेंस नहीं की है, पर उनके इंटरव्यू की एक बड़ी सूची है जिसमें कायदे की बातें बहुत कम हैं। 18 मार्च को प्रधानमंत्री ने संसद में महाकुंभ की 'सफलता' पर अपना वक्तव्य दिया, जिसमें वहाँ मृत व्यक्तियों के प्रति कहीं कोई शोक-संवेदना नहीं थी और उसके दो दिन पहले 16 मार्च को प्रसिद्ध अमेरिकी पॉडकास्टर लेक्स फ्रिडमैन से हुई 3 घंटे 17 मिनट की बातचीत रिलीज हुई। इसके पहले लेक्स फ्रिडमैन को ही नहीं, पॉडकास्ट को भी जानने-समझने वाले कम थे, जबकि बीस वर्ष पहले ही यह अस्तित्व में आ चुका था। 'पॉडकास्ट' शब्द 'आई पॉड' और 'ब्रॉडकास्ट' शब्दों से मिलकर एक नया निर्मित शब्द है, जिसका सर्वप्रथम प्रयोग बीबीसी पत्रकार बेन हैमरस्ले ने फरवरी 2004 में किया था। 'द गार्जियन' समाचार-पत्र के लिए एक लेख लिखते समय उन्होंने इस शब्द का प्रयोग किया। 2001 के अगस्त में बीबीसी ने ऑन डिमांड ऑडियो का एक शो 'बीबीसी वर्ल्ड सर्विस शो' और 'गो डिजिटल' जारी किया था। बीबीसी का पहला घरेलू शो 'इन आवर टाइम' को नवम्बर 2004 में पॉडकास्ट के रूप में उपलब्ध कराया गया। 'पॉडकास्ट' एक नवजात तकनीक है - एक लम्बा वातार्लाप, जो पहले 'ऑडियो ब्लॉग' के नाम से जाना जाता था। इसकी जड़ें 1980 में देखी गयी हैं, पर यह नव्य तकनीक 2004 से अधिक प्रमुख हुआ है। 2005 में 'पॉडकास्ट' शब्द न्यू ऑक्सफोर्ड अमेरिकन डिक्शनरी में नामित हुआ और यह शब्द 2006 में शब्दकोश में शामिल किया गया। डॉग केयु का 'आई टी कन्वर्सेशन' पहला पॉडकास्ट था, जो 2003 से 2012 तक चला। अब पॉडकास्ट सुनने वालों की संख्या बढ़ रही है। पॉडकास्ट रेडियो टॉक शो की तरह है, जो ऑन लाइन होता है और पहले से रिकार्ड किया हुआ होता है। यह मनोरंजन का एक नया लोकप्रिय रूप है, जो धन कमाने या 'पूर्णकालिक आय का एक विश्वनीय तरीका' बन रहा है। इस मीडिया संचिका को कम्प्यूटर, आईपॉड, स्मार्ट फोन आदि के द्वारा चलाया जा सकता है। अमेरिका में इसके सक्रिय श्रोताओं की संख्या बढ़ती जा रही है। 2022 में इसका वहां 10 करोड़ श्रोता थे, जो 2023 में बढ़कर 15 करोड़ हो गये। अब यह एक विश्वव्यापी, अन्तरराष्ट्रीय माध्यम है। पॉडकास्ट पर कई किताबें लिखी गयी हैं, कई लेख प्रकाशित होते रहे हैं। इसके लाभ बताये जा रहे हैं, जो केवल व्यवसायियों के लिए ही नहीं, व्यक्तिगत रचनाकारों के लिए भी है। अलेक्जेंडर लॉरिन की किताब है - 'द बुक ऑन पॉडकास्टिंग : पॉडकास्ट फॉर पर्सनल एण्ड प्रोफेशनल डेवलपमेंट'। पॉडकास्ट के रहते हुए किताबों की आवश्यकता विचारणीय है। जोए कैसबोना की पुस्तक इसी पर है - 'व्हाई यू शुड राइट ए बुक इफ यू हैव ए पॉड कास्ट'। इसे 'आधुनिक पत्रकारिता' के रूप में भी देखा-सराहा जा रहा है। वाव्वे का लेख है 'द रोल ऑफ पॉडकास्ट इन मॉडर्न जर्नलिज्म'।

भारत में पत्रकारिता का हाल बुरा है। अब 'गोदी मीडिया' पद से सब अवगत हैं। 5 दिन पहले 16 मार्च को लेक्स फ्रिडमैन के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 3 घंटे से अधिक की बातचीत का पॉड कास्ट रिलीज किया गया। इसके बाद ही 'पॉड कास्ट' और 'पॉडकास्टर लेक्स फ्रिडमैन' के नाम और काम से हम सब अधिक परिचित हुए। यह इंटरव्यू लेक्स ने यूट्यूब चैनल पर जारी किया। उसने एलन मस्क, डोनाल्ड ट्रम्प, नेतन्याहू, जेलिंसकी सबके इंटरव्यू लिये हैं। 41 वर्षीय यह अमेरिकी पॉडकास्टर इस समय पूरी दुनिया में बातचीत का विषय बना हुआ है। उनके पॉड कास्ट का नाम लेक्स फ्रिडमैन पॉड कास्ट है। सात वर्ष पहले 2018 में उसने अपना पॉड कास्ट चैनल आरंभ किया। 15 अगस्त 1983 को जन्मे लेक्स फ्रिडमैन संगणक वैज्ञानिक भी हैं। डेक्सेल विश्वविद्यालय से इसने कम्प्यूटर विज्ञान में बीएस और एमएस की डिग्री प्राप्त की। 2014 में पी-एच.डी. की। आरंभ में कुछ समय तक इन्होंने गूगल में काम किया और अब इनकी प्रसिद्धि पॉडकास्टर के रूप में है। मस्क से इंटरव्यू लेने के बाद दर्शकों की संख्या में कहीं अधिक वृद्धि हुई। पहले इनके पॉड कास्ट का नाम 'द आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पॉड कास्ट' था, जिसे 2020 में बदल कर 'द लेक्स फ्रिडमैन पॉडकास्ट' किया गया। इनकी मानें तो वे ''दुनिया में प्यार की मात्रा बढ़ाने के लिए सख्त, ईमानदार और सहानुभूतिपूर्ण बातचीत की शक्ति में विश्वास' रखते हैं। उन्होंने विविध क्षेत्रों से जुड़े लोगों के इंटरव्यू लिये हैं, जिनमें मार्क्सवादी सिद्धांतकार और अर्थशास्त्र के प्रोफेसर रिचर्ड वोल्फ, ऑस्ट्रेलियाई अर्थशास्त्री स्टीव कीन और विश्व विख्यात सार्वजनिक बुद्धिजीवी नोम चोम्स्की भी हैं। निखिल कामथ ने प्रधानमंत्री का पहला पॉड कास्ट किया था। वे इसके पहले 25 पॉडकास्ट कर चुके थे। नरेन्द्र मोदी ने उस समय निखिल कामथ से यह कहा था 'मेरे लिए पॉडकास्ट पहली बार हो रहा है। मेरे लिए यह दुनिया नयी है।' अब लेक्स के पॉडकास्ट के बाद उनके लिए यह दुनिया नई नहीं रही। हम यह अनुमान कर सकते हैं कि अब और पॉडकास्टर उनसे बातचीत करेंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने लेक्स फ्रिडमैन के साथ मोदी के पॉड कास्ट को अपने सोशल मीडिया हैंडल पर साझा किया है। अब मोदी 'ट्रम्प मीडिया एंड टेक्नोलॉजी ग्रुप' के स्वामित्व वाले मंच ' ट्रुथ सोशल' से जुड़ गये हैं और 'ट्रुथ सोशल' पर आकर उन्होंने प्रसन्नता प्रकट की है। यह पॉडकास्ट भारत में ही नहीं, अन्य देशों में भी फैल चुका है और इसे सुना जा रहा है। चीन ने भारत-चीन संबंध पर व्यक्त मोदी के विचार की सरहाना की है। मोदी ने मतभेद के स्थान पर संवाद को महत्व दिया है। यहाँ यह उल्लेखनीय है कि उनके प्रधानमंत्री बनने के बाद ही भारतीय लोकतंत्र पहले की तरह संवादोन्मुख नहीं रहा। उन्होंने 'ट्रूथ सोशल' की अपनी पहली पोस्ट में 'हाउडी मोदी' कार्यक्रम की तस्वीर साझा की है।

प्रचार और विज्ञापन के दौर में गंभीर और सार्थक बातों पर कम ध्यान दिया जा रहा है। लेक्स फ्रिडमैन ने नरेन्द्र मोदी से बात करने के पहले 45 दिनों का उपवास क्यों रखा, क्यों केवल जल ही ग्रहण किया? नरेन्द्र मोदी से वे आध्यात्मिक तरीके से बात क्यों करना चाहते थे? 'आध्यात्मिक ढंग' से बात करने के लिए ही उन्होंने उपवास रखा। उनकी इस बातचीत को क्या पत्रकारिता के अंतर्गत रखना चाहिए? लैक्स द्वारा पूछे गये सवालों की लिस्ट से उनका प्रयोजन स्पष्ट है। ज्वलंत मुद्दों पर उन्होंने कोई सवाल नहीं पूछा। मणिपुर, रुपये की गिरती साख, अडानी-प्रकरण से जुड़े सवाल लगभग नदारद थे। मोदी प्रधानमंत्री हैं, न कि साधु-संन्यासी। उन्होंने उपवास को केवल खाना छोड़ने से ही नहीं जोड़ा क्योंकि वह एक 'फिजिकल एक्टिविटी' है। प्रधानमंत्री को आध्यात्मिक रूप से समझना जरूरी है या राजनीतिक रूप से? फ्रीडमैन ने गायत्री मंत्र का भी उच्चारण किया। उन्होंने गांधी और मोदी को लगभग एक समान माना। 'आधुनिक भारत की नींव पर गांधी और आप दोनों एक हैं।' मोदी ने भारत की धार्मिक परम्पराओं के बारे में बताया कि वे हमारी जीवन-शैली हैं। शास्त्रों की बात कही, जहाँ मन, बुद्धि, आत्मा सब पर विचार है। उनमें एक उपवास भी है। उनके अनुसार उपवास के समय सारी इन्द्रियाँ सक्रिय हो जाती हैं। अपने अनुभवों और विचार-प्रवाहों की उन्होंने जानकारी भी दी। छात्र-जीवन में एक दिन के उपवास की बात कही, जो उनके लिए एक नया अनुभव था, नयी चेतना थी और थी नयी एनर्जी। इस इंटरव्यू से कुछ नयी जानकारियाँ भी देशवासियों को मिली है कि बचपन में स्कूल जाते हुए उनके पाँवों में जूते नहीं होते थे।

41 वर्षीय लेक्स के अनुसार यह इंटरव्यू उनकी जिन्दगी का सबसे बड़ा इंटरव्यू है। कुछ पत्रकारों ने इस इंटरव्यू को मोदी के 'फेयरवेल की शुरूआत' की रूप में भी देखा है, जो सही नहीं है। मोदी को अपनी छवि प्रिय है, इसे दुनिया जानती है और यह इंटरव्यू उनकी छवि-निर्मिति से जुड़ा है। अब इस इंटरव्यू को दुनिया की सभी भाषाओं में सुना जाएगा और प्रधानमंत्री की एक अलग वैश्विक छवि भी निर्मित होगी। पहले से जो है, उसमें और वृद्धि होगी। इस बातचीत में पाकिस्तान, चीन, रूस, वैश्विक राजनीति, आरएसएस और उसका प्रभाव आदि से जुड़े अनेक प्रश्न पूछे गये हैं, जिनका उत्तर अपनी शैली में प्रधानमंत्री ने दिये हैं। बातचीत के आरंभ में ही उन्होंने अपनी ताकत को देशवासियों की ताकत माना। ''मेरी ताकत मोदी नहीं, 140 करोड़ देशवासी हैं। हजारों साल की महान संस्कृति मेरा सामर्थ्य है। में जहाँ भी जाता हूँ, मोदी नहीं जाता है। हजारों साल की, वेद से विवेकानंद की महान परम्परा को 140 करोड़ लोगों, उनके सपनों को लेकर, उनकी आकांक्षाओं को लेकर निकलता हूँ... मोदी हाथ नहीं मिलाता बल्कि 140 करोड़ लोगों का हाथ होता है तो सामर्थ्य मोदी का नहीं, भारत का है।'' मोदी ने आरएसएस और उसके अनेक आनुषंगिक संगठनों-सेवा भारती, विद्या भारती, वनवासी कल्याण आश्रम, भारतीय मजदूर संघ सबकी प्रशंसा की। ''संघ को समझना सरल नहीं है।

प्रधानमंत्री ने आरएसएस को 'पवित्र संगठन' कहा है, इससे स्वयं संस्कारित होने की बात कही है। अब वे अपनी एक 'आध्यात्मिक' छवि बना रहे हैं। भारतीय संस्कृति पर पहले की तरह ही अपना मत प्रकट कर रहे हैं। उनके लिए बुद्ध, रामकृष्ण परम हंस, विवेकानन्द और गांधी का नामोल्लेख जरूरी है। फ्रिडमैन का प्रयोजन स्पष्ट है। गांधी 20वीं सदी के महान नेताओं में थे, आप इक्कीसवीं सदी के महान नेताओं में हैं।

कन्हैया कुमार अब नई चुनौती बनेंगे तेजस्वी के लिए

शशि शेखर

बिहार की अधिसंख्य आबादी युवा है। लालू-नीतीश का दौर थम चुका है। इस चुनाव के बाद सत्ता की बागडोर युवाओं के हाथ में आने की पूरी संभावना है। लेकिन, किसके हाथ? पहली नजर में, नेता विपक्ष के तौर पर तेजस्वी यादव का नाम युवा नेता के तौर पर उभर कर सामने आता है। लेकिन, क्या यह इतना आसान होगा? नहीं। क्योंकि अब बिहार में युवा नेताओं की बहार है। और सिर्फ पारिवारिक विरासत और 40 साल पुराने राजनीतिक समीकरण (माय) के साथ अकेले दम पर सत्ता में आने का ख्वाब, ख्वाब ही न बना रहा जाए। फिर, उपाय क्या है?

बिहार में यह पीढ़ियों को सत्ता हस्तांतरण का वक्त है। सत्ता चाहे जिसे मिले, वह नई पीढी को मिलेगी। नई पीढी से बनेगी। नई पीढी से चलेगी। तेजस्वी यादव अकेले युवा दावेदार नहीं है। चिराग है, कन्हैया की पदयात्रा भितिहरवा आश्रम से शुरू हो चुकी है। अखिलेश प्रसाद सिंह को बैकग्राउंड में जाना ही होगा। यह कांग्रेस के हित में भी होगा। पीके की तैयारी मुकम्मल है। पीके के साथ बिहार का बुद्धिजीवी-पढ़ा-लिखा वर्ग आता दिख रहा है। प्रशांत किशोर ने बिहार उपचुनाव के जरिये अपनी ताकत (10 फीसदी वोट) दिखा दी है। उन्हें हलके में लेने वालों को यह समझना होगा कि चिराग पासवान 4-5 फीसदी वोट की राजनीति कर के मोदी के हनुमान बन जाते है। तो जो शख्स अपने पहले ही चुनाव (उपचुनाव) में 10 फीसदी वोट ले आए, क्या उसे राजनैतिक रूप से हाशिये पर देखने की गलती की जा सकती है? अब यह कहना कि कोई फलां की बी टीम है, सी टीम है, इसका राजनीति में कोई अर्थ नहीं है, सिवाए जीत और हार के याकि किसी को जिता देने या हरा देने की क्षमता के। इस लिहाज से प्रशांत किशोर भी तेजस्वी यादव के लिए एक मजबूत चुनौती पेश कर रहे हैं।

फिर मुकेश सहनी है। वे बस थोड़ा कन्फ्यूज्ड है, लेकिन युवा वर्ग के प्रतिनिधि हैं। एक खास वोट बैंक है उनके पास। हालांकि, वे गठबंधन और उम्मीदवार का चयन करने में तकरीबन हर बार गलती करते है और उसका नुकसान उन्हें उठाना पड़ता है। फिर भी, जीतने से अधिक उनके पास हराने की ताकत हर चुनाव में रही है। बोचहा, कुढनी उपचुनाव में मुकेश सहनी अपनी इस ताकत को दिखा चुके है। इधर, भाजपा के पास सम्राट चौधरी है। सम्राट युवा है और वे कोइरी-कुशवाहा बिरादरी से आते हैं। एक ही दिक्कत है कि उपमुख्यमंत्री होने के बाद भी वे अपनी एक अलग मुकम्मल पहचान/छवि नहीं बना पा रहे हैं। आगे बढ़ने के लिए उन्हें दल की सीमा से बाहर जा कर कुछ ऐसा करना होगा, जिससे उनकी एक स्वतंत्र छवि बन सके। उपमुख्यमंत्री रहते हुए भी अगर वे इस मौके का फायदा न उठा पाए, तो यह उनकी अपनी गलती होगी। हालांकि, युवा और ओबीसी चेहरा होने के कारण भाजपा ने अभी तक उन्हें फ्रंटफुट पर खेलने का मौका दिया है। फिर भी, व्यक्तिगत तौर पर मैं मानता हूँ कि शाहनवाज हुसैन अगर बिहार में एक्टिव होते तो भाजपा के लिए कुछ बेहतर कर पाते। उनके साथ? सबसे बड़ी खासियत है कि वे मुसलमान है, फिर भी अपनी एक उदार छवि के कारण खुद को सबके बीच स्वीकार्य बना पाते हैं। मसलन, अपने चंद महीनों के मंत्री वाले कार्यकाल में उन्होंने बिहार के औद्योगिक विकास के लिए काफी उम्मीदें जगाई थी। बाकी बिहार भाजपा में अब भी 'बूढों' का कब्जा है। भाजपा को इससे निकलना होगा। तो, इतने युवाओं के बाद भी युवा बिहार अपने लिए युवा राजनीति नहीं चुन पाएगा तो यह दुर्भाग्य ही होगा।

यह वक्त तेजस्वी यादव के लिए सचेत हो जाने का है। कन्हैया कुमार एक्टिव हुए हैं। प्रशांत किशोर पहले से एक्टिव है। निशांत कुमार की एंट्री तकरीबन तय है। ऐसे में तेजस्वी इनमें से किसी को हलके में लेने की गलती करंगे तो शायद वे भी बहुत लंबे समय तक आडवानी जी (पीएम इनवेटिंग) की तरह कहीं सीएम इन वेटिंग ही न बने रह जाए। माई और दाई जैसे पुराने पड़ चुके समीकरण के सहारे अब कोई बिहार का सर्वमान्य नेता बन पाएगा, मुझे शंका है। तेजस्वी यादव अभी भी ३० फीसदी वोट बैंक, जो उन्हें अपने पिता की विरासत से मिला है, से आगे नहीं बढ़ पाए हैं। वे ए टू जेड की बात करते जरूर है, लेकिन बिहार की हाल की घटनाओं पर नजर दौड़ाएंगे, तो साफ दिखेगा कि वे 'माय' समीकरण से बाहर निकल पाने की हिम्मत नहीं दिखा पा रहे हैं। कन्हैया कुमार के साथ एक पॉजिटिव बात यह है कि वह जाति से भूमिहार है, लेकिन कम्युनिस्ट पृष्ठभूमि से आने के कारण तकरीबन सभी जातियों और धर्मों में स्वीकार्य है।

कांग्रेस ने उन्हें ऐसे ही आगे नहीं किया है। एक बार मैंने लिखा था कि कांग्रेस का बिहार प्लान 'एपीडी' जल्द ही दिख सकता है। यानी, अगड़ा-पिछड़ा-दलित का फॉमूर्ला। पप्पू यादव हो, कन्हैया कुमार हो या कुछ दलित बुद्धिजीवी, इन सबको आगे कर के कांग्रेस इस चुनाव में अपना दमखम दिखाना चाहेगी। कांग्रेस लालू प्रसाद यादव और तेजस्वी यादव की छाया से बाहर निकालने की कोशिश करेगी। और उसी कोशिश का नतीजा है कन्हैया कुमार का 'पलायन रोको नौकरी दो' पदयात्रा। तेजस्वी यादव को इन युवा नेताओं की फौज का सामना करने के लिए सर्वजन का सर्वमान्य नेता होना होगा। उन्हें एंटी-थीसिस गढ़नी होगी। पुराने प्रतिमानों को खंडित करना होगा। इन युवा नेताओं की भीड़ में तेजस्वी अकेले ऐसे युवा नहीं, जिनमें सुरखाब के पर लगे हो। कन्हैया कुमार से प्रशांत किशोर तक और चिराग पासवान से निशांत कुमार तक, बिहार अब अनेक युवाओं का रणक्षेत्र बनेगा।

बिहार: कौन करेगा उद्धार

योगेश मोहन

माँ सरस्वती एवं माँ लक्ष्मी के आशीर्वाद से युक्त बिहार, अखंड भारत का सर्वाधिक संपन्न प्रदेश हुआ करता था। यह प्रदेश संपूर्ण विश्व की ज्ञानस्थली एवं कर्मस्थली था। आज भी बिहारीजन पर माँ सरस्वती का आशीर्वाद पूर्व की भांति यथावत है। भारत सरकार के किसी भी उच्च पद पर, यथा - चुनाव आयोग अधिकारी, प्रशासनिक अधिकारी, देश और विदेश में वैज्ञानिक, डॉक्टर, इंजीनियर आदि के पद पर शोभायमान बिहारियों की कार्यकुशलता सर्वोपरी है।

सभी भारतीयों के हृदय में एक टीस व्याप्त है कि जहाँ बिहारियों ने देश के उत्थान के लिए इतना कुछ किया, वहीं वे स्वयं के प्रदेश हेतु, क्यों कुछ भी करने में असमर्थ रहे, यह एक यक्ष प्रश्न है, जिसके लिए सभी निरूत्तर है। परन्तु यह अत्यन्त दुख का विषय भी है। विगत 20 वर्षों से नीतीश कुमार, बिहार में मुख्यमंत्री के पद पर कार्यरत रहे हैं। उन्हें, जनता ने, पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव के कुशासन से मुक्ति दिलाने हेतु गद्दी पर बैठाया था। लालू यादव का कुशासन स्मरण करने योग्य नहीं है, परन्तु वर्तमान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी बिहार की जनता को निराशा के अतिरिक्त कुछ नहीं दे पाए है। वर्ष 2005 में जब वे प्रथम बार मुख्यमंत्री बने थे, तो बिहार में गरीबी का अनुपात 1:3 था अर्थात उस समय 33 प्रतिशत जनता निर्धन थी, परंतु वर्तमान समय में यह अनुपात बढ़कर 1:2 हो गया है अर्थात वर्तमान में वहाँ की लगभग आधी जनता निर्धन है और बिहार, भारत का सर्वाधिक गरीब प्रदेश बन गया है।

आज बिहार की स्थिति यह है कि वहाँ पर कोई भी उद्योगपति अपना उद्योग प्रारम्भ नहीं करना चाहता, शिक्षाविद् वहाँ पर उच्च शिक्षण संस्थान खोलना नहीं चाहते। इसके अतिरिक्त वहाँ की यातायात व्यवस्था, चिकित्सा की स्थिति बदतर है तथा भ्रष्टाचार सर्वव्याप्त है। नीतीश कुमार की स्थिति यह है कि वे अपनी राजगद्दी की रक्षा, किसी भी सीमा तक करने हेतु तत्पर रहते हैं, फिर उसके लिए चाहें उन्हें किसी भी सिद्धांत अथवा सम्मान की बलि देनी पड़ जाए। इन्हीं कारणों से आज देश में उनकी छवि पलटूराम के रूप में स्थापित हो चुकी है। बिहार प्रदेश के आगामी विधानसभा चुनाव सितंबर या अक्टूबर, 2025 में होंगे। अब भाजपा का पूर्ण प्रयास यह होना चाहिए कि यदि बिहार को एक प्रगतिशील प्रदेश बनाना है तो सर्वप्रथम पलटूराम की राजनीति को समाप्त करना होगा। अब बिहार की जनता के हितार्थ भाजपा नेतृत्व के द्वारा कुछ कठोर कदम उठाने होंगे।

भाजपा को अपनी रणनीति पूर्ण विवेक के साथ बनानी होगी, क्योंकि दो दलों की साझा सरकार कभी भी बिहार के उत्थान हेतु कार्य नहीं कर पायेगी। दूसरी ओर, लालू यादव और उनके सुपुत्र तेजस्वी यादय के शासन की कुनीतियों को अभी तक जनता विस्मृत नहीं कर पाई है। उनके शासन में जनता के हृदय में इतना अधिक भय व्याप्त था कि उद्योगपति अथवा निवेशक अपने किसी भी कार्य को स्थायी रूप से स्थापित करने से बचते थे। इतना ही नहीं अपने पूर्व स्थापित उद्योगों को भी छोड़कर अपनी जीवन रक्षा हेतु पलायन करते थे। बिहार की संपूर्ण राजनीति में भ्रष्टाचार व्याप्त था। पुलिस का उत्पीड़न चरमसीमा पर था, प्रशासनिक अधिकारी एक दास की भांति कार्यरत थे। बिहार में सर्वत्र एकतंत्र शासन था।

जब-जब बिहार की जनता जाग्रत हुई है तब-तब परिवर्तन आया। जनता की चेतना का ही परिणाम था कि लालू यादव का शासन समाप्त हो गया। बिहार की जनता अब पुनः अवश्य ही जाग्रत होगी और नीतीश का शासन भी समाप्त होगा।

ऐसा होने के पश्चात बिहार में एक ईमानदार, लोकतंत्र व संविधान में विश्वास करने वाली सरकार की स्थापना अवश्य ही होगी, जोकि बिहार प्रदेश की प्रगति में जी-जान से कार्य करगी। सम्पूर्ण भारत की जनता को ऐसी आशा ही नहीं अपितु पूर्ण विश्वास है। बस प्रतीक्षा है कि कोई भ्रष्टाचार मुक्त सरकार, बिहार की राजगद्दी पर विराजित हो।

(वरिष्ठ पत्रकार और आईआईएमटी यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति)

आईपीएल का आगाज : पहले मैच में आमने-सामने होंगे केकेआर-आसीबी

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 18 सत्र का पहला मुकाबला गत विजेता कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) और उपविजेता रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के बीच शनिवार को कोलकाता के ईडन गार्डन में खेला जाएगा। इस बार दोनो ही टीमें नये कप्तानों के साथ उतरेंगी। केकेआर की कप्तानी जहां आजिंक्य रहाणे करेंगे, वहीं आरसीबी की कमान रजत पाटीदार संभालेंगे। पिछले साल केकेआर ने जबरदस्त प्रदर्शन कर ट्रॉफी जीती थी। जिसे अब वह बरकरार रखना चाहेगी।

दोनों ही टीमों के रिकॉर्ड को देखें तो केकेआर इस मैच में आरसीबी पर भारी पड़ती दिख रही है। इसका कारण है कि केकेआर अपने घरेलू मैदान पर ये मुकाबला खेल रही है जिसका लाभ उसे मिलेगा। रहाणे की कप्तानी वाली केकेआर काफी संतुलित है पर इसके बाद भी उसके लिए जीतना इतना भी आसान नहीं होगा क्योंकि आरसीबी काफी मजबूत टीम है। उसके पास विराट कोहली जैसा अनुभवी बल्लेबाजी है। पिछले साल केकेआर के लिए खेलने वाले फिल सॉल्ट भी इस बार आरसीसी से खेल रहे हैं और वह केकेआर की रणनीति अच्छी तरह से जानते हैं।

इसके अलावा आज तक एक बार भी खिताब नहीं जीत पायी आरसीबी इस बार कोई कसर नहीं छोड़ना चाहेगी। आरसीबी को इस बार अपना सपना पूरा करने के लिए पहले ही मैच से अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। वहीं अंतिम ग्यारह की बात करें तो विराट के साथ साल्ट पारी शुरू कर सकते हैं। वहीं देवदत्त पडिक्कल नंबर तीन पर जबकि पाटीदार नंबर चार पर बल्लेबाजी कर सकते हैं। टीम जितेश शर्मा, क्रुणाल पांड्या और भुवनेश्वर कुमार को भी अंतिम ग्याहर में शामिल कर सकती है। टीम को हालांकि अनुभवी बल्लेबाज फॉफ डूप्लेसी और ग्लेन मैक्सवेल की कमी खलेगी। रहाणे के लिए इसलिए भी परेशानी है क्योंकि इस बार कोच के तौर पर टीम के पास गौतम गंभीर नहीं हैं। साल्ट के नहीं होने से टीम पारी की शुरूआत सुनील नरेन और क्विंटन डी कॉक से करा सकती है। रहाणे नंबर तीन

पर बैटिंग के लिए आ सकते हैं। वेंकटेश अय्यर और रिंकू सिंह की के अलावा टीम को आंद्रे रसेल और रमनदीप सिंह से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। टीम के लिए मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती अंतर पैदा कर सकते हैं। उनके अलावा टीम के पास नरेन जैस स्पिनर भी है जो विरोधी पारी को ध्वस्त करने में सक्षम है। वहीं दूसरी ओर आरसीबी के पास विराट , रजत और देवतत्त जैसे बल्लेबाज हैं। पारी की शुरूआत के लिए उसके पास साल्ट जैसा आक्राम बल्लेबाज हैं। गेंदबाजी की बात करें तो उसके पास जोश हेजलवुड, भुवनेश्वर कुमार जैसे गेंदबाज हैं। आंकड़ों पर नजर डालें तो केकेआर और आसीबी के बीच अभी तक कुल 34 मैच खेले गए हैं। इसमें से 20 मैचों में केकेआर जीती है जबकि 14 में आरसीबी को जीत मिली है।

दोनों की संभावित अंतिम ग्यारह : कोलकाता नाइट राइडर्स : अजिंक्य रहाणे (कप्तान), सुनील नरेन, क्विंटन डी कॉक (विकेटकीपर), वेंकटेश अय्यर, अंगकृष रघुवंशी, रिंकू सिंह, आंद्रे रसेल, रमनदीप सिंह, स्पेंसर जॉनसन, वैभव अरोड़ा, हर्षित राणा/वरुण चक्रवर्ती

रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर : रजत पाटीदार (कप्तान),फिलिप साल्ट, विराट कोहली , देवदत्त पडिक्कल, लियाम लिविंगस्टन, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), टिम डेविड, क्रुणाल पांड्या, भुवनेश्वर कुमार, जोश हेजलवुड, यश दयाल, सुयश शर्मा/रसिक डार सलाम

गेंद पर लार लगाने की अनुमति मिलने से खुश हैं सिराज सहित सभी तेज गेंदबाज : मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के गेंद पर लार लगाने पर लगे प्रतिबंध को हटाये जाने से तेज गेंदबाज काफी खुश हैं। बीसीसीआई ने शनिवार से शुरू होने वाले आईपीएल से ठीक पहले सभी कप्तानों से बात करने के बाद ये प्रतिबंध हटाया है। मालूम हो कि कोविड-19 महामारी के दौरान आईसीसी ने गेंद पर लार लगाने पर रोक लगा दी गयी थी। इसके बाद इस नीयम को आईपीएल में भी लागू कर दिया गया था अब जबकि कोविड का खतरा समाप्त हो गया है। ये प्रतिबंध हटाया गया है। बीसीसीआई के इस फैसले पर तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने खुशी जतायी है। सिराज सहित सभी तेज गेंदबाज इसलिए भी खुश हैं क्योंकि गेंद पर लार लगाने से रिवर्स स्विंग में सहायता मिलती है।

शुभमन गिल बोले, कप्तानी को बल्लेबाजी से मिलाना ठीक नहीं : नई दिल्ली। गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने कहा है कि कप्तानी में सफलता के लिए इसके साथ बल्लेबाजी को कभी भी मिलाना नहीं चाहिये। इन्हें अलग रखना ही टीम के लिए फायदेमंद रहता है। शुभमन के अनुसार अगर आप कप्तानी और बल्लेबाजी को मिला देते हैं तो वह नुकसानदेह साबित होता है। शुभमन पिछले सत्र में ही हार्दिक पांड्या की जगह गुजरात टाइटंस के कप्तान बने। इस युवा कप्तान ने अभ्यास सत्र से पहले कहा, कप्तानी और बल्लेबाजी को जितना अलग रखेंगे, उतना ही अच्छा है। मेरा अनुभव यही है कि अगर मैं बल्लेबाजी करने जा रहा हूं तो बल्लेबाजी पर ही ध्यान दूं। उस समय एक बल्लेबाज के तौर पर जो फैसले मैं लेता हूं, वह मेरे लिए सर्वश्रेष्ठ होते हैं। वहीं, जब हम फील्डिंग कर रहे होते हैं तब मैं कप्तानी से ज्यादा जुड़ता हूं। बल्लेबाजी करते समय बल्लेबाज के रूप में रहना ही मेरे लिए अच्छा है। उन्होंने साथ ही कहा, बतौर कप्तान आप प्रतिदिन कुछ नया सीखते हैं, खिलाड़ियों के बारे में या अपने बारे में। अच्छा कप्तान बनने के लिए इन चीजों पर काम करना जरूरी है। शुभमन ने 2023 सीजन के दौरान 890 रन बनाए थे,

पैनल में नये अंपायरों को अवसर

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने आईपीएल के नए सत्र के लिए अंपायरिंग पैनल घोषित कर दिया है। इस बार बोर्ड ने सात नए अंपायरों को स्वरूपानंद कन्नूर, अभिजीत भट्टाचार्य, पाराशर जोशी, अनीश सहस्त्रबुद्धे, केयुर केलकर, कौशिक गांधी और अभिजीत बेंगरी को अवसर दिया है। वहीं अनुभवी अंपायर एस रवि और सीके नंदन मेंटॉर की भूमिका निभाएंगे। आईपीएल का पहला मैच कोलकाता के ईडन गार्डंस स्टेडियम में केकेआर और आरसीबी के बीच होगा। बीसीसीआई ने नए अंपायरों को अवसर इसलिए दिया है जिससे कि उन्हें दवाब वाले मैचों का अनुभव मिले। अंपायरों में शामिल कौशिक गांधी तमिलनाडु के पूर्व क्रिकेटर हैं। कौशिक ने 34 फर्स्ट क्लास मैच भी खेले हैं। अंपायर के तौर पर ये उनका यह दूसरा ही सत्र है। अभी तक कौशिक ने महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैचों और महिला प्रीमियर लीग में अंपायरिंग की है। अंतर्राष्ट्रीय अंपायरों में इस बार श्रीलंका के कुमार धर्मसेना आईपीएल नजर नहीं आएंगे। इसके अलावा आईपीएल 2024 में अंपायरिंग करने वाले अनिल चौधरी भी इस बार नहीं दिखेंगे।

आईपीएल से पहले पूजा करती दिखी पंजाब किंग्स, कोच पोंटिंग भी शामिल

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में इस बार खिताब जीतने के लिए पंजाब किंग्स भगवान की शरण में पहुंची है। पंजाब किंग्स के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग भी इसके लिए पूजा पाठ करते दिखे। इसका एक वीडियो भी आया है जो जमकर वायरल हो रहा है। इसमें पोंटिंग मंत्रोच्चारण के बीच तांबे के लोटे से जल चढ़ाते दिखे। पोंटिंग जब जल चढ़ाने में जल्दबाजी करने लगे तो पास बैठे साथी ने उन्हें धीमी गति से ऐसा करने को कहा। इस पूजा-पाठ में पंजाब किंग्स के सभी खिलाड़ी, कोचिंग स्टाफ और सहयोगी स्टाफ शामिल रहे। आईपीएल 2025 का पहला मुकाबला कोलकाता नाइट राइडर्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच शनिवार को खेला जाएगा। इसमें पंजाब अपना पहला मुकाबला 25 मार्च को खेलेगी।

पहले किंग्स इलेवन पंजाब के नाम से उतरी पंजाब किंग्स अब तक एक बार भी खिताब अपने नाम नहीं कर पायी है जबकि उसने साल 2008 से 2025 के बीच 17 कप्तान बनाये हैं। इस सत्र में पंजाब किंग्स ने श्रेयस अय्यर को कप्तान बनाया है जबकि रिकी पोंटिंग कोच रहेंगे।पोंटिंग इससे पहले दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच रहे हैं। अय्यर की कप्तानी में पिछले साल कोलकाता नाइटराइडर्स ने ट्रॉफी जीती थी।

पंजाब किंग्स टीमः श्रेयस अय्यर (कप्तान), मार्कस स्टोइनिस, ग्लेन मैक्सवेल, जोश इंग्लिश, शशांक सिंह, प्रभसिमरन सिंह, अजमतुल्लाह उमरजई, मुशीर खान, अर्शदीप सिंह, युजवेंद्र चहल, नेहल वढेरा, हरप्रीत बरार, विष्णु विनोद, विजयकुमार विशक, यश ठाकुर, मार्को यानसन, लॉकी फर्ग्यूसन, हरनूर पन्नू ,कुलदीप सेन, प्रियांश आर्य, एरोन हार्डी, सूर्यांश शेडगे, जेवियर बार्टलेट, पाइला अविनाश, प्रवीण दुबे।

फ्रेजर को आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन करना होगा : गिलक्रिस्ट : नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के स्टार ऑलराउंडर एडम गिलक्रिस्ट ने आईपीएल में दिल्ली कैपिल्स की ओर से खेलने वाले युवा बल्लेबाज जैक फ्रेजर मैक्गर्क से कहा है कि उन्हें टीम में बने रहने बेहतर प्रदर्शन करना होगा। गिलक्रिस्ट ने कहा कि अगर फ्रेजर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाते हैं तो वह अधिक दिन आईपीएल नहीं खेल पायेंगे।

हसन नवाज के शतक से जीता पाकिस्तान

ऑकलैंड। पाकिस्तान ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 5 मैचों की टी-20 सीरीज में वापसी की है। टीम ने तीसरे मुकाबले में कीवियों को 9 विकेट से हराया। इस जीत के बाद सीरीज का स्कोर 2-1 हो गया है।

न्यूजीलैंड ने शुरूआती दो मुकाबले जीतकर 2-0 की बढ़त हासिल की थी। ऑकलैंड में शुक्रवार को खेले गए मुकाबले में पाकिस्तान ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला लिया और न्यूजीलैंड को 19.5 ओवर में 204 रन पर ऑलआउट कर दिया। फिर 205 रन का टारगेट 16 ओवर में एक विकेट पर हासिल कर लिया। पाकिस्तानी ओपनर हसन नवाज ने नाबाद 105 रनों की पारी खेली। जबकि कप्तान आगा सलमान ने नाबाद 51 रन बनाए। टॉस हारकर बैटिंग करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरूआत खराब रही। टीम ने पावरप्ले के अंदर ओपनर्स के विकेट गंवाए दिए थे। फिन एलेन 3 रन के टीम स्कोर पर शाहीन शाह अफरीदी का शिकार बने।

खिलाड़ियों को प्रतिभा दिखाने का अवसर

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 सत्र शनिवार से शुरू होगा। इसमें भाग ले रहे कई अनकैप्ड (गैर अनुभवी) खिलाड़ियों के पास अपनी प्रतिभा साबित करने का अवसर है। ये हैं। अंशुल कंबोज (चेन्नई सुपर किंग्स)। हरियाणा की ओर से खेलने वाले दाएं हाथ के तेज गेंदबाज और ऑलराउंडर कंबोज को आईपीएल 2025 की नीलामी में चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) ने 3.40 करोड़ रुपये में खरीदा है। कंबोज नई गेंद को दोनों तरफ स्विंग कर सकते हैं। उनकी लंबाई की वजह से पिच से अतिरिक्त उछाल मिलती है जिससे बल्लेबाजों के लिए उन्हें खेलना कठिन होता है। उनके नाम रणजी ट्रॉफी में एक पारी में सभी 10 विकेट लेने का भी रिकार्ड है।

वैभव सूर्यवंशी (राजस्थान रॉयल्स)। बिहार के 13 वर्षीय वैभव को नीलामी में राजस्थान रॉयल्स ने 1.10 करोड़ रुपये में खरीदा था। वैभव आईपीएल इतिहास में सबसे कम उम्र के खिलाड़ी हैं। वैभव ने ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 के खिलाफ 58 गेंदों में ही शतक लगाया था। ये यूथ टेस्ट में किसी भारतीय द्वारा बनाया गया सबसे तेज शतक था। उन्होंने विजय हजारे ट्रॉफी में 42 गेंदों में 71 रनों की तूफानी पारी खेली थी।

मुशीर खान (पंजाब किंग्स)। 20 वर्षीय मुशीर को 30 लाख रुपये में पंजाब किंग्स ने शामिल किया है। वह दाएं हाथ के बल्लेबाज हैं। इसके अलावा बाएं हाथ से स्पिन गेंदबाजी करते हैं। मुशीर ने 2024 के अंडर-19 विश्वकप में पिछले साल मुंबई के लिए दोहरा शतक लगाया था। नए कप्तान श्रेयस अय्यर और कोच रिकी पोंटिंग के नेतृत्व में पंजाब किंग्स उन्हें मध्य क्रम में शामिल कर सकती है।

रॉबिन मिंज (मुंबई इंडियंस)। अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी के कारण मिंज कुछ ही ओवरों में खेल को बदल सकते हैं। बाएं हाथ के इस विकेटकीपर बल्लेबाज को मुंबई इंडियंस ने नीलामी में 65 लाख रुपये में खरीदा था। इस बार मुंबई टीम में ईशान किशन नहीं हैं, ऐसे में मिंज को उनकी जगह मिल सकती है। सी आंद्रे सिद्धार्थ (चेन्नई सुपर किंग्स)। आंद्रे सिद्धार्थ ने घरेलू क्रिकेट में काफी अच्छा प्रदर्शन कर सभी है। दिग्गज ऑफ स्पिनर आर अश्विन ने भी इस युवा की प्रशंसा की है। सीएसके की बल्लेबाजी लाइनअप को देखते हुए उन्हें शुरूआत में खेलने का मौका शायद ही मिले पर अगर जरूरत पड़ी तो वह उतारे जा सकते हैं।

गेल का सबसे अधिक छक्के का रिकार्ड तोड़ सकते हैं अभिषेक : मुम्बई । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इस सत्र में आक्रामक बल्लेबाज अभिषेक शर्मा एक नया रिकार्ड बना सकते हैं। अभिषेक जिस प्रकार से आक्रामक अंदाज में खेलते हैं उससे उम्मीद है कि वह क्रिस गेल के सबसे अधिक छक्के लगाने का रिकार्ड तोड़ सकते हैं। गेल का सबसे अधिक छक्के लगाने का रिकॉर्ड 12 साल से बना हुआ है। गेल ने 2012 में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलुरू (आरसीबी) की ओर से खेलते हुए 59 छक्के लगाये थे। आईपीएल के एक सत्र में सबसे अधिक छक्के लगाने का ये रिकॉर्ड अब भी कायम है।

'सिकंदर' का बमफाड़ ट्रेलर देख क्रेजी हुए फैंस

नई दिल्ली। सलमान खान सिकंदर के जरिए बॉक्स ऑफिस को हिलाने की तैयारी कर चुके हैं। इसका अंदाजा फिल्म का ट्रेलर देखकर लग गया है। एक्शन और जबरदस्त डायलॉग से भरपूर ट्रेलर रिलीज होते ही चर्चा में आ गया है। रश्मिका मंदाना का किरदार भी ट्रेलर में अच्छा लगा है। वहीं, सलमान का लुक देखकर फैंस एक्साइटेड हो गए हैं।

3 मिनट 37 सेकंड के धांसू ट्रेलर में फिल्म के सभी महत्वपूर्ण किरदारों की झलक देखने को मिल गई है। सिकंदर का ट्रेलर देखकर फैंस ने दावा करना शुरू कर दिया है कि भाईजान एक बार फिर पुराने वाले अवतार में नजर आएंगे। आइए जानते हैं कि यूजर्स ने ट्रेलर को देखने के बाद कैसी प्रतिक्रिया दी है। एआर मुरुगदास की निर्देशित सिकंदर में सलमान का किरदार मजबूत होने वाला है। फिल्म का ट्रेलर देखकर एक यूजर ने लिखा, द रियल भाईजान इज बैक। दूसरे ने कहा, ईद के मौके पर सिनेमाघरों में आग लगने वाली है। तीसरे यूजर ने सलमान के काम की तारीफ करते हुए रिएक्शन दिया कि लव यू भाईजान। इसके अलावा ज्यादातर यूजर्स ट्रेलर की तारीफ करते नजर आ रहे हैं।

क्लोजर रिपोर्ट का किया स्वागत

मुंबई। अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती के वकील सतीश मानेशिंदे ने कहा, 'सीबीआई ने लगभग साढ़े चार साल बाद सुशांत सिंह राजपूत की मौत के मामले में क्लोजर रिपोर्ट दायर की है। हम सीबीआई के आभारी हैं कि उन्होंने मामले के हर पहलू की सभी कोणों से गहन जांच की और केस को बंद कर दिया। निर्दोष लोगों को मीडिया और जांच अधिकारियों के सामने परेशान किया गया और परेड कराई गई। मुझे उम्मीद है कि ऐसा किसी भी मामले में नहीं होगा।

बॉलीवुड अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत के कथित आत्महत्या मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने क्लोजर रिपोर्ट दाखिल कर दी है। अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती के वकील सतीश मानेशिंदे ने सीबीआई द्वारा दाखिल क्लोजर रिपोर्ट का स्वागत किया है। इस दौरान उन्होंने कहा कि अभिनेत्री ने बिना किसी गलती के अनगिनत कष्ट झेले हैं। मानेशिंदे ने कहा,

सीबीआई ने लगभग साढ़े चार साल बाद सुशांत सिंह राजपूत की मौत के मामले में क्लोजर रिपोर्ट दायर की है। हम सीबीआई के आभारी हैं कि उन्होंने मामले के हर पहलू की सभी कोणों से गहन जांच की और केस को बंद कर दिया। सोशल मीडिया और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में झूठी कहानी का प्रसार पूरी तरह से अनुचित था। निर्दोष लोगों को मीडिया और जांच अधिकारियों के सामने परेशान किया गया और परेड कराई गई। मुझे उम्मीद है कि ऐसा किसी भी मामले में नहीं होगा।

सीबीआई ने सुशांत सिंह राजपूत की मौत से संबंधित दो मामलों में क्लोजर रिपोर्ट दायर की है। रिपोर्ट मुंबई की एक अदालत को सौंपी गई। अपनी रिपोर्ट में सीबीआई ने निष्कर्ष निकाला है कि अभिनेता की मौत के पीछे कोई गड़बड़ी साबित करने के लिए कोई सबूत नहीं मिला। केंद्रीय एजेंसी ने बिहार पुलिस से जांच अपने हाथ में ले ली थी, जिसने शुरूआत में अभिनेता के पिता केके सिंह द्वारा पटना में दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया था। अभिनेता के पिता ने रिया और अन्य पर आत्महत्या के लिए उकसाने, वित्तीय धोखाधड़ी और मानसिक उत्पीड़न का आरोप लगाया था। जवाब में, रिया चक्रवर्ती ने मुंबई में एक जवाबी शिकायत दर्ज कराई, जिसमें आरोप लगाया गया कि सुशांत की बहनों ने उनके लिए एक फर्जी मेडिकल प्रिस्क्रिप्शन हासिल किया था।

अल्लू अर्जुन से इंप्रेस हुए गणेश आचार्य

मुंबई। टीवी की कॉमेडी क्वीन भारती सिंह और उनके पति हर्ष लिंबाचिया के शो में कोरियोग्राफर-निर्देशक गणेश आचार्य ने खुलकर बताया कि बॉलीवुड ने उन्हें कभी उचित श्रेय नहीं दिया, लेकिन अल्लू अर्जुन ने पुष्पा फिल्मों के लिए श्रेय दिया। भारती टीवी से बात करते हुए उन्होंने कहा कि उनका मानना है कि दक्षिण में हिंदी फिल्म उद्योग की तुलना में उनके तकनीशियनों का अधिक सम्मान किया जाता है। गणेश ने कहा कि हालांकि वे पूरी बॉलीवुड इंडस्ट्री को दोष नहीं देते, लेकिन तकनीशियनों को पर्याप्त श्रेय नहीं मिलने की समस्या है। हालांकि उन्होंने दावा किया कि वे इतने भाग्यशाली हैं कि स्टार्स ने उनके साथ नखरे नहीं किए, लेकिन उन्होंने देखा कि स्टार्स की जरूरतों के हिसाब से कोरियोग्राफी आखिरी समय में बदल जाती है। उन्होंने कहा, बॉलीवुड इंडस्ट्री में अहंकार बहुत फैला हुआ है। अहंकार नहीं होना चाहिए।

खतरों के खिलाड़ी में दिखेगी गोविंदा की भांजी रागिनी, होगी धांसू इंट्री

नई दिल्ली। टीवी के फेमस स्टंट रियलिटी शो खतरों के खिलाड़ी 15 का बज ऑडियंस खासा बना हुआ है। शो के फैंस इंतजार कर रहे हैं कि कब इस शो को टेलीकास्ट किया जाएगा। खतरों के खिलाड़ी के लिए अब तक कई नाम आ चुके हैं। इसी कड़ी में हम आपको एक और नाम के बारे में बताने वाले हैं जो रिश्ते में एक्टर गोविंदा से जुड़ी हुई हैं। खतरों के खिलाड़ी की दर्शकों में काफी पॉपुलैरिटी है। शो के खतरनाक स्टंट्स इसकी जान होते हैं। पिछले 14 सालों से फिल्म इंडस्ट्री के फेमस डायरेक्टर इसे होस्ट कर रहे हैं। कई कंटेस्टेंट्स के बीच अब उनके शो में

गोविंदा की भांजी रागिनी खन्ना एंट्री मारने वाली हैं। टेली चक्कर की एक रिपोर्ट के अनुसार रागिनी को शो के लिए अप्रोच किया है। हालांकि वो शो में शामिल होंगी या नहीं इस पर उनका कोई रिएक्शन सामने नहीं आया है। मेकर्स की तरफ से फिलहाल कोई ऑफिशियल ऐलान नहीं किया गया है। टेलीविजन एक्ट्रेस रागिनी खन्ना की बात करें तो वो पिछले 9 सालों से इंडस्ट्री से दूर हैं। बीच में वो अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में आई थीं। अगर वो शो में आती हैं तो ये उनके लिए किसी कमबैक से कम नहीं होगा। रागिनी खन्ना को एक समय में अपने अभिनय के लिए काफी पसंद किया जाता है। उनके शो में आने की खबर ने दर्शकों के बीच एक्साइटमेंट लेवल को हाई कर दिया है। रागिनी से पहले टीवी एक्टर अंकित गुप्ता को अप्रोच किया गया था। बताया जा रहा था कि वो रोहित शेट्टी के शो में इस बार एंट्री ले सकते हैं। मगर अब बताया जा रहा कि खतरों के खिलाड़ी के लिए उन्होंने ना कह दिया है। अंकित इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं।

आर्थिक परेशानी से जूझ रही ऑडी

नई दिल्ली। जर्मन ऑटोमोबाइल कंपनी जो दुनिया की प्रमुख कार कंपनी भी है यानी ऑडी अपने स्टाफ में बड़ा बदलाव करने की तैयारी में है। ऑडी आने वाले वर्षों में अपनी कंपनी में कर्मचारियों की नौकरी में कटाव करने की तैयारी में है। वर्ष 2029 तक जर्मनी में 7,500 नौकरियों में कटौती करने की योजना बना रही है, ताकि अपनी गिरती लाभप्रदता में सुधार लाया जा सके।

वाहन निर्माता कंपनी ने एक बयान में घोषणा की कि इसका मुख्य प्रभाव कंपनी के इंगोलस्टेड और नेकरसुलम संयंत्रों पर पड़ेगा और योजना का लक्ष्य प्रतिवर्ष एक बिलियन यूरो से अधिक की मध्यम अवधि की बचत हासिल करना है। ऑडी ने अपने आधिकारिक बयान में लिखा है कि छंटनी इसलिए की जा रही है क्योंकि कंपनी के लिए आर्थिक स्थितियां मुश्किल हो रही है। ये समय कंपनी के लिए प्रतिस्पर्धी दबाव और राजनीतिक

अनिश्चितताएँ कंपनी के सामने भारी चुनौतियाँ पेश कर रही हैं।

यह पूरा मामला ऐसे समय में देखने को मिल रहा है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के टैरिफ से यूरोपीय कार निमार्ताओं पर व्यापक रूप से असर पड़ने की आशंका है और यह उन वित्तीय दबावों के साथ भी मेल खाता है, जिनका सामना ऑडी की मूल कंपनी वोक्सवैगन एजी वर्तमान में कर रही है, जिसके सीईओ ओलिवर ब्लूम पूरे समूह में लागत में कटौती के लिए दबाव बना रहे हैं। पिछले वर्ष ऑडी की बिक्री में भी लगभग 12% की गिरावट आई थी, क्योंकि ब्रांड को चीन जैसे बाजारों में संघर्ष करना पड़ा था। नौकरी में कटौती का उद्देश्य नौकरशाही में कमी लाना भी है। कंपनी का दावा है कि उसने हाल के महीनों में दिशानिदेर्शों और समितियों की संख्या में पहले ही काफी कमी कर दी है। परिणामस्वरूप इसने अपने प्रबंधन ढांचे को तीन स्तरों तक समतल कर दिया है और अप्रत्यक्ष क्षेत्रों में नौकरियों को बदलने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) विकल्पों पर विचार कर रहा है। ऑडी ने अपनी नौकरी सुरक्षा योजना को भी 31 दिसंबर, 2033 तक बढ़ा दिया है। कर्मचारी संघ, जनरल वर्क्स काउंसिल के अध्यक्ष, जोर्ग श्लागबाउर ने कहा कि सामूहिक रूप से सहमत मासिक वेतन सुरक्षित है और वेतनमान वेतन में कोई कमी नहीं होगी और ऑडी घटक जैसे आंतरिक लाभ और अनुपूरक को समाप्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा, मौजूदा वेतन वृद्धि को भी स्थगित नहीं किया जाएगा। वे 1 अप्रैल, 2025 और 1 अप्रैल, 2026 को योजना के अनुसार प्रभावी होंगे।

भारत में बढ़ी हवाई यात्रा करने वालों की संख्या

शौर्य न्यूज इंडिया

नई दिल्ली। भारत में हवाई यात्रा करने वाले यात्रियों की संख्या में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। भारत में अब अधिकतर लोग हवाई यात्रा करने में रुचि दिखा रहे है। बीते कुछ सालों में हवाई यात्रा करने वाले यात्रियों की संख्या पहले से कहीं अधिक हो गई है। ये जानकारी अमेरिकी मुख्यालय वाली एल्टन एविएशन कंसल्टेंसी ने साझा की है।

एजेंसी के निदेशक जोशुआ एनजी की मानें तो भारत में हवाई यात्रा करने वाले यात्रियों की संख्या 2025 में सात फीसदी की मजबूत दर से बढ़ रही है। आने वाले समय में हवाई यात्रा की बढ़ती ताकत से मध्यम वर्ग को भी समर्थन मिलेगा। भारत में विमानन संभावनाओं को लेकर एनजी का कहना है कि देश एशिया प्रशांत की घरेलू और अंतरराष्ट्रीय हवाई यातायात मांग में लगभग 10 फीसदी का योगदान देता है। विमानन संभावनाओं पर गौर करें तो महामारी के पूर्व स्तर पर ये लौटा है। अब हवाई यात्रा की मांग में बढ़ोतरी हुई है। इससे भारत में विमानन विकास कार्यक्रमों की बढ़ोतरी को समर्थन मिलता है। इसकी बदौलत ही देश में 150 से अधिक हवाई अड्डों की स्थापना की गई है। उन्होंने कहा कि भारत की यात्री यातायात 2025 में सात फीसदी की दर से बढ़ सकती है। विकास का ये पैमाना मजबूती दशार्ता है। इससे देश में बनी एयरलाइनों के बीच लगभग 1900 विमानों का ऑर्डर भी बुक होगा। वहीं एयर इंडिया से लेकर विस्तारा के बीच भी हाल ही में विलय हुआ है। इससे भी एविएशन उद्योग में स्थिरता आ सकती है। इस विलय के बाद एयर इंडिया और इंडिगो ही मजबूत खिलाड़ी होंगे जो पूर्ण-सेवा और कम-लागत में सुविधा देंगे।

वायर सेक्टर में भी आएंगे अडानी

मुंबई। अडानी समूह ने बड़ा ऐलान किया है जिससे शेयर बाजार में घमासान मच गया है। अडानी ग्रूप ने जो जानकारी दी है उससे अल्ट्राटेक (आदित्य बिरला समूह की कंपनी) के लिए भी दिक्कत हो गई है। अडानी समूह ने ऐलान किया है कि अब कंपनी वायर एंड केबल्स सेक्टर में कदम रखने जा रही है। कुछ समय पहले ही आदित्य बिरला समूह ने इस फिल्ड में एंट्री ली है जिसके बाद अडानी ग्रूप भी इसमें शामिल हो गया है।

देश के दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति गौतम अडानी का अडानी समूह ने ज्वाइंट वेंचर कंपनी प्रणीता इकोकेबल्स लिमिटेड के साथ इस फिल्ड में आने का फैसला किया है। कच्छ कॉपर लिमिटेड ने कंपनी के साथ वायर एंड केबल व्यापार की शुरूआत करने का फैसला किया है। इसमें दोनों के पास ही कंपनी की 50-50 फीसदी हिस्सेदारी होगी।

अडानी समूह की फ्लैगशिप कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज ने स्टॉक एक्सचेंज में रेगुलेटरी फाइलिंग में इसकी जानकारी दी गई है। फाइलिंग के मुताबिक अडानी समूह की फ्लैगशिप कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज का कहना है कि नई कंपनी वायर एंड केबल्स और मेटल्स के लिए होगी। कंपनी द्वारा इसके प्रोडक्ट्स की मैन्युफैक्चरिंग, मार्केटिंग, डिस्ट्रीब्यूशन किया जाएगा।

माना जा रहा है कि वायर एंड केबल्स सेक्टर में अडानी समूह के आने से इस सेक्टर में कॉम्पिटिशन काफी अधिक बढ़ जाएगा। अडानी समूह का ये ऐलान

होती है शेयर बाजार में भी घमासान मच गया। शेयर मार्केट में वायर एंड केबल्स सेक्टर के शेयरों में जोरदार गिरावट देखी गई है।बता दें कि इस ऐलान के बाद कारोबारी सेशन में पॉलीकैब इंडिया, हैवल्स इंडिया लिमिटेड, आरआर काबेल, फिनोलेक्स केबल्स के शेयरों में बड़ी गिरावट देखने को मिली है। बता दें कि जब अल्ट्राटेक सीमेंट ने इस सेक्टर में आने की घोषणा की थी तब भी इस सेक्टर के शेयर 20 फीसदी टूटे थे।

यूपी के लिए अमृत भारत स्टेशन योजनाः अश्विनी वैष्णव

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में स्थित चंदौली मझवार रेलवे स्टेशन को अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकास के लिए चयनित किया गया है। इस स्टेशन के विकास कार्यों के लिए निविदाएं दी जा चुकी हैं तथा स्टेशन भवन का विस्तार, नए पैदल पार पथ का निर्माण, अतिरिक्त प्लेटफार्म शेल्टर, प्लेटफार्म का विस्तार, परिचलन क्षेत्र, पार्किंग क्षेत्र, शौचालय आदि का सुधार आदि कार्य शुरू किए जा चुके हैं।

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकास के लिए पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन रेलवे स्टेशन की पहचान की गई है। इस योजना के तहत इस स्टेशन के विकास के लिए मास्टर प्लान तैयार करने का कार्य शुरू कर दिया गया है। यह एक पुनरावृत्तीय प्रक्रिया है जिसके लिए इष्टतमीकरण की आवश्यकता है और इस स्तर पर इस तरह के इष्टतमीकरण के लिए कोई समय-सीमा निर्धारित नहीं की जा सकती है।

इस योजना में दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ सतत आधार पर रेलवे स्टेशनों के विकास की संकल्पना की गई है। इसमें प्रत्येक रेलवे स्टेशन की आवश्यकता को देखते हुए स्टेशन पहुंच, परिचलन क्षेत्रों, प्रतीक्षालयों, शौचालयों, में सुधार कार्य, आवश्यकता के अनसार लिफ्ट/एस्केलेटर, प्लेटफॉर्म की सतह में सुधार और प्लेटफॉर्म के ऊपर कवर, स्वच्छता, निःशुल्क वाई-फाई, 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं द्वारा स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क, बेहतर यात्री सूचना प्रणाली, एक्जीक्यूटिव लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए निर्दिष्ट स्थान, लैंडस्केपिंग आदि जैसी सुविधाओं में सुधार लाने के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और उनका चरणबद्ध कार्यान्वयन शामिल है।

इस योजना में आवश्यकता, चरणबद्धता एवं व्यवहार्यता के अनुसार स्टेशन भवन में सुधार, स्टेशन का शहर के दोनों छोर के साथ एकीकरण, मल्टी-मोडाल एकीकरण, दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं, दीर्घकालिक और पर्यावरण अनुकुल समाधान, गिट्टी रहित पटरियों की ०?यवस?था आदि और दीर्घावधि में स्टेशन पर सिटी सेंटरों के निर्माण की भी परिकल?पना की गयी है।

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत अब तक 1337 स्टेशनों की पहचान विकास के लिए की गई है, जिनमें से 157 स्टेशन उत्तर प्रदेश राज्य में स्थित हैं। अमृत भारत

स्टेशन योजना सहित अन्य योजनाओं के तहत स्टेशनों के विकास/ उन्नयन/ आधुनिकीकरण कार्य को सामान्यतः योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएं' के अंतर्गत वित्तपोषित किया जाता है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए योजना शीर्ष 53 के अंतर्गत 12,994 करोड़ रुपये (संशोधित अनुमान) का आवंटन किया गया है। योजना शीर्ष 53 के तहत आबंटन और व्यय का ब्यौरा कार्य-वार अथवा स्टेशन-वार न रखते हुए क्षेत्रीय रेल-वार रखा जाता है। उत्तर प्रदेश राज्य पांच जोन अर्थात पूर्व मध्य रेलवे, उत्तर मध्य रेलवे, उत्तर रेलवे, पूर्वोत्तर रेलवे और पश्चिम मध्?य रेलवे के अंतर्गत शामिल हैं। इन जोनों के लिए वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए योजना शीर्ष-53 के अंतर्गत 4,188 करोड़ रुपये (संशोधित अनुमान) का आबंटन किया गया है।

रेलवे स्टेशनों का विकास/उन्नयन जटिल प्रकृति का होता है जिसमें यात्रियों और रेलगाड़ियों की संरक्षा शामिल होती है और इसके लिए अग्नि संबंधी मंजूरी, धरोहर, पेड़ों की कटाई, विमानपत्तन स्वीकृति इत्यादि जैसी विभिन्न सांविधिक स्वीकृतियों की आवश्यकता होती है। इनकी प्रगति जनोपयोगी सेवाओं को स्थानांतरित करना (जिनमें जल/सीवेज लाइन, ऑप्टिकल फाइबर केबल, गैस पाइप लाइन, पावर/सिगनल केबल इत्यादि शामिल हैं), अतिलंघन, यात्री संचलन को बाधित किए बिना रेलगाड़ियों का परिचालन, रेलपथ और उच्च वोल्टेज बिजली लाइनों के निकट सान्निध्य में किए जाने वाले कार्यों के कारण गति प्रतिबंध आदि जैसी ब्राउन फील्ड संबंधी चुनौतियों के कारण भी प्रभावित होती है और ये कारक कार्यों के पूरा होने के समय को प्रभावित करते हैं। अतः इस समय कोई समय-सीमा निर्धारित नहीं की जा सकती है।पटना-दीन दयाल उपाध्याय खंड में धीना और तुलसी आश्रम के बीच कि.मी. 725/15-17 पर सबवे को मंजूरी दे दी गई है। विस्तृत अनुमान स्वीकृत कर दिया गया है और ठेका प्रदान कर दिया गया है।

दानापुर मंडल के कुचामन यार्ड में किमी 744/27-29 पर समपार संख्या 105/ए/टी के स्थान पर उपरी सड़क पुल का निर्माण कार्य स्वीकृत किया गया है। यह कार्य रेलवे द्वारा एकल इकाई आधार पर किया गया है। सरेखण योजना को अंतिम रूप देने का कार्य शुरू कर दिया गया है।

ऊपरी सड़क पुलों/निचले सड़क पुलों के निर्माण कार्यों का पूरा होना और उन्हें कमीशन करना समपार को बंद करने के लिए सहमति देने में राज्य सरकार का सहयोग, पहुंच मार्गों के सरेखण तय करना, सामान्य आरेखण व्यवस्था का अनुमोदन, भूमि अधिग्रहण, अतिक्रमण हटाना, बाधक जनोपयोगी सेवाओं का स्थानांतरण, विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृतियां, परियोजना क्षेत्र/ कार्य स्थलों में कानून और व्यवस्था की स्थिति, जलवायु परिस्थितियों के कारण विशेष परियोजना/क्षेत्र के लिए एक वर्ष में कार्य की अवधि आदि जैसे कई कारकों पर निर्भर करता है। ये सभी कारक परियोजना/ कार्यों को पूरा करने के समय को प्रभावित करते हैं।

बस्ती में दर्दनाक हादसा, कार और ट्रक की भिड़ंत में पांच की मौत, तीन घायल

बस्ती। होली पर अहमदाबाद से गोरखपुर घर जा रहे 5 लोगों की सड़क हादसे मौत हो गई। तीन गंभीर रूप घायल बताए जा रहे हैं। तेज रफ्तार ट्रक से टकराई कार अयोध्या फोरलेन पर गोटवा के पास सड़क दुर्घटना सोमवार की सुबह करीब आठ बजे हुई है। हादसे में कार के परखच्चे उड़ गए। गंभीर रूप से घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस जांच

पड़ताल में जुटी है। घटना नगर थाना क्षेत्र के गोटवा बाजार की है। हादसे की जानकारी मिलने पर डीएम रवीश गुप्ता ,एसपी अभिनन्दन, एएसपी ओपी सिंह, सीओ कलवारी प्रदीप त्रिपाठी मय फोर्स मौके पर पहुंच गए। भयानक हादसे के बाद मौके पर स्थानीय लोग जमा हो गए। लोगों ने रॉड से कार को तोड़कर घायलों को बाहर निकाला और उनको इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया हैं। हादसे के चलते हाइवे पर लंबा जाम देखने को मिला। वहीं, वाहनों को रोड से हटाने के लिए पुलिस को क्रेन बुलवानी पड़ी। एएसपी ओपी सिंह ने बताया कि गोरखपुर निवासी कार सवार गुजरात के अहमदाबाद से गोरखपुर आ रहे थे। ट्रक की हाईवे पर लेन बदली के दौरान इसी बीच डिवाइडर न होने के चलते सामने आ रही कार से टक्कर हो गई । टक्कर इतनी तेज थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। मृतकों में विश्वजीत, प्रेमचंद्र, शकील, शिवराज व बहोरन की पहचान हो पाई है। घायलों में छांगूर यादव पुत्र उमा यादव सकिनान इजरायली थाना कटया जिला गोपालगंज, भुआल पुत्र शंभू प्रसाद निवासी काजीडीह महुवा थाना विजईपुर जिला गोपालगंज बिहार व अनिरुद्ध पुत्र सूर्यनाथ निवासी तरकुलही जसोपुर थाना खोराबार गोरखपुर शामिल हैं।

राम मंदिर के मुख्य शिखर ने भी लिया आकार

अयोध्या। रामजन्मभूमि परिसर में पूरक मंदिरों व परकोटे के साथ ही राम मंदिर के मुख्य शिखर व द्वितीय तल का कार्य भी तेजी से कराया जा रहा है। मुख्य शिखर में 22 परतों में पत्थरों का संयोजन पूर्ण होने के बाद अब 23वीं लेयर पर कार्य चल रहा है तो द्वितीय तल पर दरवाजे लग रहे हैं और फिनिशिंग कराई जा रही है। श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने गुरुवार शाम मुख्य शिखर व द्वितीय तल के निर्माण संबंधी तस्वीरें साझा कर अद्यतन स्थिति बताई है।

राम मंदिर का अब लगभग चार प्रतिशत कार्य ही शेष है। वर्तमान में इसका मुख्य शिखर व द्वितीय तल निमार्णाधीन है। मुख्य शिखर में लगभग 32 हजार घन फीट पत्थरों को 29 परतों में संयोजित किया जाना है। नवरात्र के प्रथम दिन एक अक्टूबर से प्रारंभ हुए इसके निर्माण में 11 परतों तक पत्थरों को संयोजित कर शिखर पेटी बांधी गई।

यही काफी महत्वपूर्ण कार्य था, इसके बाद निर्माण ने तेजी पकड़ ली है। वर्तमान में शिखर पेटी के बाद भी 11 लेयर में पत्थर संयोजित हो चुके हैं। अभी सात परत में गुलाबी शिलाओं को संयोजित करना शेष है। वहीं द्वितीय तल पर सीढ़ी, स्तंभ व दीवारों पर अवशेष कार्य किए जा रहे हैं। साथ ही दरवाजे भी लग रहे हैं। प्रथम तल पहले ही निर्मित हो चुका है। कार्यदायी एजेंसी एलएंडटी को संपूर्ण कार्य 25 जून तक पूरे करने हैं। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र की 16 मार्च को हुई बैठक में भी ऐसी प्रतिबद्धता व्यक्त की गई थी। रामजन्मभूमि पथ के बगल में स्थित यात्री सेवा केंद्र खुल गया है। अब इसमें श्रद्धालुओं के मोबाइल व सामान जमा किए जाने लगे हैं। साथ ही यात्री सुविधा केंद्र में भेजे गए कर्मी भी लौट आए हैं। इससे सुगम व नित्य दर्शनार्थियों को राहत मिली है। यद्यपि अभी केंद्र के सामने लगाया गया बैरियर नहीं हटा है।

अमावा मंदिर के पास स्थित राम मंदिर ट्रस्ट के यात्री सेवा केंद्र को महाकुंभ अवधि में अधिक संख्या में श्रद्धालुओं के आगमन और सुगम दर्शनार्थियों का मार्ग बदले जाने के कारण बंद कर दिया गया था। इसके साथ पुलिस-प्रशासन ने केंद्र के सामने बैरियर लगा दिया था। श्रद्धालुओं का केंद्र में आगमन कम हो जाने के कारण यहां कार्यरत रहे लगभग आधा दर्जन कर्मियों को अंगद टीले के समीप स्थित यात्री सुविधा केंद्र में भेज दिया गया था।

इससे रामलला के दर्शन के लिए जाने वाले सुगम व नित्य दर्शनार्थियों को असुविधा हो रही थी। उन्हें मोबाइल व अन्य सामान जमा करने के लिए यात्री सुविधा केंद्र या अमावा मंदिर के लाकर का सहारा लेना पड़ता था।

कलाकारी-प्रेम का अनोखा नमूना है ताज

तारीख : मिस यूनिवर्स और मिस यूनिवर्स इंडिया ने एक साथ निहारा ताजमहल

आगरा। संगमरमरी सुंदरता के प्रतिमान ताजमहल में रविवार को मिस यूनिवर्स-2024 विक्टोरिया केजर थेलविग और मिस इंडिया यूनिवर्स-2024 रिया सिंघा ने अपनी अदाओं का जलवा बिखेरा।

सिल्वर कलर का सूट पहने हुईं विक्टोरिया और रिया ने अपनी सादगी से लोगों का दिल जीत लिया। पर्यटक ताजमहल देखना भूलकर उन्हें ही देखते रहे। पर्यटकों के साथ उन्होंने सुरक्षा घेरे में फोटोग्राफी भी कराई।

मिस यूनिवर्स विक्टोरिया केजर थेलविग दोपहर करीब पौने चार बजे ताजमहल पहुंचीं। फोरकोर्ट से ताजमहल नजर आते ही वह उसकी सुंदरता पर मोहित हो गईं। वह वाह ताज, वंडरफुल और अमेजिंग कहती रहीं।

गाइड से उन्होंने ताजमहल के इतिहास, वास्तुकला, पच्चीकारी, पच्चीकारी में प्रयुक्त बेशकीमती पत्थरों, स्मारक के रखरखाव के बारे में जानकारी की। शाहजहां व मुमताज की प्रेम कहानी के साथ ही तहखाना में स्थित कब्रों के बारे में जानकारी की। विक्टोरिया ने कहा कि, इंसान को जिंदगी में एक बार ताजमहल जरूर देखना चाहिए। ताजमहल देखने के बाद वह आश्चर्यचकित हैं। इन दिनों वह विश्व भ्रमण पर हैं और कई देश देखने के बाद ताजमहल देखने आई हैं। उन्होंने कहा, वह दावे के साथ कह सकती हैं कि दुनिया में ताजमहल अद्भुत कलाकारी व प्रेम का अनोखा नमूना है। वह जहां भी जाएंगी, लोगों को ताजमहल के बारे में बताएंगी।

मिस यूनिवर्स इंडिया रिया सिंघा ने कहा, विक्टोरिया के साथ वह दुनिया की सबसे खूबसूरत जगह पर हैं। मैंने सोच लिया था कि जब भी आगरा आऊंगी ताजमहल जरूर देखूंगी। ताजमहल के विषय में जितना सुना था, यह उससे कहीं अधिक खूबसूरत है। मिस यूनिवर्स इंडिया के ऑनर निखिल आनंद ने कहा कि मिस यूनिवर्स विक्टोरिया उन चंद गैर-भारतीय मिस यूनिवर्स विजेताओं में से एक हैं, जिन्होंने ताजमहल देखा है। इस वर्ष मिस यूनिवर्स थाईलैंड में होगी। मिस यूनिवर्स इंडिया के निदेशक निशांत आनंद, सर्वेश कश्यप साथ रहे।

माफिया अतीक के करीबी मुतवल्ली का बेटा गिरफ्तार, चल रहा था फरार

प्रयागराज। माफिया अतीक के करीबी मुतवल्ली मो. असियम के बेटे सैय्यद मो. हासिर को गिरफ्तार कर लिया गया है। पूरामुफ्ती पुलिस ने शनिवार को नखास कोहना, शाहगंज निवासी को पकड़ा। वह वक्फ बोर्ड के मौजूदा मुतवल्ली से रंगदारी मांगने, धमकी देने और हमला करने के मुकदमे में कई माह से वांछित चल रहा था। फरारी के दौरान हासिर दिल्ली और कोलकाता भी गया था।

इसका अब्बा मो. असियम भी एक मामले में अशरफ के साले सद्दाम समेत कई अन्य के साथ मुकदमे में नामजद हुआ था। बताया गया है कि बीते साल मुतवल्ली अम्माद ने पूरामुफ्ती थाने में आसिर समेत कई लोगों पर मारपीट, धमकी, रंगदारी मांगने समेत अन्य आरोप में मुकदमा दर्ज कराया था। एफआइआर के बाद आरोपित घर छोड़कर भाग निकला था।

इसी बीच एसीपी पुष्कर वर्मा ने अतीक गैंग से जुड़े लोगों पर शिकंजा कसना शुरू किया तो हासिर के बारे में पता चला। तब थानाध्यक्ष पूरामुफ्ती मनोज सिंह व दारोगा राजेश यादव की टीम को गिरफ्तारी के लिए लगाया गया। शनिवार को सही लोकेशन मिलने पर वांछित अभियुक्त की घेराबंदी करके दबोच लिया गया।

पुलिस का कहना है कि अशरफ की बीवी जैनब फातिमा, साले सद्दाम, जैद, प्रधान ने मुतवल्ली व उसकी बीवी से साठगांठ करके वक्फ बोर्ड की करीब 50 करोड़ रुपये की जमीन पर कब्जा कर लिया था। उसमें भी सभी पर मुकदमा लिखा गया था। पुलिस मामले की जांच कर रही है। हत्या की कोशिश के मुकदमे में लंबे समय से वांछित चल रहे माफिया मुख्तार के करीबी मो. इश्तियाक को पूरामुफ्ती पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उसके कब्जे से एक पिस्टल और तीन कारतूस बरामद किया गया है। असलहे की बरामदगी के आधार पर इश्तियाक के विरुद्ध आर्म्स एक्ट की धारा भी बढ़ाई गई है।

बीमारी से परेशान शिक्षक ने तमंचे से खुद को गोली मारकर की आत्महत्या

बिजनौर। पेट संबंधी बीमारी से पीड़ित शिक्षक ने स्वयं को तमंचे से गोली मारकर जान दे दी। फायर की आवाज सुनकर परिजन कमरे में पहुंच गए, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। जानकारी मिलने पर पुलिस अधिकारी व फोरेंसिक टीम भी मौके पर पहुंची। मामले की जानकारी ली। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम को भेज दिया है। साथ ही मौके से तमंचा व कारतूस का खोखा बरामद किया है। शिक्षक ने सुसाइड नोट में बीमारी से परेशान होने की बात लिखी है। हरेवली क्षेत्र के गांव शहजादपुर निवासी 44 वर्षीय प्रकाशवीर पुत्र प्यारे सिंह सावित्री बाई फुले इंटर कॉलेज हरेवली में प्राइवेट शिक्षक थे। रविवार सुबह वह लगभग आठ बजे पास में ही स्थित शिव मंदिर में पूजा करने के बाद घर पहुंचे। अपने कमरे में पहुंचकर 315 बोर के तमंचे से खुद को गोली मार ली। बताया जाता है कि मृतक के माता-पिता की काफी समय पहले मौत हो चुकी है। परिवार में शिक्षक की पत्नी मधु व तीन बच्चे हैं। परिजनों के मुताबिक, पिछले कई दिन से वह परिजनों से कम बात कर रहा था। इससे अंदेशा जताया जा रहा है कि बीमारी से तंग आकर उसने आत्महत्या की है। घटना की सूचना पर सीओ अंजनी कुमार, थानाध्यक्ष पुष्पेंद्र सिंह व फोरेंसिक टीम के उप निरीक्षक विजय राज सिंह, शहजाद अली, मिंटू तोमर ने मौके पर पहुंच कर जांच की तथा शव को पोस्टमार्टम को भेज दिया। थानाध्यक्ष ने बताया कि तमंचा व खोखा बरामद कर लिया है। उन्होंने बताया कि तमंचे के बारे में भी जांच की जा रही है। परिजनों के मुताबिक, शिक्षक पिछले तीन वर्षों से आंतों में इन्फेक्शन व पेशाब संबंधी बीमारी से पीड़ित था। उसका पहले मेरठ के प्राइवेट अस्पताल का चल रहा था, लेकिन बीते शुक्रवार को वह काशीपुर दवाई लेने गया था। इसके अलावा, भी अन्य स्थानों पर उपचार करा चुका था। बताया जाता है कि दो दो दिन से पेशाब संबंधी बीमारी से परेशान था। उनका इकलौता पुत्र भी दिव्यांग था। बेटे की ओर से भी परेशान रहते थे।

सीएम देंगे 636 करोड़ की सौगात

400 छात्र-छात्राओं को लैपटाप व टैबलेट का होगा वितरण

आगरा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 26 मार्च को आगरा आएंगे। जीआइसी मैदान में राज्य और केंद्र सरकार की उपलब्धियों को गिनाएंगे। 636 करोड़ रुपये की 127 परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। 400 छात्र-छात्राओं को लैपटाप और टैबलेट का वितरण भी करेंगे। कार्यक्रम में पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह के अलावा अन्य जनप्रतिनिधि शामिल होंगे। केंद्र सरकार के 10 और राज्य सरकार के आठ साल पूरे हो रहे हैं। यूपी भारत का ग्रोथ इंजन की थीम पर आगरा सहित प्रदेश के सभी जिलों में 25 से 27 मार्च तक विभिन्न कार्यक्रम हो रहे हैं। आगरा में जीआईसी मैदान में प्रदर्शनी लग रही है। अभी तक 25 मार्च को प्रभारी जिला मंत्री व पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह आ रहे थे लेकिन शुक्रवार शाम कार्यक्रम में बदलाव हुआ। अब 26 मार्च को मुख्यमंत्री

आएंगे। मुख्यमंत्री दोपहर एक बजे पहुंचेंगे। खेरिया एयरपोर्ट से सीधे जीआइसी मैदान जाएंगे। सड़कों का निर्माण, मेट्रो प्रोजेक्ट, पुल का निर्माण सहित 636 करोड़ रुपये की 127 परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण करेंगे। 400 छात्र-छात्राओं को लैपटाप और टैबलेट का वितरण करेंगे।

कल्याणकारी योजनाओं की भी घोषणा कर सकते हैं। मुख्यमंत्री दोपहर तीन बजे तक रहेंगे। मुख्यमंत्री के आगमन को देखते हुए शनिवार दोपहर एक बजे सर्किट हाउस में प्रमुख सचिव व्यवसायिक शिक्षा व कौशल विकास डा. हरीओम ने बैठक की। विभिन्न अधिकारियों को जिम्मेदारी दी गई। मेला में शिल्पकला, फूडकोर्ट व सांस्कृतिक सामग्री के स्टाल होंगे। तीनों दिन विभिन्न कार्यक्रम होंगे।

डीएम अरविंद मल्लप्पा बंगारी ने बताया कि सरकारी योजनाओं का प्रचार-प्रसार कराया जाएगा। सीडीओ प्रतिभा सिंह, एडीएम वित्त एवं राजस्व शुभांगी शुक्ला, एडीएम प्रोटोकाल प्रशांत तिवारी, एडीएम न्यायिक धीरेंद्र सिंह मौजूद रहे। मंडलायुक्त शैलेंद्र सिंह ने शनिवार शाम राजा की मंडी स्थित दरियानाथ मंदिर का निरीक्षण किया। मंदिर परिसर में पदाधिकारियों के साथ बैठक की। 26 मार्च को मंदिर में शंखढाल भंडारा होने जा रहा है। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री शामिल हो सकते हैं। वहीं जीआइसी मैदान का भी निरीक्षण किया।

पूरे विश्व के ज्ञान का भंडार है भगवद्गीता

अम्बरीश कुमार भटनागर

भगवद्गीता जिसे भगवान का गीत भी कहा जाता है, बुद्धि का कोष है. इस पवित्र पुस्तक में 18 अध्याय व 700 श्लोक हैं.

इसके हरेक श्लोक की हर पंक्ति पर अनगिनत समीक्षायें लिखी गयी हैं. यह प्राचीन ज्ञान का अप्रतिम भंडार है और इसपर सबका अधिकार है. यह एक उत्तम विचार है कि इसके चुने हुए श्लोकों को विद्धालय में पढ़ने वाले सभी छात्र-छात्राओं को पढ़ाया जाये क्योंकि 700 श्लोकों को पढ़ना एक कठिन कार्य होगा. इसका पठन पाठन सभी जातियों व धर्म अवलम्बियों को सुलभ कराया जाये क्योंकि यह पुस्तक किसी धर्म विशेष के लिये नहीं है. श्लोक संख्या 4.11 (अध्याय 4, श्लोक 11) में कहा गया है, 'जो मुझे जैसे भजता है, मैं भी उसे वैसे ही भजता हूँ. सभी लोग विभिन्न रास्तों से मेरे पास ही आते हैं।यह अत्यंत प्रभावपूर्ण होगा कि छात्र एवम छात्रायें कम उम्र से इस आश्चर्यजनक संदेश के बारे में जानें. हमें प्रयत्न करना चाहिये कि हम चुने हुए श्लोकों के अध्ययन के लिये उन्हें प्रोत्साहित करें जिससे वे अपने जीवन उद्देश्यों में सफल हों. उन्हें हम ऐसे संदेश दें कि उनका मस्तिष्क चलायमान न हो और वे अपने अध्ययन में केंद्रित रहें. सचेतन मस्तिष्क ही अध्ययन का एकमात्र उद्देश्य होना चाहिये जिससे छात्रों को अपनी मेहनत का उचित परिणाम मिले. प्रथम अध्याय में, कुरुक्षेत्र में युद्ध के लिये एकत्र हुए कौरवों व पांडवों की सेना के प्रमुख सेनापतियों का वर्णन है. उनके अस्त्र-शस्त्र, शंख आदि के विषय में बताया गया है. श्रीकृष्ण अर्जुन के रथ को दोनों सेनाओं के मध्य में ले जाते हैं. अर्जुन इस समय अनिर्णय की स्थिति में हैं और अपने सखा व रथी श्रीक्रष्ण से कुछ प्रश्न पूछते हैं।

अध्याय 2 के श्लोक संख्या 3 में श्रीक्रष्ण का प्रथम संदेश है, क्लैव्यं मा स्म गमः अर्थात कायरता को प्राप्त मत हो, तुझमें यह उचित नहीं जान पड़ती. हृदय की तुच्छ दुर्बलता को त्यागकर युद्ध के लिये खड़ा हो. यह हर बच्चे के लिये महान सीख है

कि निर्भय बनो और असफलता के डर से परेशान ना हो. क्रपया अध्याय 2.47 को देखिये जिसमें कहा गया है कि तुम्हारा अधिकार कर्म में है, फल में नहीं'. तरुणाई को प्राप्त युवक-युवतियों के लिये इससे बेहतर सुझाव क्या होगा कि तुम अपने कर्मों को करो और परिणाम के बारे में परेशान न हो.

उद्देश्य बहुत विशाल हैं और छात्रों को दैनिक आपाधापियों के लिये, संघर्षों के लिये तैयार करना है. उन्हें कठोर इच्छाशक्ति का होना होगा और अपनी इंद्रियों पर काबू करना होगा. शब्द, स्पर्श, रूप, रस व गंध ये पांच ज्ञानेंद्रियां हैं और इनका उपयोग करने के लिये कान, त्वचा, नेत्र, जीभ व नसिका आदि कर्मेन्द्रियां हैं. दुनिया में विजय पाने के लिये इन इंद्रियों पर संयम कैसे करें, इसके लिये अध्याय 2 के श्लोक संख्या 15, 38, 48, 56, 58 60, 62, 63, 67 व 68 का अध्ययन करना होगा.

श्लोक संख्या 15 में बताया गया है कि मुक्ति के लिये सुख और दुःख में समान रहना चाहिये. श्लोक संख्या 38 स्पष्ट करता है कि कर्म करते हुए सुख-दुःख में, हानि-लाभ में, जीत-हार में समभाव रखना चाहिये. श्लोक संख्या 48 में योग को पारिभाषित किया गया है, तू आसक्ति को त्याग कर तथा सिद्धि और असिद्धि में समान बुद्धिवाला होकर अपने कर्तव्य को कर. यही समभाव योग कहलाता है.

श्लोक 56 व 58 बताते हैं कि समत्व बुद्धि वालों के लक्षण क्या हैं, 'दुःखों की प्राप्ति होने पर जिसके मन में उद्वेग नहीं होता, सुखों की प्राप्ति में जो सर्वथा निःस्प्रह है तथा जिसके राग, भय और क्रोध नष्ट हो गये हैं,ऐसा व्यक्ति स्थिरबुद्धि कहा जाता है. वह व्यक्ति अपनी इंद्रियों को इंद्रिय विषयों से उसी प्रकार समेट लेता है जैसे कछुआ अपने अंगों को अपने भीतर समेट लेता है. श्लोक संख्या 60 सूक्ष्मता से चेतावनी देता है कि इंद्रियों के विषय प्रचंड हैं और वे बलपूर्वक उनके मस्तिष्क को भी प्रभावित कर सकते हैं जो उनपर विजय पाने की कोशिश कर रहा है.

श्लोक संख्या 62 व 63 अनियंत्रित इंद्रियों के, कारण और प्रभाव का अद्वितीय विवेचन करते हैं,विषयों का चिंतन करने वाले व्यक्तियों की उन विषयों में आसक्ति हो जाती है, आसक्ति से उसे प्राप्त करने की कामना होती है, कामना में विघ्न पड़ने से क्रोध होता है, क्रोध से मूढभाव उत्पन्न होता है, मूढभाव से स्मर्तिभ्रम होता है, स्मर्तिभ्रम से बुद्धि का नाश हो जाता है और बुद्धि के नाश हो जाने से व्यक्ति अपनी स्थिति से गिर जाता है. अतः जीवन में सफलता पाने के लिये अपने मस्तिष्क पर उसी प्रकार नियंत्रण करना चाहिये जैसे एक कुशल रथी रथ के घोडों पर नियंत्रण करता है. श्लोक संख्या 67 व 68 में भी समझाया गया है कि केवल एक इंद्रिय के अनियंत्रित होने भर से वह आदमी की बुद्धि को उसी प्रकार हर लेती है जैसे तेज चलती हुई वायु, पानी पर चलती हुई नाव को हर लेती है.

और अंत में, छात्रों को मालूम होना चाहिये कि दैवी प्रव्रत्तियां कौन सी हैं और आसुरी प्रव्रत्तियां कौन सी हैं जिससे वे आसुरी लक्षणों को पहचान सकें. अध्याय 16 के श्लोक 3 व 4 का उल्लेख करना यहाँ उचित होगा. तेज, क्षमा, ध्रति, स्वच्छता, किसी में शत्रु भाव का न होना व अपने में पूज्यता के अभिमान का अभाव, ये सब दैवी सम्पदा को लेकर पैदा हुए पुरुष के लक्षण हैं जबकि दम्भ, घमंड, अभिमान, क्रोध, कठोरता और अज्ञान, ये सब आसुरी सम्पदा को लेकर पैदा हुए पुरुष के लक्षण हैं।

इन श्लोकों से बच्चों को परिचित कराने से वे मानसिक रूप से मजबूत होंगे और असफलता का सामना दिलेरी से करेंगे. आत्मघाती सोच खत्म होगी. यहाँ यह दोहराना आवश्यक है कि उपरोक्त संदेश सभी छात्रों के लिए है और इसमें लड़कियां भी शामिल हैं. प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य होना चाहिये कि प्राचीन काल से संग्रहीत ज्ञान को बिना किसी भेदभाव के सबपर न्योछावर किया जाये. यह लेख विशेष रूप से बच्चों के लिए लिखा गया है।

पेड़ की डाल से लटकता मिला युवक का शव

रखौना, बस्ती। लालगंज थाना क्षेत्र के सिल्लों गांव के एक 16 वर्षीय युवक का शुक्रवार शाम कपड़े के सहारे पेड़ से लटकता शव मिला। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को फंदे से नीचे उतरवा कर कब्जे में ले लिया। सिल्लों गांव का श्रीनाथ अपनी मां व दो भाई के साथ गांव पर रहता था। पिता रामदरश व सबसे बड़ा भाई विश्वनाथ बाहर नौकरी करते हैं। मृतक श्रीनाथ गांव के बच्चों के साथ देर शाम होली खेला। इसके बाद साथ के बच्चे घर चले गए। वह भी अपने घर पहुंचा इसके बाद घर से फिर कब निकल गया किसी को पता ही नहीं चला। पश्चिम ताल के किनारे कुछ बच्चे बकरी चराने गए थे। करीब छह बजे शाम वह घर लौट रहे थे, तो देखा कि आम के पेड़ की डाल से कोई लटक कर छटपटा रहा है। वह डर गए और गांव में आकर इस बात की जानकारी दी। लोग दौड़कर देखने पहुंचे तो श्रीनाथ का शव आम की डाल में बधे कपड़े के फंदे से लटका रहा था।

शौर्य न्यूज इंडिया
24 मार्च से 30 मार्च, 2025

ट्रंप ने क्रू-9 अंतरिक्ष यात्रियों की वापसी की सराहना की

मुंबई। अंतरिक्ष में फंसे हुए नासा के दो अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर सुरक्षित धरती पर वापस आ गए है। इस ऐतिहासिक पल के बाद व्हाइट हाउस ने मंगलवार (स्थानीय समय) को इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने फंसे हुए नासा क्रू-9 अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स, निक हेग, बुच विल्मोर और रूसी अंतरिक्ष यात्री अलेक्जेंडर गोरबुनोव की वापसी को प्राथमिकता दी। व्हाइट हाउस ने कहा कि अंतरिक्ष यात्री अमेरिका की खाड़ी में सुरक्षित लौट आए, तथा उनकी सुरक्षित वापसी का श्रेय एलन मस्क को दिया गया।

वादा किया, वादा निभायाः राष्ट्रपति ट्रम्प ने नौ महीने से अंतरिक्ष में फंसे अंतरिक्ष यात्रियों को बचाने का वादा किया। आज, वे सुरक्षित रूप से अमेरिका की खाड़ी में उतर गए, एलन मस्क, स्पेसएक्स और नासा का धन्यवाद! एलन मस्क ने नासा और स्पेसएक्स

की टीमों को उनकी सफल वापसी पर बधाई दी और मिशन को प्राथमिकता देने के लिए ट्रंप को धन्यवाद दिया। स्पेसएक्स और नासा की टीमों को एक और सुरक्षित अंतरिक्ष यात्री वापसी के लिए बधाई! इस मिशन को प्राथमिकता देने के लिए डोनाल्ड ट्रंप को धन्यवाद!

इससे पहले दिन में, नासा क्रू-9 अंतरिक्ष यात्रियों ने स्पेसएक्स के ड्रैगन कैप्सूल के सफल स्पलैशडाउन के बाद नौ महीनों में पहली बार धरती की हवा में सांस ली। सीएनएन ने बताया कि अंतरिक्ष यात्री, जैसा कि प्रथागत है, स्ट्रेचर पर कैप्सूल से उतरे। स्पेसएक्स द्वारा यह एहतियात लंबी अवधि के अंतरिक्ष मिशन से लौटने वाले सभी अंतरिक्ष यात्रियों के लिए बरती जाती है। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, बोइंग के स्टारलाइनर अंतरिक्षयान में आई समस्याओं के कारण देरी हुई, जो पिछले साल गर्मियों में बुच विल्मोर और सुनीता विलियम्स द्वारा संचालित परीक्षण उड़ान के दौरान सामने आई थी, जिसके कारण अंतरिक्ष यात्री जोड़ी को एक सप्ताह के बजाय नौ महीने तक अंतरिक्ष में रहना पड़ा।

नासा के एक बयान के अनुसार, नासा के स्पेसएक्स क्रू-9 ने मंगलवार को अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए एजेंसी के नौवें वाणिज्यिक क्रू रोटेशन मिशन को पूरा कर लिया, तथा यह स्पेसएक्स ड्रैगन अंतरिक्ष यान में सवार होकर अमेरिका की खाड़ी में फ्लोरिडा के तल्हासी तट पर सुरक्षित रूप से उतर गया। नासा के अंतरिक्ष यात्री निक हेग, सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर, रोस्कोस्मोस के अंतरिक्ष यात्री अलेक्सांद्र गोरबुनोव के साथ शाम 5:57 बजे पूर्वी समय पर पृथ्वी पर वापस आ गए। स्पेसएक्स रिकवरी जहाजों पर सवार टीमों ने अंतरिक्ष यान और उसके चालक दल को वापस लाया। तट पर लौटने के बाद, अंतरिक्ष यात्री अपने परिवारों से मिलने के लिए ह्यूस्टन में नासा के जॉनसन स्पेस सेंटर जाएंगे।

नासा की कार्यकारी प्रशासक जेनेट पेट्रो ने कहा, हम सुनी, बुच, निक और अलेक्सांद्र को अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर महत्वपूर्ण विज्ञान, प्रौद्योगिकी प्रदर्शन और रखरखाव के लिए महीनों तक चले मिशन के बाद घर वापस पाकर रोमांचित हैं। राष्ट्रपति ट्रम्प के निर्देशानुसार, नासा और स्पेसएक्स ने एक महीने पहले ही कार्यक्रम को पूरा करने के लिए लगन से काम किया। इस अंतरराष्ट्रीय चालक दल और जमीन पर मौजूद हमारी टीमों ने ट्रम्प प्रशासन की चुनौती को स्वीकार किया, जिसमें हमारे चालक दल को घर वापस लाने के लिए एक अद्यतन और कुछ हद तक अनूठी मिशन योजना शामिल थी।

जेलेंस्की ने रूस पर जताई आशंका

मुंबई। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने रूस पर आरोप लगाया कि उसने नागरिक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाकर किए गए ताजा हमलों के बाद अमेरिका समर्थित युद्धविराम प्रस्तावों को प्रभावी रूप से अस्वीकार कर दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के साथ 90 मिनट की बातचीत के दौरान, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन की ऊर्जा सुविधाओं पर हमलों को रोकने पर सहमति व्यक्त की, लेकिन जब तक पश्चिम सभी सैन्य सहायता बंद नहीं कर देता, पूर्ण युद्धविराम से इनकार कर दिया। यूक्रेन और रूस संघर्ष को खत्म कराने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन से फोन पर बात की। इसकी पुष्टि वाइट हाउस ने की है। वहीं इस बातचीत से पहले यूक्रेन ने रूस की शर्तों को खारिज कर पूतिन पर आशंका जताई है। यूक्रेन का कहना है कि वह सीमा से जुड़ी कोई छूट देने को तैयार नहीं है। दूसरी शर्त है कि वह नाटो के लिए पुतिन की बात मंजूर नहीं करेगा। वाइट हाउस के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने रूस जाकर पुतिन से शांति समझौते पर चर्चा की थी, जिसमें रूस ने कुछ शर्तें रख दी थीं। उन्हीं शर्तों को नकारते हुए यूक्रेन ने अपनी शर्तें रखी हैं। ट्रंप ने फोन कॉल से पहले कहा कि वह पुतिन से उस जमीन और बिजली संयंत्रों पर चर्चा करेंगे, जो तीन साल से जारी इस युद्ध के दौरान रूस ने अपने कब्जे में ले लिए हैं। जेलेंस्की को आशंका है कि पूतिन केवल दिखावटी बातें कर रहे हैं, क्योंकि रूसी सेना लगातार यूक्रेन पर हमले कर रही है। जेलेंस्की ने यह भी दोहराया कि यूक्रेन अपने कब्जे वाले क्षेत्रों को रूस का हिस्सा मानने के लिए तैयार नहीं है। वहीं ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका और रूस अब कुछ संसाधनों के बंटवारे पर बातचीत शुरू कर चुके हैं।

नागपुर हिंसा : दंगाइयों से होगी नुकसान की भरपाई

मुंबई। नागपुर हिंसा की घटना के पांचवें दिन शनिवार को सीएम देवेंद्र फडणवीस ने नागपुर में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा-हिंसा में हुए नुकसान की भरपाई दंगाइयों की संपत्ति बेचकर वसूली जाएगी। जरूरत पड़ी तो बुलडोजर भी चलाया जाएगा। उन्होंने कहा, पीड़ितों को जल्द ही नुकसान की भरपाई की जाएगी। जिन्होंने पुलिस पर हमला किया, उनके खिलाफ कठोर से कठोर धाराएं लगाई जाएंगी। उन्होंने विपक्ष के आरोप पर कहा कि हिंसा इंटेलिजेंस फेल्योर या राजनीतिक साजिश नहीं थी। लेडी कॉन्स्टेबल के साथ छेड़छाड़ की खबर सच नहीं है। उन पर पत्थर जरूर फेंके गए थे। फडणवीस ने बताया कि यह कहना जल्दबाजी होगी कि हिंसा में कोई विदेशी या बांग्लादेशी एंगल था। हालांकि इसकी जांच की जा रही है। कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल नागपुर दौरे पर आया था, उसमें एक सदस्य अकोला हिंसा में आरोपी है। उन्होंने बताया कि हिंसा के कारण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नागपुर दौरा प्रभावित नहीं होगा। नागपुर हिंसा में घायल 40 साल के इरफान अंसारी की शनिवार दोपहर 1:20 बजे इलाज के दौरान मौत हो गई। वह 17 मार्च से इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज में भर्ती था। वेल्डर अंसारी सोमवार रात करीब 11 बजे नागपुर रेलवे स्टेशन से इटारसी के लिए ट्रेन पकड़ने के लिए घर से निकला था।

बाबा जी दिल्ली जाएं और केशव जी संभाले यूपी : हरदोई। गोपामऊ विधायक श्याम प्रकाश शनिवार को एक बार फिर मुरादपुर गांव में मन की बात कहकर चर्चा में आ गए हैं। मंच से बोले कि बाबा जी दिल्ली चले जाएंगे और केशव जी यूपी संभाले। विधायक ने मंच पर आते ही स्वागत भाषण से पहले पानी पीते हुए कहा कि स्वास्थ्य खराब है, इसलिए बोतल से पानी पी रहा हूं। कहा कि बिरादरी वाला आइटम न समझना। कहा कि मन में आया वह मंच से भी कह दिया।

भाजपा नेता ने पत्नी व बच्चों को मारी गोली

पत्नी की हालत गंभीर, घटना के पीछे अवैध संबंध का शक

सहारनपुर। जिले में शनिवार को बड़ी घटना सामने आई है। गंगोह स्थित सांगाखेड़ा में भाजपा नेता ने पत्नी और तीन बच्चों को गोली मार दिया। इसमें दोनों बेटे और बेटी की मौत हो गई। पत्नी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। बताते हैं कि गंगोह स्थित सांगाखेड़ा में भाजपा नेता योगेश रोहिला का घर में किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ। इससे नाराज होकर योगेश ने पत्नी नेहा, बेटे शिवांश, देवांश और बेटी श्रद्धा के सिर में गोली मार दी। गोली चलने की आवाज सुनकर आस पास के लिए लोग घर के अंदर पहुंचे तो उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। अंदर चारों तरफ खून बिखरा हुआ था। लोगों ने सभी को तुरंत घायलों को अस्पताल पहुंचाया, जहां उपचार के दौरान बेटे शिवांश, देवांश और बेटी श्रद्धा ने दम तोड़ दिया। वहीं पत्नी नेहा अस्पताल में जिंदगी और मौत से जूझ रही है।

पड़ोसियों ने बताया कि जिस घर में वारदात हुई है वहां काफी देर तक दरवाजा खटखटाने के बाद योगेश ने दरवाजा खोला और पुलिस को फोन करते हुए बोला- मैंने अपनी पत्नी और बच्चों को गोली मार दी है। हैरानी की बात यह रही कि उसने भागने की कोई कोशिश नहीं की। अभी तक की जांच में बताया जा रहा कि भाजपा नेता योगेश रोहिला बीते कई दिनों से मानसिक बीमारी से ग्रस्त हैं और उनका उपचार चल रहा है। हालांकि अभी इस पर किसी डॉक्टर का बयान सामने नहीं आया है कि वाकई उनकी बीमारी इतनी गंभीर थी कि वो किसी की भी जान ले सकते हैं। पुलिस की शुरुआती जांच में पता चला है कि योगेश और नेहा के बीच विवाद चल रहा था। योगेश को नेहा पर किसी से अवैध संबंध का शक था। इसी गुस्से में हत्याकांड को अंजाम दिया गया है। हालांकि अभी इस वजह की स्थित स्पष्ट नहीं है। फिलहाल पुलिस कई एंगल से इस केस की जांच कर रही है। जब तक नेहा गवाही देने की स्थिति में नहीं आ जाती तब तक कुछ भी साफतौर पर कहना मुश्किल होगा।

जानलेवा हमले में दो भाइयों को उम्रकैद

बरेली। अपर सत्र न्यायाधीश (फास्ट ट्रैक कोर्ट) प्रथम रवि कुमार दिवाकर ने आईटीआई छात्र पर कातिलाना हमले के दोषी दो सगे भाइयों को उम्रकैद और तीन-तीन लाख रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। जुर्माने अदा न करने पर दोषियों को दो-दो साल अतिरिक्त जेल में रहना पड़ेगा।

भोजीपुर थाने के गांव घुर समसपुर निवासी जसवंत मौर्य ने नौ अप्रैल 2020 को रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उसका कहना था कि शाम पांच बजे उसकी भाभी उर्मिला छत पर कपड़े डालने गई थीं। इसी दौरान गांव का मोर सिंह उनको गालियां देने लगा। जसवंत ने इसका विरोध किया। तभी मोर सिंह के भाई सुरेंद्र, नरोत्तम और अशोक भी आ गए। इन लोगों ने लाठी और रॉड से उस पर हमला कर दिया।

इससे वह गंभीर घायल हो गया। रिपोर्ट दर्ज करने के बाद पुलिस ने मार्च 2022 में मोर सिंह और नरोत्तम के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की।

गुजरात दंगों के 6 आरोपियों को किया बरी

गिरफ्तारी से यह साबित नहीं होता कि वे गैरकानूनी भीड़ का हिस्सा थे : एचसी

अहमदाबाद। सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात के गोधरा कांड के बाद हुए दंगों के मामले के छह आरोपियों को बरी कर दिया। कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए कहा कि किसी मामले में सिर्फ मौके पर मौजूद होना या वहां से गिरफ्तारी होना यह साबित नहीं करता है कि वे गैरकानूनी भीड़ का हिस्सा थे। जस्टिस पी एस नरसिम्हा और जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ ने गुजरात हाईकोर्ट के 2016 के उस फैसले को खारिज कर दिया, जिसमें गोधरा कांड के बाद 2002 में हुए दंगों के मामले में छह लोगों को बरी करने के फैसले को पलट दिया था।

धीरूभाई लालभाई चौहान और पांच अन्य को उस घटना में एक साल की जेल की सजा सुनाई गई थी, जिसमें कथित तौर पर भीड़ ने वडोद गांव में एक कब्रिस्तान और एक मस्जिद को घेर लिया था। सभी अपीलकर्ता आरोपियों को मौके से

गिरफ्तार कर लिया गया था। निचली अदालत ने सभी 19 आरोपियों को बरी कर दिया था, लेकिन हाईकोर्ट ने उनमें से 6 को दोषी माना था। एक आरोपी की मामला लंबित रहने के दौरान मौत हो गई थी। अपीलकर्ताओं सहित 7 लोगों को एफआईआर में नामजद किया था। सुप्रीम कोर्ट ने एक निचली अदालत के 2003 के फैसले को बहाल करते हुए उन्हें बरी कर दिया। कोर्ट ने कहा कि किसी भी तरह की दोषी भूमिका के अभाव में मौके पर उनकी गिरफ्तारी 28 फरवरी 2002 को वडोद में हुई घटना में उनकी संलिप्तता के बारे में निर्णायक नहीं है। खासकर तब जब उनके पास से न तो विध्वंस का कोई हथियार बरामद हुआ और ना ही कोई भड़काऊ सामग्री। बेंच ने कहा कि इस प्रकार सावधानी के नियम के रूप में और कानून के नियम के रूप में नहीं, जहां रिकॉर्ड पर मौजूद साक्ष्य इस तथ्य को स्थापित करते हैं कि बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे, केवल उन व्यक्तियों को दोषी ठहराना सुरक्षित हो सकता है, जिनके खिलाफ प्रत्यक्ष कृत्य का आरोप लगाया गया है। बेंच ने कहा कि ऐसी स्थिति में अदालत के लिए यह तय करना महत्वपूर्ण है कि क्या अभियुक्त जिस पर मुकदमा चलाया जा रहा है वह गैरकानूनी भीड़ का हिस्सा था या सिर्फ एक दर्शक था। ऐसा निर्धारण मामले के सिद्ध तथ्यों के आधार पर अनुमानात्मक है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि इस मामले में अपीलकर्ता उसी गांव के निवासी थे, जहां दंगे भड़के थे, इसलिए घटनास्थल पर उनकी उपस्थिति स्वाभाविक है। कोर्ट ने कहा कि इतना ही नहीं अभियोजन पक्ष का यह मामला नहीं है कि वे हथियार या विध्वंस के उपकरण लेकर आए थे। बेंच ने कहा कि हाईकोर्ट द्वारा लिया गया विपरीत दृष्टिकोण पूरी तरह से अनुचित है।

भीषण गर्मी में भी काशी में नहीं होगा जलसंकट

वाराणसी। वाराणसी में पेयजल आपूर्ति को लेकर जलकल विभाग ने अपनी कमर कस ली है। आने वाले समय में भीषण गर्मी को देखते हुए संभावित जल संकट को लेकर पूरी जलकल की टीम अलर्ट है। आवश्यकतानुसार ट्यूबवेल, मिनी ट्यूबवेल, सेटलिंग टैंक और वाटर ट्रीटमेंट प्लांट लगाए जा रहे हैं और इतना ही नहीं गंगा की सूखती धारा को देखते हुए भी प्रक्रिया निरंतर जारी है। इसी संबंध में यानि वाराणसी में पेयजल आपूर्ति को लेकर जलकल विभाग के सचिव ओपी सिंह ने जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शहर में गंगा से जल आपूर्ति के लिए दो प्रमुख पंपिंग स्टेशन कार्यरत हैं झ भदैनी पंपिंग स्टेशन से 110 टछऊ और रामपुरी पंपिंग स्टेशन से 55 टछऊ पानी लिया जाता है। गंगा जल को स्वच्छ बनाने की प्रक्रिया पर उन्होंने बताया कि जलकल विभाग के पास एक विशेष सेटलिंग टैंक और वाटर ट्रीटमेंट प्लांट है, जो गंगा जल को शुद्ध करने का कार्य करता है।

ब्राह्मणों को खाना परोसने को लेकर विवाद

बिगड़ा माहौल : एक को लगी गोली, स्थिति तनावपूर्ण पुलिस ने जाम खुलवाया

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र के केशव पार्क में चल रहे 1000 कुंडीय महायज्ञ में शनिवार को खाने को लेकर विवाद इतना बढ़ गया कि माहौल तनावपूर्ण हो गया। आरोप है कि ब्राह्मणों को बासी खाना परोसने को लेकर कहासुनी हो गई, जिसके बाद स्थिति बिगड़ गई। विवाद के दौरान एक सुरक्षाकर्मी ने गोली चला दी, जो आशीष तिवारी नामक ब्राह्मण को लगी। उन्हें गंभीर हालत में लोकनायक जयप्रकाश नागरिक अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। इस घटना से नाराज ब्राह्मणों ने महायज्ञ स्थल के बाहर कुरुक्षेत्र-कैथल रोड जाम कर दिया। प्रदर्शनकारियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए पुलिस ने सख्ती दिखाई और जाम खुलवाने का प्रयास किया। फिलहाल मौके पर भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है और स्थिति को नियंत्रण में रखने की कोशिश की जा रही है। हालांकि, माहौल अभी भी तनावपूर्ण बना हुआ है। पुलिस प्रशासन ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है और घटना की जांच शुरू कर दी गई है।

18 मार्च से शुरू हुआ यह महायज्ञ 27 मार्च तक चलना था, जिसके लिए 1008 कुंडीय यज्ञशाला बनाई गई थी। महायज्ञ में हर दिन 1,00,000 आहुतियां डाली जा रही थीं। अब इस विवाद के बाद आयोजन को लेकर संशय बना हुआ है। अब तक इस महायज्ञ में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बडोली, मुख्यमंत्री की पत्नी सुमन सैनी और पूर्व राज्य मंत्री सुभाष सुधा जैसे कई बड़े नेता शामिल हो चुके हैं। कुरुक्षेत्र में हुए विवाद के बाद ब्राह्मण समाज के विरोध प्रदर्शन को पुलिस ने समझाइश देकर शांत कराया। गुस्साए ब्राह्मणों ने कुरुक्षेत्र-कैथल रोड पर जाम लगा दिया था, जिसे पुलिस ने समझाइश और चेतावनी देकर खुलवाया। स्थिति को नियंत्रण में रखने के लिए डीएसपी सुनील कुमार के नेतृत्व में भारी पुलिस बल तैनात किया गया।

हालांकि, विरोध कर रहे ब्राह्मण समुदाय के लोग फिलहाल शनि समाज धर्मशाला में एकत्रित हैं और आगे की रणनीति पर चर्चा कर रहे हैं। महायज्ञ स्थल पर हुई गोलीबारी में लखनऊ निवासी 15 वर्षीय आशीष तिवारी घायल हो गए। वहीं, प्रिंस शुक्ला भी घायल हुए हैं, जिन्हें पत्थर लगने की बात सामने आई है। पुलिस ने तीन से चार राउंड गोलियों के खोल बरामद कर लिए हैं।

आईपीएल के 18वें सीजन का रंगारंग आगाज

कोलकाता। आईपीएल के 18वें सीजन का धमाकेदार आगाज हुआ। यहां कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम में शनिवार को आयोजित ओपनिंग सेरेमनी में बॉलीवुड स्टार शाहरुख खान, विराट कोहली और रिंकू सिंह ने एक साथ डांस किया। कोहली ने झूमे जो पठान और रिंकू सिंह ने मैं लुट गया...गाने पर एक्टर शाहरुख खान के साथ स्टेप किए। पहली प्रस्तुति श्रेया घोषाल ने दी। उन्होंने भूल भुलैया फिल्म के गाने मेरे ढोलना सुन...पहला गाना गाया। उसके बाद घूमर-घूमल और कर हर मैदान फतह...जैसे गाने गए। फिर बॉलीवुड एक्ट्रेस दिशा पाटनी ने मलंग-मलंग में डांस किया। पंजाबी सिंगर करण औजला ने माहौल पूरा बेबी-बेबी..., हुसन तेरा तौबा-तौबा गाया...गया। औजला की प्रस्तुति में दिशा पाटनी ने भी परफॉर्म किया।

लद्दाख का हिस्सा चीन के कब्जे में

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को संसद में बताया कि भारत को चीन के दो नए काउंटी (कस्बे) बनाने की जानकारी मिली है, जिसका कुछ हिस्सा लद्दाख में आता है। सरकार ने कहा कि इसका डिप्लोमैटिक तरीके से कड़ा विरोध दर्ज कराया गया है। विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित जवाब में कहा, भारतीय जमीन पर चीन के अवैध कब्जे को कभी स्वीकार नहीं किया गया है। नए काउंटी बनाने से न तो इस इलाके पर भारत की स्थिति पर कोई असर पड़ेगा और न ही इससे चीन के अवैध और जबरन कब्जे को कोई वैधता मिलेगी। चीन ने पिछले साल दिसंबर में होतान प्रांत में दो नई काउंटी हेआन और हेकांग बनाने का ऐलान किया था। तब भारत ने साफ-साफ कहा था इन काउंटियों में मौजूद कुछ इलाके भारत के केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख का हिस्सा हैं और चीन का दावा पूरी तरह से अवैध है। तब चीन ने ब्रह्मपुत्र नदी पर एक डैम बनाने की भी घोषणा की थी। इस पर भी भारत ने आपत्ति जताई थी। विदेश मंत्रालय से पूछा गया था कि क्या सरकार को होतान प्रांत में चीन के दो काउंटी बनाने की जानकारी है, जिनमें लद्दाख से जुड़े भारतीय इलाके भी शामिल हैं? अगर हां तो सरकार ने इस मुद्दे का हल निकालने के लिए क्या रणनीतिक और कूटनीतिक उपाय किए हैं? इसके जवाब में विदेश राज्य मंत्री ने कहा कि भारत सरकार को इसकी जानकारी है। सरकार यह जानती है कि चीन सीमा के नजदीक बुनियादी ढांचे का विकास कर रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार सीमा के नजदीक वाले इलाके में बुनियादी ढांचे में सुधार पर खास ध्यान दे रही है, ताकि इन इलाकों में विकास तेज हो सके और साथ ही भारत की सामरिक और सुरक्षा जरूरतों को भी पूरा किया जा सके। विदेश राज्य मंत्री ने कहा कि पिछले दशक (2014-2024) में सीमा के पास के इलाकों में इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलप करने के लिए बजट आवंटन में इजाफा हुआ है। उन्होंने कहा कि सड़क नेटवर्क, पुलों और सुरंगों की संख्या में पहले की तुलना में काफी ज्यादा इजाफा हुआ है। आबादी को कनेक्टिविटी देने और सैनिकों को बेहतर रसद पहुंचाने में मदद मिली है।

यूं ही सुर्खियों में नहीं छा गए जस्टिस यशवंत

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट के जज यशवंत वर्मा फिर सुर्खियों में हैं। हाल ही में उनके आवास से कथित तौर पर बड़ी मात्रा में कैश बरामद हुआ है। यह खुलासा तब हुआ जब उनके घर में आग लगने की सूचना के बाद दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंचकर जांच की। बड़ी मात्रा में नकदी बरामद होने से एक पुराने आर्थिक घोटाले की परतें खुलने लगी हैं। यह घोटाला सिम्भौली शुगर मिल फ्रॉड मामले से जुड़ा हुआ है, जिसमें जस्टिस वर्मा भी आरोपी के रूप में नामित थे।

बता दें 2018 में सीबीआई ने सिम्भौली शुगर मिल्स लिमिटेड के खिलाफ जांच शुरू की थी, जिसमें कंपनी पर ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स से लिए गए करोड़ों रुपए के ऋण को गलत तरीके से इस्तेमाल करने का आरोप था। बैंक ने आरोप लगाया था कि कंपनी ने किसानों के लिए जारी 97.85 करोड़ रुपए के ऋण का दुरुपयोग किया और इन धनराशियों को अन्य उद्देश्यों के लिए मोड़ दिया। मई 2015 तक इस घोटाले को संभावित धोखाधड़ी मानते हुए आरबीआई को रिपोर्ट कर दिया गया था। सीबीआई ने इस मामले में 12 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी, जिसमें यशवंत वर्मा 10वें आरोपी के रूप में सूचीबद्ध थे। उस समय, वह कंपनी के नॉन-एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर के रूप में कार्यरत थे।

जांच धीमी होती चली गई और किसी बड़े कदम की घोषणा नहीं की गई।

फरवरी 2024 में एक अदालत ने सीबीआई को बंद पड़ी जांच को दोबारा शुरू करने का आदेश दिया था, लेकिन इसके कुछ ही समय बाद, सुप्रीम कोर्ट ने इस आदेश को पलट दिया, जिससे सीबीआई की जांच को तत्काल प्रभाव से बंद कर दिया गया। इस फैसले के बाद, सिम्भौली शुगर मिल घोटाले से जुड़े वित्तीय अनियमितताओं की किसी भी जांच की संभावना खत्म हो गई। रिपोर्टों के मुताबिक आग बुझाने के दौरान दमकल कर्मियों को संदिग्ध परिस्थितियों में भारी मात्रा में नकदी मिली थी, जिसके बाद यह मामला सुप्रीम कोर्ट के कॉलेजियम तक पहुंच गया। कॉलेजियम ने जस्टिस वर्मा को दिल्ली हाई कोर्ट से इलाहाबाद हाई कोर्ट ट्रांसफर करने की प्रक्रिया शुरू की है, हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि यह ट्रांसफर नकदी बरामदगी की जांच से संबंधित नहीं है।

हालांकि भारी मात्रा में नकदी मिलने से उनकी पुरानी वित्तीय गतिविधियों पर फिर से सवाल उठने लगे हैं। इससे न केवल उनकी 22 सालों की बेदाग न्यायिक छवि प्रभावित हुई है, बल्कि सिम्भौली शुगर घोटाले में उनकी भूमिका पर भी नए सिरे से बहस छिड़ गई है। कांग्रेस के प्रवक्ता पवन खेड़ा ने कहा कि यह बेहद गंभीर मामला है। जस्टिस वर्मा उन्नाव बलात्कार जैसे संवेदनशील मामलों की सुनवाई कर रहे थे। जनता के न्यायपालिका में भरोसे को बनाए रखने के लिए यह पता लगाना जरूरी है कि यह पैसा किसका था और इसे जज को क्यों दिया गया। उन्होंने यह भी तंज कसा कि दमकल विभाग ईडी और सीबीआई से बेहतर काम कर रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि दिल्ली हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने इस मामले की आंतरिक जांच शुरू कर दी है और उनकी रिपोर्ट भारत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना को सौंपी जाएगी। रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई तय की जाएगी।

दो हजार कर्मियों को निकालने का एलान

मुंबई। दुनियाभर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के बढ़ते इस्तेमाल को लेकर नौकरियों पर खतरे की आशंका है। अब इस आशंका को सच साबित कर बैंकिंग क्षेत्र की दिग्गज कंपनी मॉर्गन स्टेनली ने बड़ी संख्या में कर्मचारियों की छंटनी का फैसला किया है। बैंक ने घोषणा की है कि वे अपने 80,000 कर्मचारियों में से 2,000 को इस माह के अंत तक नौकरी से निकाल देगी। बैंक ने छंटनी की मुख्य वजह कमजोर प्रदर्शन और एआई एवं ऑटोमेशन का बढ़ता प्रभाव बताया है। हालांकि, यह फैसला हैरान करने वाला है, क्योंकि मॉर्गन स्टेनली ने 2024 में 61.8 बिलियन डॉलर का रिकॉर्ड राजस्व अर्जित किया था। बावजूद इसके, बैंक ने लागत में कटौती और दक्षता बढ़ाने के लिए यह कदम उठाने का निर्णय लिया है।मॉर्गन स्टेनली में यह छंटनी नए सीईओ टेड पिक के नेतृत्व में की जा रही है। यह उनके कार्यकाल की पहली बड़ी छंटनी बताई जा रही है, जिसका असर बैंक के विभिन्न विभागों पर पड़ेगा। हालांकि, 15,000 फाइनेंशियल एडवाइजर्स की नौकरियों को सुरक्षित रखा गया है। बैंक का कहना है कि उसकी रणनीति लागत को कम करना है, क्योंकि कर्मचारियों के कंपनी छोड़ने की दर काफी कम हो गई है और एआई का उपयोग बढ़ने से काम को कम संसाधनों में अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है। मॉर्गन स्टेनली ने हाल के वर्षों में कई एआई टूल्स विकसित किए हैं, जो बैंकिंग सेवाओं को तेज और कुशल बनाने में मदद कर रहे हैं। सितंबर 2023 में, बैंक ने एक एआई नॉलेज असिस्टेंट लांच किया, जो फाइनेंशियल एडवाइजर्स को रिसर्च में तेजी से जानकारी खोजने में मदद करता है। रिपोर्ट के मुताबिक, केवल मॉर्गन स्टेनली ही नहीं, बल्कि जेपी मॉर्गन और गोल्डमैन सॉक्स सहित 100 बड़े बैंकों के अधिकारी मानते हैं कि अगले 3 से 5 वर्षों में एआई के कारण 3 प्रतिशत नौकरियां खत्म हो जाएंगी। अमेरिका में करीब 200,000 नौकरियों पर खतरा मंडरा रहा है। एआई और ऑटोमेशन के बढ़ते प्रभाव से बैंकिंग और अन्य क्षेत्रों में नौकरियों की स्थिति अस्थिर होती जा रही है।

योजनाओं की प्रगति संतोषप्रद न होने पर नोडल अधिकारी नाराज

कई महीनों से विभागों का टारगेट पूरा न होने पर जिलाधिकारी को दिया सुधार लाने का दिया निर्देश

शौर्य न्यूज इंडिया

वाराणसी। जिले के नोडल अधिकारी व उप्र जल निगम के प्रबंध निदेशक ने कई महत्वपूर्ण योजनाओं में अपेक्षित प्रगति न होने पर गहरी नाराजगी जाहिर की। नोडल अधिकारी ने ऐसे विभाग जिनका टारगेट पिछले कई महीनों से पूरा नहीं हो रहा है उनकी गहराई से जिलाधिकारी स्तर पर समीक्षा कराने का निर्देश दिया। नोडल अधिकारी ने शनिवार को कमिश्नरी सभागार में सीएम डैशबोर्ड पर विकास कार्यों की समीक्षा की। नोडल अधिकारी ने कटिंग मेमोरियल ग्राउंड का स्थलीय निरीक्षण कर सेवा- सुरक्षा-सुशासन कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर पीने के पानी के उचित प्रबंध के साथ टॉयलेट, स्वास्थ्य कैंप, ओआरएस पैकेट्स व एम्बुलेंस की व्यवस्था करने का निर्देश दिया।

जिले के नोडल अधिकारी व उप्र जल निगम के प्रबंध निदेशक डा राजशेखर ने यहां चल रही परियोजना की समीक्षा की। सीडीओ हिमांशु नागपाल ने बताया कि 30 विभाग की कुल 88 स्कीम में जिले की रैंक 18 है जिसमें 68 स्कीम को ए प्लस प्लस मिला है। नोडल अधिकारी ने जल जीवन मिशन (ग्रामीण) में 145 ग्रामों में कार्य की भौतिक प्रगति और गुणवत्ता बनाने के लिए 31 मार्च तक का समय देते हुए अप्रैल के प्रथम सप्ताह में मुख्यालय से एक टीम भेजकर इसका सत्यापन कराने की चेतावनी दी। उन्होंने सभी विभागों के अधिकारियों से कहा कि काशी में कार्य करना अपने में गर्व की बात है। यहां काम का अवसर मिलना सौभाग्य की बात है इसलिए सभी अधिकारी पूरी तन्मयता से कार्य करें। बैठक में अपर पुलिस आयुक्त डॉ एस. चिनप्पा, एडीएम वित्त एवं राजस्व वंदिता श्रीवास्तव समेत पीडब्ल्यूडी, विद्युत, शिक्षा, नगर निगम आदि विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

25 से 27 तक कटिंग मेमोरियल में होंगे कार्यक्रम : सीडीओ ने बताया कि उप्र सरकार की आठ वर्ष तथा केंद्र सरकार की वर्ष की उपलब्धियों के तहत 25 से 27 मार्च तक सेवा-सुरक्षा-सुशासन कार्यक्रम आयोजित किया गया है। उन्होंने बताया कि कटिंग मेमोरियल ग्राउंड में तीन दिवसीय कार्यक्रम में संवरती काशी, क्लीन गंगा, कैरियर काउंसलिंग, मिशन शक्ति समेत 16 अन्य विभागों के स्टॉल लगेंगे। विभिन्न स्टालों पर राज्य सरकार व वाराणसी के अचीवमेंट को बताया जाएगा तथा विभिन्न स्कीम के बारे में जागरूक करते हुए उनके इंरोलमेंट भी किए जाएंगे। संवरती काशी में पिछले 10 वर्षों में हुए कार्यों को विभिन्न माडल तथा फोटो, वीडियो को प्रदर्शित किया जाएगा। इंवेस्ट यूपी के स्टॉल पर राज्य तथा जिले में हुए निवेश को प्रदर्शित किया जायेगा।

तीन दिनी कार्यक्रम के प्रथम दिन की थीम 'महिला सशक्तीकरण तथा ओडीओपी' होगी जिसमें लाभार्थियों को आयुष्मान भारत, आवास समेत लाभकारी योजनाओं के पत्र वितरित किये जाएंगे। द्वितीय दिन 'किसान कल्याण तथा युवा रोजगार' की थीम के साथ मुख्य अतिथि द्वारा नयी भर्ती आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को नियुक्ति पत्र, किसानों को उनके विभिन्न इक्विपमेंट समेत लखपति दीदी योजना के तहत प्रमाणपत्र वितरित किये जायेंगे। तृतीय दिन अंत्योदय से सर्वोदय तक तथा इनवेस्ट यूपी की थीम के तहत श्रम मंत्री की उपस्थिति में दिव्यांग उपकरणों समेत नए राशन कार्ड वितरित किये जाएंगे। कार्यक्रम स्थल पर मुफ्त स्वास्थ्य कैंप, आखों की जांच समेत विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम, संवरती काशी पर क्विज प्रतियोगिता के साथ सेल्फी प्वाइंट का निर्माण किया जायेगा।

योजनाओं की हालत खस्ता

जिले के नोडल अधिकारी व उप्र जल निगम के प्रबंध निदेशक डा राजशेखर ने मत्स्य संपदा योजना, सीएम आवास योजना, प्राथमिक विद्यालयों में मध्याह्न भोजन योजना, फैमिली आईडी समेत उप्र प्रोजेक्ट कार्पोरेशन लिमिटेड के कई प्रोजेक्ट्स तथा पीडब्ल्यूडी की कई सड़कों के निर्माण में लगातार विलंब होने पर विभागीय अधिकारियों को फटकार लगायी। उन्होंने प्रोजेक्ट्स में देरी और लक्ष्य के अनुरूप प्रगति न होने को लेकर अफसरों से सवाल-जवाब किया। उन्होंने प्रोजेक्ट्स में देरी को मुख्यालय स्तर पर देखने की हिदायत दी।

आठ विभूतियों के नाम पर होंगी सड़कें

वाराणसी। देश को गौरवान्तित करने वाले काशी के आठ विभुतियो के नाम से शहर के कई सड़कों का नाम रोशन होगा। इसके लिए मिनी सदन ने जहां स्वीकृति हेतु लखनऊ प्रस्ताव भेजा है,वही शासन से हरी झंडी मिलते ही नगर निगम नामांकरण बोर्ड लगवाने की तैयारी में है। विश्व में अपनी कला और संगीत से भारतीय संस्कृति की मशाल जलाने तथा काशी के नाम का परचम फहराने वाले ऐसे महान विभुतियो के सम्मान में मार्गो का नाम रखा जाएगा। जिसमे काशी के घराने के गिरजा देवी,उस्ताद विस्मिल्लाह खांन,पंड़ित किशन महराज, कण्डे महराज,सामता महराज उर्फ गुदई महराज,सिदेश्वरी देवी,जद्दन बाई, डा.जयशंकर दूबे आदि लोगो के नाम शामिल है। शहनाई के जादूगर की पहचान रखने, ठुमरी गायन से भारतीय शास्त्रीय कला को मुकाम देने ,तबले की थाप के जरिए उंगलियों का जादू विखेरने, अभिनय से भारतीय सिनेमा के अग्रदूत कहे जाने,शास्त्रीय गायन को शीर्ष ऊंचाइयों तक पहुंचाने,अपनी लेखन और रचना को प्रसिद्धि दिलाने वाले महान हस्तियो के नाम से जल्द शिलापट्ट लगाया जाएगा।

अप्रैल में चलेगा विशेष संचारी रोग अभियान

वाराणसी। जनपद में संचारी रोगों जैसे डेंगू, मलेरिया, फाइलेरिया आदि मच्छर जनित बीमारियों के प्रभावी नियंत्रण और कार्रवाई के लिए एक से 30 अप्रैल तक विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान और 10 से 30 अप्रैल तक दस्तक अभियान चलाया जाएगा। अभियान के सफलता पूर्वक संचालन के लिए शनिवार को कलेक्ट्रेट सभागार में मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु नागपाल की उपस्थिति में जिला टास्क फोर्स की बैठक आयोजित की गई।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग व विभिन्न विभागों के आपसी समन्वय से डेंगू, मलेरिया, टीबी, फाइलेरिया आदि संचारी रोगों की रोकथाम के लिए यह अभियान पूरे अप्रैल माह संचालित किया जाएगा।

समस्त विभागों के सामंजस्य से ही इस अभियान को शत-प्रतिशत सफल बनाया जा सकता है। डेंगू की रोकथाम को लेकर जिला प्रशासन व स्वास्थ्य विभाग सहित समस्त सहयोगी विभागों को ठोस कदम उठाने होंगे। उन्होंने पंचायती राज एवं ग्राम्य विकास विभाग को निर्देशित किया कि आपसी समन्वय से साफ-सफाई का कार्य, लार्वी साइडल स्प्रे, फॉगिंग, खराब इण्डिया मार्क-2 हैण्डपम्प की मरम्मत एवं उथले हैण्डपम्पों के चिन्हीकरण, नालियों एवं तालाबों की साफ-सफाई एवं मार्गों के खरपतवार/झाड़ियों की कटाई-छंटाई का कार्य कराया जाए। हाई रिस्क वाले गांव व क्षेत्र की विशेष निगरानी की जाए जिससे वेक्टर घनत्व नियंत्रित किया जा सके।

उन्होंने निर्देशित किया कि कोल्ड फागिंग शहरी क्षेत्रों के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी कराया जाये। हीट वेव के प्रबंधन हेतु आवश्यक गतिविधियाँ संचालित की जायें गर्मी के मौसम में संबंधित रोगों (हीट रिलेटेड इलनेसेज) के विषय में अंतर्विभागीय समन्वय स्थापित करते हुए भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर जनमानस हेतु शीतल एवं शुद्ध पेयजल की व्यवस्था, गर्मी से बचाव हेतु शेलटर्स की व्यवस्था, व्यस्त स्थानों पर मौसम के पूवार्नुमान तथा तापमान का डिस्प्ले, हीट वेव से बचाव हेतु जनमानस में व्यापक प्रचार-प्रसार तथा विद्यालयों में हीट वेव से बचाव हेतु उपायों का विद्यार्थियों में व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए, नगर स्वास्थ्य अधिकारी व नगर निगम को निर्देशित किया कि संक्रामक रोगों की रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए माइकिंग के माध्यम से प्रचार-प्रसार का कार्य कराया जाए।

नगरीय क्षेत्रों में झुग्गी झोंपड़ी व स्लम एरिया क्षेत्रों में विशेष रूप से सफाई अभियान चलाया जाए। साफ-सफाई कीटनाशक रसायनों का छिड़काव, फॉगिंग, जलजमाव निकासी, मच्छरों के प्रजनन स्थानों का नष्टीकरण, ब्रीडिंग न होने देना सोर्स रिडेक्शन का कार्य कराया जाए। वेक्टर जनित रोगों यथा डेंगू, चिकनगुनिया, मलेरिया, फाइलेरिया तथा कालाजार आदि रोगों की रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए प्रचार-प्रसार का कार्य करायेंगे। मोहल्ला निगरानी समिति द्वारा उपरोक्त कार्यों का अनुश्रवण किया जाएगा। इस बैठक में एसीएमओ, नगर स्वास्थ्य अधिकारी, डिप्टी सीएमओ, डीपीआरओ, डीपीओ (आईसीडीएस), जिला मलेरिया अधिकारी एससी पांडेय समेत समस्त खण्ड विकास अधिकारी डब्ल्यूएचओ प्रतिनिधि,यूनिसेफ से डॉ शाहिद व अन्य विभागों के मुख्य अधिकारी व सहकर्मी एवं अन्य अधिकारी व स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे।

प्रभारी मंत्री सुरेश खन्ना ने सड़क चौड़ीकरण कार्यों का देखा हाल

वाराणसी। प्रदेश के वित्त एवं संसदीय कार्य तथा जनपद के प्रभारी मंत्री सुरेश खन्ना ने शनिवार को काली माता मंदिर से आवास विकास होते हुए वाराणसी-आजमगढ़ सड़क मार्ग के चौड़ीकरण व सुदृढ़ीकरण के कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने सड़क निर्माण के शेष कार्य को अभियान चलाकर तत्काल पूरा कराने का निर्देश दिया।

प्रभारी मंत्री को बेलवा बाजार लमही में निमार्णाधीन सड़क के बारे में जिलाधिकारी ने मैप के माध्यम से भौतिक प्रगति की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सड़क चौड़ीकरण का लगभग 89 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है, शेष कार्य शीघ्र पूर्ण करा लिया जाएगा। प्रभारी मंत्री ने बचे हुए निर्माण कार्यो को गुणवत्ता और मानक के अनुरूप पूरा कराने और काम में तेजी लाने का निर्देश दिया। इस दौरान अपर पुलिस आयुक्त डॉ एस चिनप्पा, सीडीओ हिमांशु नागपाल समेत कई अधिकारी मौजूद रहे।

'ग्रांट थार्नटन' कंपनी देगी सलाह

पूर्वांचल और दक्षिणांचल डिस्कॉम के सलाहकार का चयन

वाराणसी। तमाम विरोधों के बीच पूर्वांचल और दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगमों के 42 जिलों की बिजली के निजीकरण के लिए तकनीकी सलाहकार चयन को फाइनेंसियल बिड खोल दिया गया। न्यूनतम बोली के आधार पर ग्रांट थार्नटन नामक कंपनी का सलाहकार बनना तय माना जा रहा है। बिड खोले जाने की प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए इसे रद करने की मांग कर्मचारी और उपभोक्ता संगठनों ने की है।

विभागीय सूत्रों के अनुसार फाइनेंसियल बिड में अर्न्स्ट एंड यंग को 91, डेलाइट को 84 और ग्रांट थार्नटन को 83 नंबर मूल्यांकन कमेटी ने दिए। ग्रांट थार्नटर की फाइनेंसियल बिड भी न्यूनतम आई है। ग्रांट थार्नटर की बिड जहां ढाई करोड़ रुपये से कम आई है, वहीं अन्य दोनों की 10 करोड़ रुपये से अधिक थी। इसके आधार पर ग्रांट थार्नटन को सलाहकार का टेंडर अवार्ड होना तय माना जा रहा है। राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने बिड खोले जाने की पूरी प्रक्रिया पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा है कि पूरा टेंडर पहले से फिक्स था। हितों के टकराव के दायरे में आ रहीं दो कंपनियों को सिर्फ इसलिए टेंडर में बनाए रखा गया ताकि तीन टेंडर का मानक पूरा हो सके।

उन्होंने आरोप लगाया है कि असंवैधानिक तरीके से टेंडर खोला गया है। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मांग की है कि वह इस मामले में हस्तक्षेप करें। भ्रष्टाचार के इस मामले में शामिल अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। दूसरी तरफ, विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति ने कहा है कि सलाहकार चयन के टेंडर में अपनाई गई प्रक्रिया पूरी तरह असंवैधानिक है। लाखों करोड़ की संपत्ति लूटने के लिए यह मिला-जुला खेल खेला गया है। मिलजुल कर तीन टेंडर डलवाए गए। तीनों कंपनियां हितों के टकराव के दायरे में आती हैं। यह खुलेआम भ्रष्टाचार का मामला है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से अपील की है कि भ्रष्टाचार को रोकने के लिए निजीकरण का निर्णय तत्काल रद करें।

टोल फ्री नंबर तत्काल रिसीव हो

वाराणसी। उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन के अध्यक्ष डॉ. आशीष कुमार गोयल ने उपभोक्ताओं के लिए टोल फ्री नंबर 1912 की सेवाएं और बेहतर करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने सिस्टम को और अधिक विकसित करने को कहा है, जिससे उपभोक्ताओं के काल तत्काल रिसीव हों और काल ड्राप की समस्या न आए। अध्यक्ष डॉ. आशीष गोयल ने कहा कि उपभोक्ताओं को इस सेवा पर बेहतर रिस्पांस मिले। इसके लिए काल सेंटर में काम करने वाले कार्मिकों को प्रशिक्षित करने का आदेश भी दिया है। प्रशिक्षण के तहत काल सेंटर कार्मिकों को यह बताया जाएगा कि वह फोन करने वाले उपभोक्ता से शालीन व्यवहार करें। उनकी समस्याएं पूरे धैर्य के साथ सुनें और शिकायतों को संबंधित अधिकारी तक भेजकर समस्या का निदान कराएं।

मतदाता सूची में नाम जोड़वाने के लिए इस तरह करें आवेदन

वाराणसी। जिलाधिकारी एस राजलिंगम ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मतदाता सूची में नए मतदाता का नाम जोड़ने के लिए फार्म-6, प्रवासी मतदाताओं के लिए फार्म-6ए, किसी प्रविष्टि के अपमार्जन के लिए फार्म-7 तथा मतदाताओं के निवास स्थान परिवर्तन व निर्वाचक नामावली में संशोधन, मतदाता फोटो पहचान पत्र का प्रतिस्थापन तथा दिव्यांग मतदाताओं के चिह्नांकन के लिए फार्म-8 निर्धारित है। उन्होंने बताया कि जो मतदाता 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर रहे हैं और अभी तक उनका नाम मतदाता सूची में शामिल नहीं है वो अपना आवेदन फार्म-6 पर प्रस्तुत कर मतदाता सूची में नाम दर्ज करा सकते हैं। आवेदन पत्र पूर्ण रूप से भरा होना चाहिए और उस पर आवेदक का हस्ताक्षर व अंगूठा का निशान अनिवार्य है। फार्म - 6 के साथ आयु व निवास के सम्बन्ध में साक्ष्य एवं अद्यतन पासपोर्ट साइज की रंगीन फोटो संलग्न करना आवश्यक है। मतदाता सूची में दर्ज किसी प्रविष्टि को शुद्ध कराने के लिए मतदाता फार्म -8 पर अपना रंगीन पासपोर्ट साइज का फोटो लगाकर संशोधित की जाने वाले प्रविष्टि से संबंधित साक्ष्य संलग्न कर संशोधन करा सकते है।

मच्छरों का बढ़ा आतंक

वाराणसी। भव्य काशी में दिव्य मच्छरो के आंतक से नागरिक परेशान है। इनका कैसे होगा सफाया, और इन पर कैसे लगेंगी रोक? इसे लेकर नगर निगम प्रशासन की अब तक की समूची कवायद बेनतीजा रही है। नगर निगम ने एक बार फिर मच्छरो से मुकाबले के लिए कमर कसनी शुरू कर दी है। इसको लेकर नगर आयुक्त अक्षत वर्मा ने बताया है कि जल्द ही मच्छरों की रफ़्तार पर नगर निगम ब्रेक लगाएगा। काशी में पहली बार कोल्ड फॉगिंग का ट्रायल गुरुवार को किया गया। संचारी रोगों की रोकथाम के मद्देनजर मच्छरों पर नियंत्रण हेतु नगर निगम और स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त तत्वावधान में कोल्ड फागिंग का ट्रायल नगर आयुक्त अक्षत वर्मा की उपस्थिति में किया गया। इस तकनीक में मशीन में डीजल की जगह पानी का इस्तेमाल किया जाता है। थर्मल फागिंग में जहां डीजल का प्रयोग कीटनाशक के साथ धुआं बनाने को किया जाता है,वही कोल्ड फागिंग में कीटनाशक का प्रयोग पानी के साथ किया जाता है। कोल्ड फागिंग में धुएं की जगह मिस्ट बनते हैं। इस नवोन्मेष से मच्छरो और जनित बीमारियों पर नियंत्रण होगा,वही इसके प्रकोप से बचाव भी किया जा सकेगा। नगर आयुक्त अक्षत वर्मा ने यह जानकारी देते हुए बताया कि इस नई तकनीक को कुछ संवेदनशील वार्डो में प्रथम स्तर प्रयोग किया जाएगा। डीएमओ शरत चंद पाण्डेय ने बताया कि इसके प्रयोग के लिए डेल्टामेथ्रिन 2%फीसदी एह का प्रयोग पानी में मिलाकर किया जाता है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में चकित्सालयों मे जहां इसका प्रयोग होगा,वही संक्रमण काल में हाट स्पाट क्षेत्रों में डेंगू केस के सापेक्ष निरोधात्मक कार्यवाही में भी होगा। बताया कि इसमें सफलता मिलने पर वार्डो में भी इसका प्रयोग किया जाएगा।

विद्युत वितरण मंडल: 49 संविदाकर्मी निकाले गए

वाराणसी। विद्युत मजदूर पंचायत एवं विद्युत संविदा मजदूर पंचायत की गुरुवार को हुई बैठक में विद्युत वितरण मंडल के अधीन खंडों में कार्यरत 49 संविदाकर्मियों के निकाले जाने पर रोष व्यक्त किया गया। संगठन ने चेतावनी दी कि यदि संविदाकर्मियों को बहाल नहीं किया गया तो आंदोलन किया जाएगा।

भिखारीपुर स्थित संगठन कार्यालय पर हुई बैठक में वक्ताओं ने कहा कि विद्युत वितरण मंडल के अधीन खंडों में कार्यरत 49 संविदाकर्मियों को कार्यदायी संस्था मेसर्स ग्रिड पावर कंपनी ने नौकरी से निकाल दिया है, जिससे उनके समक्ष रोजगार का संकट उत्पन्न हो गया है। जिससे संगठन एवम कर्मचारियों में भारी गुस्सा एवं रोष है। जिलाध्यक्ष रविंद्र कुमार पटेल ने कहा कि अकारण निकाले गये संविदा कर्मचारियों की नौकरी जाने से उनका परिवार सड़क पर आ जायेगा। संगठन के पूर्वांचल महामंत्री वेद प्रकाश राय ने कहा कि ग्रामीण मंडल में कुल तीन खंड विद्युत वितरण हरहुआ, बरईपुर व चिरईगांव हैं।

विगत वर्ष ही सात उपखंड और भी नए सृजित हुए हैं। 33/11 विद्युत उपकेंद्रों की संख्या 42 और उपभोक्ताओं की संख्या लगभग चार लाख 10 हजार के पास हो गई है। विद्युत संयोजन में भी दोगुने से भी ज्यादा की वृद्धि हुई है। इन्हीं संविदा कर्मचारियों के जरिए पीएम के कार्यक्षेत्र में 24 घंटे की निर्बाध विद्युत आपूर्ति दी जा रही है।

राजस्व वसूली एवं सरकार की योजना ओटीएस में भी इनका महती योगदान है। फिर भी अकारण सभी को नौकरी से निकाल दिया गया। पूर्वांचल अध्यक्ष इंद्रेश कुमार राय ने कहा कि निकाले गये संविदाकर्मियों को बहाल नहीं किया गया तो संगठन बड़े आंदोलन के लिए बाध्य होगा। बैठक में पुनीत राय, संदीप कुमार, उदय प्रताप सिंह, राजकुमार यादव, विजय नारायण हिटलर, प्रशांत सिंह गौतम, उदयभान दूबे, संजय सिंह, रंजीत पटेल, वीरेन्द्र सिंह विशेन, रामजीत मिश्र, जयप्रकाश सिंह, यशवंत मौर्या, संतोष कुमार सिंह, शशिभूषण सिंह, तरुण कौशिक, अवधेश यादव, रुद्र प्रताप सिंह, सुरेन्द्र आदि पदाधिकारी उपस्थित रहे।

वोटर लिस्ट में सुधार को मांगा सहयोग

वाराणसी। मतदाता सूची के पुनरीक्षण के लिए प्रशासन ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से सहयोग मांगा है। जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी एस राजलिंगम ने गुरुवार को राइफल क्लब सभागार में राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों संग बैठक कर कहा कि पारदर्शी चुनाव के लिए मतदाता सूची का शुद्ध होना आवश्यक है। सभी राजनीतिक दल बूथ लेवल एजेन्ट (बीएलए) की नियुक्ति कर लें और ऑनलाइन आवेदन पत्र को बढ़ावा दें। उन्होंने बीएलए नियुक्त करते हुए उसकी जानकारी जिला निर्वाचन कार्यालय में उपलब्ध कराने के लिए कहा जिससे मतदाता सूची को दुरुस्त करने में उनका सहयोग लिया जा सकें। जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी एस राजलिंगम ने सभी राष्ट्रीय और राज्यीय राजनीतिक दलों से 30 अप्रैल तक सुझाव आमंत्रित किया। उन्होंने बताया कि हर वर्ष निर्वाचक नामावली का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम अक्टूबर- नवम्बर के मध्य होता है। निर्वाचक नामावली का अन्तिम प्रकाशन जनवरी के प्रथम सप्ताह में किया जाता है। आयोग ने अब वर्ष में चार अर्हता तिथियां नियत की है। घर- घर सर्वे के दौरान यदि कोई मतदाता एक जनवरी की अर्हता तिथि के अतिरिक्त एक अप्रैल, एक जुलाई व एक अक्टूबर को अर्ह हो रहे है तो उन सभी अर्ह मतदाताओं से फार्म-6 भरवाकर लिया जाए और अर्ह तिथि में उनके नाम मतदाता सूची में शामिल करने की कार्रवाई की जाए।

शहीद भगत सिंह की जयंती पर रक्तदान शिविर संपन्न

रिम्मी कौर

चंदौली। 23 मार्च 2025 को शहीद-ए-आजम भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव के शहीदी दिवस के अवसर पर सतनाम सिंह (सोशल एक्टिविस्ट एवं ब्लड डोनर) के नेतृत्व में एक विशेष रक्तदान शिविर और देशभक्ति गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करना और युवाओं में देशभक्ति की भावना को जागृत करना था। समाजसेवा में अपनी अहम भूमिका निभाने वाली पत्रकार ने भी रक्तदान किया। उन्होंने कहा कि मीडियाकर्मियों को ऐसे कामों और आगे आना होगा।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में सकलडीहा विधायक प्रभु नारायण यादव जी और सांसद प्रतिनिधि सुनील जी उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में कमलेश राज (कस्टम और सेंट्रल जीएसटी विभाग), हर्ष राज प्रसाद (पूर्व CIT एडमिन), सबा खान (सोशल वर्कर, वाराणसी), सलमा किन्नर (राष्ट्रीय किन्नर अध्यक्ष), दिनेश चन्द्रा (भूतपूर्व राज्य भाषा अधिकारी), सुशील मित्तल (उद्योगपति), विनय वर्मा (लेखक एवं कवि), सीबीएस कोचिंग के डायरेक्टर धनंजय सिंह, निधि यादव (सभासद), अनिल यादव सर (लेखक) चकरू यादव और पुलवामा हमले में शहीद जवान अवधेश कुमार यादव के पिता श्री हरिकेश लाल यादव जी की प्रेरणादायक उपस्थिति ने आयोजन को और भी भावनात्मक और प्रेरक बना दिया।

इस मौके पर सतनाम सिंह ने कहा, ऐसे वीर पिता का सम्मान करना हमारे लिए गर्व की बात है, जिन्होंने देश की रक्षा के लिए अपना बेटा कुर्बान कर दिया। आज हम सबका कर्तव्य है कि हम भी देश सेवा में योगदान दें और उनके बलिदान को याद रखें। इस महत्वपूर्ण आयोजन में राजेश गोस्वामी, जुबेर अहमद, मनमीत सिंह, अदिति जैस, राजन और कुमार नंद जी, संतोष पाठक, दुर्गेश पांडे (एडवोकेट) प्रोफेसर राजेन्द्र सिंह, हिमांशु तिवारी, अजय यादव, पवन सिंह की उपस्थिति ने कार्यक्रम को और भी सार्थक बनाया।

कार्यक्रम में विशेष आकर्षण के रूप में मुंबई की मशहूर गायक कलाकार हरप्रीत कौर टुटेजा और तिवारी ब्रदर्स (अरुण तिवारी एवं ओम तिवारी) ने अपनी जीवंत गायन प्रस्तुतियों से सभी को

मंत्रमुग्ध कर दिया। उनके जोशीले और देशभक्ति से ओतप्रोत गीतों ने उपस्थित लोगों में देशभक्ति की भावना को और भी प्रबल बना दिया। रक्तदान शिविर में रवनीत सिंह (सुपुत्र सतनाम सिंह) ने अपने पिता के पदचिह्नों पर चलते हुए चौथी बार रक्तदान किया। उनके साथ अन्य रक्तदाताओं में मुकेश जायसवाल, अंकुर भारद्वाज, सुरेंद्र सिंह, जसप्रीत कौर, बलविंदर कौर, गुरदीप कौर, रिम्मी कौर, प्रवीर कुमार यादवेंदु, आशु कुमार, पियूष अग्रवाल, प्रितेश कुमार उपाध्याय, अजहर भाई, तारिक अब्बास, प्रिया जेस, नीतेश जैस,अजय यादव, शिवशंकर शुक्ला, अनुप सिंह और अन्य लोगों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

कार्यक्रम में इंकलाब ज़िंदाबाद - लहू बोल उठा वंदे मातरम विषय पर देशभक्ति गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें मनोज श्रीवास्तव जी एवं उनकी इंग्लिश एक्सप्रेस कोचिंग के छात्रों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। आयोजन के सफल संयोजन में होटल सनशाइन इन की रीमा कौर जी,जन सहयोग संस्था और निफा चंदौली के सदस्यों का विशेष सहयोग रहा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं **प्रधान संपादक अजीत कुमार सिंह**, कुतुलुपुर रामनगर वाराणसी से प्रकाशित व मीडियाटेक्स्ट प्राइवेट लिमिटेड आराजी संख्या 68, मौजा गोविंदपुर, जीटी रोड रोहनिया, वाराणसी से मुद्रित। **आरएनआई नम्बर** : UPBIL05106 । इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से सम्बंधित विवादों का न्याय क्षेत्र वाराणसी होगा।

सम्पर्क : 9473893322
7309842122 (विज्ञापन)